अब वेब पर भी www.rashtriyaprastavana.com

उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र

आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक

राष्ट्रीय प्रस्तावना

गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद,आजमगढ़, अयोध्या, झांसी,अम्बेडकरनगर, एटा,औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर,जौनपुर,श्रावस्ती,उरई,जालौन, फिरोजाबाद,हरदोई, मथुरा,कानपुर,ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर,सिद्धार्थनगर,सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुलतानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 14 अंक 327 लखनऊ, सोमवार, 16 जून 2025 पृष्ठ: 8 मूल्य : 2.00

संक्षिप्त

देश में कोरोना के सक्रिय मामलों में गिरावट, 10 और मरीजों की मौत

नई दिल्ली। भारत में कोविड-19 के कुल सक्रिय मामलों की संख्या रविवार को 7,400 से घटकर 7,383 हो गयी। पिछले 24 घंटों के दौरान सक्रिय मामलों में 17 की कमी आयी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से आज सुबह आठ बजे जारी आंकड़ों के अनुसार इस संक्रमण से 10 लोगों ने जान गंवायी है। इसके बाद कोरोना वायरस से मरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 97 हो गयी हैं। पिछले 24 घंटों के दौरान कोविड-19 से दिल्ली में तीन, केरल में पांच और महाराष्ट्र में दो लोगों की मौत हुयी है। इन सभी को गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं थीं। दिल्ली और मध्य प्रदेश में नये संक्रमण 10-10 बढ़कर क्रमशः 682 और 130 हुये, जबकि केरल में 102 मामलों की कमी आयी, हालांकि केरल का कुल मामले सबसे ज्यादा 2007 है।

सेना ने राजौरी जिले में नियंत्रण रेखा पर घुसपैठ नाकाम की

राजौरी। सेना के सतर्क जवानों ने रविवार को जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में नियंत्रण रेखा पर घुसपैठ को नाकाम कर दिया है, जबकि पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा पर संदिग्ध गतिविधि का पता चलने के बाद तलाशी अभियान जारी है। सतर्क जवानों ने राजौरी जिले के केरी सेक्टर के बरातगाला इलाके में नियंत्रण रेखा पर कुछ संदिग्ध गतिविधि देखी। सतर्क जवानों ने घुसपैठियों को आगे न बढ़ने की चेतावनी दी, लेकिन संदिग्ध घुसपैठियों को लगातार आगे बढ़ते देख जवानों ने तुरंत गोलीबारी की। सेना ने घुसपैठियों को नियंत्रण रेखा के पाकिस्तानी हिस्से में वापस जाने के लिए जवानों ने मजबूर कर दिया। इसके बाद नियंत्रण रेखा पर इलाके की तलाशी शुरू कर दी गई।

अहमदाबाद विमान दुर्घटना में मारे गए यात्रियों के बीमा, मुआवजे के लिए हेल्पडेस्क शुरू

अहमदाबाद। अहमदाबाद में एअर इंडिया विमान दुर्घटना में मारे गए यात्रियों के बीमा और मुआवजा का भुगतान करने के लिए जिला प्रशासन के सहयोग से सिविल अस्पताल में हेल्प डेस्क शुरू की गई है। साथ ही युद्ध स्तर पर राहत और बचाव कार्य किए जा रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग ने ट्रॉमा सेंटर में 100 स्वास्थ्यकर्मियों सहित कुल 855 से अधिक स्टाफ को राहत-बचाव कार्य में लगाया है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के निर्देश पर संबंधित जिलों के कलेक्टरों ने विमान दुर्घटना में मृतकों के परिजनों से संपर्क कर वैधानिक उत्तराधिकारियों को बीमा या मुआवजे की सहायता दिलाने के लिए लेखा अधिकारियों, अन्य अधिकारियों को नोडल अधिकारी के रूप में नियुक्त किया है।

यूपी में माफिया पर पुलिस का डर दिखना चाहिए : अमित शाह

केन्द्रीय गृह मंत्री ने उत्तर प्रदेश के नवचयनित आरक्षियों को सौंपे नियुक्तिपत्र

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- योगी को बताया प्रदेश का सबसे सफल मुख्यमंत्री
- मोदी सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ कड़ा रूख अपनाया

लखनऊ। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि 11 राज्यों में फैला नक्सलवाद अब केवल तीन जिलों तक सीमित रह गया है और 31 मार्च 2026 तक भारत पूरी तरह नक्सलवाद मुक्त हो जाएगा। आतंकवाद के खिलाफ भी मोदी सरकार ने कड़ा रुख अपनाया है। पाकिस्तान के तीन आतंकी हमलों का प्रयास किया गया, लेकिन भारत ने हर बार मुंहतोड़ जवाब दिया और आतंकियों के ठिकानों को नष्ट किया। शाह ने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा कि भारतीय वायुसेना ने आतंकियों के मुख्यालयों को ध्वस्त कर दिया। केन्द्रीय गृह मंत्री रविवार को लखनऊ में वृंदावन योजना, सेक्टर 18 स्थित डिफेंस एक्स्पो ग्राउंड पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस कार्यक्रम में 60,244 नवचयनित पुलिस कार्मिकों को नियुक्तिपत्र वितरित किये गये। अपने संबोधन में अमित शाह ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पारदर्शी और समावेशी भर्ती प्रक्रिया के लिए जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि योगी आदित्यनाथ सबसे सफल मुख्यमंत्री हैं। योगी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश पुलिस ने न केवल भर्ती प्रक्रिया को निष्पक्ष और योग्यता आधारित बनाया, बल्कि हर जाति, जिले और तहसील के युवाओं को अवसर प्रदान कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। शाह ने विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया कि इन नियुक्तियों में न खर्च, न पर्ची, न सिफारिश और न ही जाति के आधार पर कोई भेदभाव हुआ, बल्कि पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और योग्यता के आधार पर संपन्न हुई। अमित शाह ने कहा कि उत्तर प्रदेश पुलिस देश का सबसे बड़ा पुलिसबल है और आज 60,244 युवा इसके अभिन्न अंग बन रहे हैं। उन्होंने इस दिन को नवनियुक्त कार्मिकों के जीवन का सबसे शुभ दिन करार देते हुए कहा कि यह गौरव का क्षण है। शाह ने बताया कि इनमें 12 हजार से अधिक बेटियां भी शामिल हैं, जिनके चेहरों पर खुशी देखकर उन्हें अपार सुकून मिला। उन्होंने कहा कि महिलाओं के लिए आरक्षित पदों का शत-प्रतिशत लाभ उत्तर प्रदेश में सुनिश्चित किया गया है, जो योगी सरकार की एक बड़ी उपलब्धि है। केन्द्रीय मंत्री शाह ने उत्तर प्रदेश में 2017 के बाद आए बदलावों की चर्चा करते हुए कहा कि आजादी के बाद से उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था लगातार बिगड़ती रही थी, लेकिन 2017 में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा सरकार बनने के बाद यूपी पुलिस ने नई बुलंदियों को छूना शुरू किया। उन्होंने कहा कि योगी ने औद्योगिक विकास, शिक्षा, कानून व्यवस्था, बुनियादी ढांचा, बिजली और नल से जल जैसी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाकर एक परिवर्तनकारी युग की शुरुआत की है। शाह ने जोर देकर कहा कि यूपी अब दंगों का गढ़ नहीं रहा, बल्कि दंगामुक्त हो चुका है और गुंडों का फरमान अब नहीं चलता। उन्होंने नवनियुक्त कार्मिकों से इस परंपरा को और मजबूत करने का आह्वान किया।

पहले पैसे और सिफारिश के बिना नौकरी मिलना असंभव था: योगी

- पुलिस बल कानून-व्यवस्था का ही नहीं, बल्कि सामाजिक विश्वास का प्रतीक बन रहा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। वर्दीधारी ट्रेनिंग में जितना पसीना बहाएंगे, जीवन में उतना ही कम खून बहेगा। महाकुम्भ में पुलिस की भूमिका एक मिसाल थी। यहां आने वाले हर इंसान ने पुलिस के व्यवहार की प्रशंसा की। अगर हम वहां कर सकते हैं, तो हर जगह कर सकते हैं। पुलिस बल केवल कानून-व्यवस्था का नहीं, बल्कि सामाजिक विश्वास का प्रतीक बन रहा है। यूपी पुलिस में 60,244 पुलिसकर्मियों की भर्ती एवं नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम ऐसे समय में हो रहा है, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के देश सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 11 वर्ष के कार्यकाल ने नए भारत के रूप में प्रत्येक भारतीय के जीवन में परिवर्तन लाने का काम किया है। यह बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को डिफेंस एक्सपो ग्राउंड में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह द्वारा 60,244 नवनियुक्त पुलिस कार्मिकों के नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में कही।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 60,244 नव-नियुक्त पुलिसकर्मियों का नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम देश के सबसे बड़े सिविल पुलिस बल में अब तक का सबसे बड़ा नियुक्ति कार्यक्रम है। उन्होंने कहा कि यह महज एक प्रशासनिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के 'स्मार्ट पुलिसिंग' विजन को साकार करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में पुलिस भर्ती में भाई-भतीजावाद और भ्रष्टाचार हावी था। पैसे और सिफारिश के बिना नौकरी मिलना असंभव था, लेकिन अब यह सब बीते जमाने की बात हो चुकी है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पिछले 8 वर्षों में प्रदेश के युवाओं को साढ़े आठ लाख से अधिक सरकारी नौकरियां दी गईं है। वहीं अकेले यूपी पुलिस में करीब सवा दो लाख भर्तियां की गई हैं। उन्होंने कहा कि इस भर्ती में गरीब से गरीब परिवार का बेटा भी शामिल हुआ है। अब वह भी सिपाही बनकर प्रदेश की जनता की सेवा में योगदान दे पाएगा। सीएम योगी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'स्मार्ट पुलिसिंग' के सूत्र स्ट्रिक्ट एंड सेंसटिव, मॉर्डन एंड मोबाइल, अलर्ट एवं अकाउंटिबल, रिलायबल एंड रिस्पॉन्सिबल और टैक्नो सैवी एंड ट्रेंड का हवाला देते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश ने इन सिद्धांतों को जमीनी हकीकत बना दिया है।

संतकबीर नगर के सत्यम नायक, खीरी के प्रेम सागर, फर्रुखाबाद की शालिनी शाक्या, बलिया के उपेंद्र कुमार यादव, बरेली की शिल्पा सिंह, कानपुर देहात के बीनू बाबू, महोबा के योगेंद्र सिंह, उन्नाव के शिवांश पटेल, वाराणसी के मनीष त्रिपाठी, लखनऊ की रोशन जहां, कानुपर नगर के आजाद कुशवाहा, गोरखपुर की मिथिलेश भट्ट, रायबरेली की सोनी रावत, मऊ की नेहा गोंड, बागपत के सचिन सैनी को मंत्र से नियुक्ति पत्र दिया गया।

कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य,ब्रजेश पाठक, केशव प्रसाद मौर्य, मंत्री सुरेश खन्ना, स्वतंत्र देव, सूर्य प्रताप शाही, बेबी रानी मौर्य, आशीष पटेल, ओम प्रकाश राजभर, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह, डीजीपी राजीव कृष्ण, प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद आदि मौजूद रहे।

इजराइल और ईरान ने तीसरे दिन भी एक-दूसरे पर मिसाइलों के किए हमले

एजेंसी

तेल अवीव/यरूशलम। इजराइल और ईरान ने तीसरे दिन भी एक-दूसरे पर मिसाइलों के हमले किये हैं। इजराइली रक्षा बलों (आईडीएफ) ने रविवार को पुष्टि की कि ईरान ने एक नई मिसाइल हमले की लहर शुरू की है, जिससे पूरे इजराइल में अलर्ट की स्थिति बन गई। सेना ने नागरिकों को सुरक्षित आश्रयों के पास रहने और सार्वजनिक स्थानों में आवाजाही सीमित करने की चेतावनी दी। इजराइली सेना ने बयान में कहा, ''हमारी रक्षा प्रणाली खतरे को रोकने के लिए सक्रिय हो चुकी है। पूरे देश में नागरिकों को निर्देश दिया गया है कि वे संरक्षित स्थलों के निकट रहें, अनावश्यक रूप से बाहर न निकलें और सार्वजनिक जमावड़ों से बचें।''

अमेरिकी टेलीविजन चैनल 'सीएनएन' की रिपोर्ट के मुताबिक तेल अवीव शहर में हवाई हमले के सायरन बजने लगे, जिससे लोगों में तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई। हालात को देखते हुए इजराइली सेना से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर रहने के निर्देश दिए हैं। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी 'आईआरएनए' और राज्य टेलीविजन ने भी इस बात की पुष्टि की कि रविवार को इजराइल के खिलाफ ''नई मिसाइलों की लहर'' दागी गई है। यह हमला दोनों देशों के बीच जारी संघर्ष के तीसरे दिन हुआ। हालांकि हमले के कुछ घंटे बाद, इजराइली सेना ने स्थिति की समीक्षा करते हुए एक नई घोषणा जारी की। आईडीएफ के अनुसार, ''स्थिति का आकलन करने के बाद गृह मोर्चा कमांड ने सभी क्षेत्रों में लोगों को संरक्षित स्थानों से बाहर निकलने की अनुमति दे दी है।'' इस फैसले से जनता को थोड़ी राहत मिली है, हालांकि सतर्कता बरतने की अपील अब भी जारी है। इजराइल की राष्ट्रीय आपातकालीन सेवा मैगन डेविड एडोम (एमडीए) ने कहा कि ईरानी हमले में अभी तक किसी के घायल होने की कोई खबर नहीं है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पहुंचे साइप्रस

राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस ने किया भव्य स्वागत

- व्यापार और निवेश को मिलेगी नई गति

एजेंसी

लारनाका (साइप्रस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी तीन देशों की महत्वपूर्ण यात्रा के पहले चरण में रविवार को साइप्रस पहुंचे। लारनाका अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस ने स्वयं प्रधानमंत्री मोदी का गर्मजोशी से स्वागत किया। राष्ट्रपति क्रिस्टोडौलिडेस के विशेष निमंत्रण पर प्रधानमंत्री मोदी 15-16 जून को साइप्रस की आधिकारिक द्विपक्षीय यात्रा पर हैं। यह यात्रा भारत और साइप्रस के बीच आर्थिक, निवेश, रक्षा और सांस्कृतिक साझेदारी को और प्रगाढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने साइप्रस पहुंचने पर ट्वीट किया, ''साइप्रस पहुंच गया हूं। हवाई अड्डे पर मेरा स्वागत करने के विशेष सम्मान के लिए राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस के प्रति आभार। यह यात्रा भारत-साइप्रस संबंधों को महत्वपूर्ण गति प्रदान करेगी, विशेष रूप से व्यापार, निवेश और अन्य क्षेत्रों में।''

जी-7 में आतंकवाद के मुद्दे को उठाएंगे: मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि उनकी कनाडा, साइप्रस और क्रोएशिया की यात्रा आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों से निपटने के लिए वैश्विक समझ को बढ़ाने का अवसर प्रदान करेगी। श्री मोदी ने तीन देशों की यात्रा पर रवाना होने से पहले अपने वक्तव्य में कहा, 'आज, मैं साइप्रस गणराज्य, कनाडा और क्रोएशिया की तीन देशों की यात्रा पर जाऊंगा। 15-16 जून को मैं राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडोलिड्स के निमंत्रण पर साइप्रस का दौरा करूंगा। साइप्रस भूमध्यसागरीय क्षेत्र और यूरोपीय संघ में एक करीबी दोस्त और एक महत्वपूर्ण भागीदार है। यह यात्रा ऐतिहासिक संबंधों को मजबूत करने और व्यापार, निवेश, सुरक्षा, प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में हमारे संबंधों का विस्तार करने और लोगों के बीच आदान-प्रदान को बढ़ावा देने का अवसर प्रदान करेगी।

प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा तीन देशों को कवर कर रही है, जिसके अंतर्गत साइप्रस (15-16 जून) प्रवास के दौरान पीएम मोदी वहां के शीर्ष नेताओं के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे।

पुणे में इंद्रायणी नदी का पुल ढहने से २ पर्यटकों की मौत, 12 सैलानी अभी भी लापता

एजेंसी

मुंबई। पुणे जिले के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल कुंडमाला में इंद्रायणी नदी पर बना पुराना पुल रविवार को दोपहर में अचानक ढह गया। इस घटना में करीब 24 पर्यटक बह गए हैं, इनमें से करीब १२ लोगों को नदी में निकाल कर अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में इलाज के दौरान दो पर्यटकों की मौत हो गई है। 12 सैलानी अभी भी लापता हैं, जिन्हें खोजने के लिए मौके पर एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीम पहुंच गई है और राहत और बचाव कार्य शुरु कर दिया गया है। मावल पुलिस स्टेशन के पुलिस निरीक्षक रणजीत जाधव ने बताया कि आज रविवार होने की वजह से प्रसिद्ध पर्यटन स्थल कुंडमाला में इंद्रायणी नदी पर बने पुराने पुल पर करीब सौ अधिक पर्यटक पहुंचे थे। यह पुल काफी पुराना और पादचारियों के लिए बनाया गया है।

यूपी के पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर सड़क हादसे में पांच की मौत, एक घायल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अमेठी। उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले के शुकुल बाजार थाना क्षेत्र अंतर्गत पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर रविवार सुबह एक एंबुलेंस आगे जा रही एक गाड़ी से टकरा गई। इस हादसे में एंबुलेंस सवार पांच लोगों की मौत हो गई और एक घायल हुआ है।पुलिस ने घायल को अस्पताल में भर्ती कराया है।

शुकुल बाजार के थानाध्यक्ष अभिनेष कुमार ने बताया कि पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के 59.7 किलोमीटर पर आज सुबह करीब 5:30 बजे पिकअप वाहन में पीछे से आई तेज रफ्तार एंबुलेंस घुस गई। इस हादसे में एंबुलेंस सवार छह लोगों में से चालक सहित पांच लोगों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई है। मृतकों की पहचान सरफराज निवासी नालहर हरियाणा, आबिद पुत्र हामिद फिरोजपुर, हरियाणा, राजकुमार शर्मा उर्फ सतीश पुत्र अशोक शर्मा एवं रवि शर्मा पुत्र बलराम शर्मा निवासीगण रामभद्रपुर थाना कल्याणपुर जिला समस्तीपुर बिहार और पांचवां फुलो शर्मा रवि टोला थाना हथौड़ी जिला समस्तीपुर बिहार के रहने वाले शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इसके अलावा एंबुलेंस सवार शंभू राय पुत्र योगेश्वर राय निवासी पुरनाही थाना वारिसनगर समस्तीपुर बिहार गंभीर रूप से घायल है। घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने जांच पड़ताल के बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उधर, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर हुए इस हादसे की जानकारी मिलने पर एसडीएम अभिनव कनौजिया मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि मृतकों के परिजनों को हरियाणा और बिहार में घटना की जानकारी दे दी गई है। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को पुलिस ने हटवाकर यातायात बहाल करवा दिया है।

केदारनाथ से गुप्तकाशी जा रहा हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त, सात लोगों की मौत

- खराब मौसम को बताया जा रहा है हेलिकॉप्टर दुर्घटना का कारण

एजेंसी

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ से गुप्तकाशी लौट रहा हेलिकॉप्टर गौरीकुंड के ऊपरी तरफ गौरी माई खर्क में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में 23 माह की बालिका सहित 7 लोगों की मौत हो गई। खराब मौसम को हेलिकॉप्टर दुर्घटना का कारण माना जा रहा है। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, डीडीआरएफ और पुलिस टीम ने मौके पर पहुंच कर शवों को बरामद किया। रविवार सुबह 5.21 बजे केदारनाथ हेलिपैड से आर्यन हेली कंपनी के हेलिकॉप्टर ने छह यात्रियों के साथ गुप्तकाशी के लिए टेकऑफ किया था। करीब 4 मिनट बाद यह हेलिकॉप्टर गौरीकुंड के ठीक ऊपर गौर माई खर्क में खराब मौसम के कारण एक पेड़ से टकरा गया। हादसे में पायलट सहित हेलीकॉप्टर में सवार सभी छह यात्रियों की मौके पर मौत हो गई। हादसे में मरने वालों में राजकुमार सुरेश जयसवाल (41) निवासी नंदीपेरा रोड सैन मंदिर महाराष्ट्र, श्रद्धा सुरेश जयसवाल (35), काशी (23 महीने) पुत्री राजकुमार सुरेश जयसवाल, विक्रम सिंह रावत (46) निवासी रांसी गांव पो. ऊखीमठ रुद्रप्रयाग, पायटल कैप्टर राजीव, राजस्थान, विनोद देवी (66), निवासी बिजनौर यूपी और तुष्टि सिंह (19) शामिल हैं। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, डीडीआरएफ, पुलिस के जवान मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू में जुट गये। सभी शवों को बरामद किया गया। घटनास्थल पर हेलिकॉप्टर का मलबा पड़ा है, जो बुरी तरह से जला हुआ है।

हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त के जांच के आदेश चारधाम की हेली सेवा 16 जून तक बंद

देहरादून। रुद्रप्रयाग हेलीकॉप्टर दुर्घटना के बाद उत्तराखंड सरकार ने चारधाम यात्रा के लिए हेली सेवाओं को 16 जून (सोमवार) तक पूर्णतः बंद करने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि ''किसी भी कीमत पर जनजीवन से समझौता नहीं किया जाएगा।'' मुख्यमंत्री ने रविवार को मुख्यमंत्री आवास में हुई बैठक के दौरान निर्देश दिए कि चार धाम में लगे सभी हेली ऑपरेटरों और पायलटों के उच्च हिमालय क्षेत्रों में उड़ान अनुभवों की जांच होगी व सभी हेली ऑपरेटरों के साथ बैठक के बाद ही पुनः हेली सेवा को सुचारु किया जाएगा। राज्य में अब हेली उड़ानों के बेहतर समन्वय और सुरक्षित संचालन के लिए देहरादून में एक कॉमन ''कमांड एवं कोऑर्डिनेशन सेंटर'' की स्थापना की जाएगी, जिसमें डीजीसीए, आपदा विभाग, सिविल एविएशन, यूकाडा, हेली आपरेटर कम्पनी के अधिकारियों की तैनाती होगी।

लखनऊ से 1200 किलोग्राम दशहरी आम का कन्साइनमेंट दुबई रवाना

- उत्तर प्रदेश के एफपीओ को पहली बार मिला सीधा निर्यात ऑर्डर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की नेतृत्व में कृषि निर्यात को बढ़ावा देने के अभियान को नई उड़ान मिली है। प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन एवं कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने रविवार को मैंगो पैक हाउस, रहमानखेड़ा, लखनऊ से दशहरी आम के 1200 किलोग्राम (400 पैक, प्रत्येक 3 किग्रा) का कन्साइनमेंट दुबई के लिए रवाना किया। यह आम का कन्साइनमेंट वायु मार्ग से लखनऊ से दुबई भेजा गया। आयातक कंपनी वरग्रो ट्रेडिंग एलएलसी, दुबई, यूएई है। इसका कुल मूल्य 2992 अमेरिकी डॉलर है, जो उत्तर प्रदेश के आम उत्पादकों को वैश्विक बाजार में नई पहचान दिला रहा है। इन्डो-जर्मन एएमडी प्रोजेक्ट के अंतर्गत लखनऊ क्षेत्र से चयनित तीन एफपीओ को कृषि निर्यात का प्रशिक्षण देकर उनकी क्षमता का विकास किया गया। इनमें से इरादा फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड एवं मलिहाबाद फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड को दुबई से दशहरी आम का सीधा ऑर्डर मिला है। यह दोनों एफपीओ इस वर्ष पहली बार स्वयं अपने स्तर पर दुबई को आम निर्यात कर रहे हैं। यह उत्तर प्रदेश के आम उत्पादकों के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने इस अवसर पर कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में प्रदेश का आम निर्यात लगातार बढ़ रहा है। हमारा लक्ष्य है कि उत्तर प्रदेश के आम उत्पादक किसान वैश्विक बाजार में अपनी मजबूत पहचान बनाएं। सरकार किसानों को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप उत्पादन, पैकेजिंग एवं निर्यात में हर संभव सहयोग प्रदान कर रही है। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम के दौरान प्रमुख रूप से इंद्र विक्रम सिंह (सचिव, कृषि एवं कृषि विदेश व्यापार), टी.के. शिबु (विशेष सचिव/निदेशक), निदेशक सीआईएसएच लखनऊ, एवं इंडो-जर्मन प्रोजेक्ट जयपुर की टीम उपस्थित रही।

शरीर, आत्मा और मन को जोड़ता है योग : डॉ. दयाशंकर मिश्र

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। आयुष, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. दयाशंकर मिश्र दयालु ने रविवार को लखनऊ में राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय में योग सप्ताह (15 से 21 जून तक) का शुभारंभ किया। डॉ. दयाशंकर मिश्र दयालु ने इस अवसर पर पत्रकारों से कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित समस्त प्रदेशवासियों एवं देशवासियों को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं है। ये 11वां योग दिवस होगा। 2014 से यह अनवरत 11वें वर्ष की योग की यात्रा है। भारत की यह विधा पूरे संसार में स्थापित हो गयी। योग शब्द का अर्थ जोड़ना होता है। शरीर, आत्मा और मन को जोड़ना। राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ.दयाशंकर मिश्र दयालु ने कहा कि यही योग आज समाज को जोड़ना माध्यम बन गया है। समाज के लोग पार्कों में एक साथ आते हुए योग कर रहे है। भारत के सभी अधिष्ठान, प्रतिष्ठान में योग हो रहा है। वाराणसी व प्रयागराज का गंगा का घाट हो, लखनऊ की रेजीडेंसी हो, योग हर स्थान पर होता दिख रहा है। आज से योग सप्ताह की शुरूआत हुई है। योग प्रशिक्षकों द्वारा योग सिखाया जा रहा है। एक सप्ताह तक स्कूल, कालेज, सरकारी संस्थान, मंदिर, अमृत सरोवरों के किनारे, पेड़ के नीचे युवा, मातृशक्ति योग करते हुए दिखेगें। इस बार योग सप्ताह एतिहासिक होने जा रहा है। डॉ. दयाशंकर मिश्र ने कहा कि जन जन के बीच में आयुष है। इसकी लोकप्रियता भी बढ़ी है। प्रधानमंत्री मोदी ने योग और आयुष को सहेजा है। दोनों को सहेज को स्थापित कर दिया है। मोदी के मन की बात को सुनेगें तो उनकी मन की बात योग, आयुष के बिना पूरी नहीं होती है। हम अपने जीवन शैली में योग को उतारते हैं तो उससे जीवन का चक्र और मजबूत होता है। हमारा रहन, सहन और खान पान शरीर पर असर डालते हैं। योग करते हुए खान पान को ठीक करने से अच्छा जीवन मिलता है।

संक्षिप्त समाचार

केदारनाथ में हेलिकॉप्टर क्रैश पर अखिलेश ने मृतकों को दी श्रद्धांजलि

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने केदारनाथ में हेलिकॉप्टर क्रैश की घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि केदारनाथ में हेलिकॉप्टर क्रैश की घटना पर मृतकों को श्रद्धांजलि एवं परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की। अखिलेश ने कहा कि सरकार सुनिश्चित करे कि सुरक्षा मानकों पर खरे उतरे बिना कोई भी उड़ान न भरी जाए। आप को बता दें कि आज सुबह केदारनाथ से तीर्थ यात्रियों को लेकर आर्यन कंपनी का हैली गौरीकुण्ड खर्क की पहाड़ियों में क्रैश हो गया। इसमें में पायलट समेत सात लोगों की मृत्यु हो गई है। आर्यन कम्पनी का हैली गुप्तकाशी से सुबह 5 बजकर 15 मिनट पर केदारनाथ के लिए यात्रियों को लेकर गया जिसके बाद वह 5 बजकर 25 मिनट पर केदारनाथ से वापस लौट रहा था, खराब मौसम के चलते यह हैली गौरीकुण्ड खर्क की पहाड़ियों में क्रैश हो गया। इस हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई।

दलितों पिछड़ों को हटाने के लिए ये सरकारें प्राइवेटाइजेशन कर रहीः बाबू सिंह कुशवाहा

लखनऊ। राजधानी के कैसरबाग स्थित गांधी भवन में रविवार को जन अधिकार पार्टी ने प्रदेश स्तरीय कार्यकर्ता बैठक का आयोजन किया जिसमें आने वाले पंचायत तथा जिला पंचायत चुनावों को लेकर मंथन किया गया। जौनपुर से सांसद तथा जन अधिकार पार्टी के संस्थापक बाबू सिंह कुशवाहा ने कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए कहा कि मौजूदा सरकारें दलितों पिछड़ों और वंचितों को दूर हटाने के लिए लगातार प्राइवेटाइजेशन कर रही है क्योंकि प्राइवेट नौकरियों में आरक्षण लागू नहीं होता है। उन्होंने कहा कि जन अधिकार पार्टी पूरी मजबूती के साथ जिला पंचायत चुनावों में उतरेगी क्योंकि जिसकी जितनी संख्या भारी उसकी उतनी भागीदारी होती है। जन अधिकार पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवकन्या कुशवाहा ने कहा कि जब तक आपका बूथ मजबूत नहीं होगा तब तक आपकी सत्ता में भागीदारी सुनिश्चित नहीं हो सकेगी। पार्टी कार्यकर्ताओं का आवाहन करते हुए उन्होंने कहा कि गांव गांव जाकर एससी एसटी ओबीसी और दबे कुचले लोगों से सम्वाद स्थापित करना होगा। प्रदेश स्तरीय कार्यकर्ता बैठक में पूरे प्रदेश से आएं कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

गुरुद्वारा सचखंड साहिब में विशेष समागम बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के गोमती नगर स्थित गुरुद्वारा सचखंड साहिब में पंजाबी महीना आषाढ़ के आगमन पर मासिक गुरमति समागम का आयोजन किया गया। समागम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरुआत गुरुद्वारा साहिब के हजूरी रागी भाई मनजीत सिंह के श्री गुरबाणी कीर्तन से हुई। आलमबाग से आए रागी जत्था भाई सतबीर सिंह ने भी कीर्तन प्रस्तुत किया। इसके बाद ज्ञानी मनजीत सिंह ने आषाढ़ माह की विशेषताओं उन्होंने गुरबाणी के माध्यम से इस महीने के आध्यात्मिक महत्व को समझाया। साथ ही संगत को जीवन में गुरमत विचारों को अपनाने का संदेश दिया। समागम में गुरुद्वारा साहिब के मुख्य सेवादार सरदार गुरशरण सिंह, सरदार अमरदेव सिंह, सरदार तेजपाल सिंह और सरदार जसवंत सिंह विशेष रूप से मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में गुरु का लंगर वितरित किया गया। श्रद्धालुओं ने मिलकर सेवा और प्रसाद ग्रहण किया। गुरुद्वारा प्रबंधक समिति के सहयोग से यह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

पतौरा में मिला अर्धनग्न शव, हाथों में रस्सी के निशान

लखनऊ। पारा थाना क्षेत्र के सलेमपुर पतौरा में रविवार सुबह करीब 8 बजे एक व्यक्ति का शव संदिग्ध हालत में मिला है। शव अर्धनग्न अवस्था में औंधे मुंह पड़ा हुआ था। मृतक की नाक से खून निकल रहा था और उसके बगल में एक चादर दबी हुई मिली। मृतक के हाथों पर रस्सी से बांधने के निशान पाए गए हैं। स्थानीय लोगों ने इस मामले में हत्या की आशंका जताई है। उनका कहना है कि किसी ने हत्या करने के बाद शव को यहां फेंक दिया है। सूचना मिलते ही पारा पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के अनुसार, मृतक को इलाके में घूमते हुए देखा गया था। फिलहाल पुलिस मृतक की पहचान करने में जुटी है और पंचनामे की कार्रवाई कर रही है।

सीपी ऑफिस और थाने के बाहर लात-घूंसे चले, कम पुलिस देखकर भिड़े दो पक्ष

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ में एसीपी कार्यालय और थाने के बाहर रविवार को खूब लात-घूंसे चले। इस दौरान एक सिपाही बीच-बचाव कराने की कोशिश करता रहा, लेकिन सफल नहीं हुआ। दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई। एक-दूसरे को खदेड़-खदेड़कर मारा। हालांकि, बाद में अन्य पुलिसकर्मियों ने पहुंचकर 9 लोगों को गिरफ्तार कर लिया। घटना मोहनलालगंज एसीपी कार्यालय और मोहनलालगंज थाने के बाहर का है। बताया जा रहा है कि ज्यादातर पुलिसकर्मियों की ड्यूटी गृहमंत्री अमित शाह के कार्यक्रम में लगी थी। यहां पर पुलिस की संख्या कम थी। कम पुलिसवाले देखकर थाने में शिकायत करने आए लोग आपस में भिड़ गए। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में एक सिपाही दोनों पक्षों को शांत करने का प्रयास करता दिख रहा है। लोग परवाह किए बिना एक-दूसरे पर हमला कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि कल्ली पूरब के दो पक्ष जमीन विवाद की शिकायत लेकर मोहनलालगंज थाने पहुंचे थे। इसी दौरान दोनों पक्षों में मारपीट शुरू हो गई। थाने और बगल में स्थित एसीपी कार्यालय में सिपाहियों की संख्या काफी कम थी। इस वजह से दोनों पक्षों के लोगों के बीच विवाद मारपीट तक पहुंच गया। थाना मोहनलालगंज पुलिस ने मारपीट के मामले में 9 लोगों को गिरफ्तार कर लिया। उनकी पहचान कल्ली पूरब के निवासीगण राम सिंह पुत्र दुलारे, सुमित पुत्र राम कुमार, राम कुमार पुत्र सुंदरलाल, राम जियावन पुत्र नन्हे, दिनेश पुत्र सुदामा, सर्वेश पुत्र रामरतन, प्रदीप पुत्र वंशीलाल, अनुज पुत्र मोहन, चन्द्रशेखर पुत्र राम दयाल के रूप में हुई। थाना प्रभारी दिलेश सिंह ने बताया ग्राम प्रधान राम खेलावन और गांव के राम जियावन के बीच दरवाजा खोलने-बंद करने को लेकर विवाद है। उसी मामले में दोनों पक्ष थाने पहुंचे थे।

लड़कियों में दिखा चयन पर उत्साह, बोलीं-सीएम योगी की निष्पक्ष नीति से बनी देश की सिपाही

- योगी सरकार की निष्पक्ष भर्ती प्रक्रिया से 12 हजार से अधिक बेटियों को मिला रोजगार का अवसर
- युवाओं ने कहा, पहले पैसे वालों को ही मिलती थी नौकरी, आज योग्यता को मिल रही प्राथमिकता

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के इतिहास में पहली बार पुलिस विभाग में इतनी बड़ी संख्या में युवाओं को एक साथ नियुक्ति पत्र सौंपे गए हैं। गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 60,244 नव चयनित सिपाहियों को नियुक्ति पत्र सौंपकर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस नियुक्ति प्रक्रिया में 12 हजार से अधिक लड़कियों को भी रोजगार का अवसर मिला है। जिससे प्रदेश भर में खासकर युवतियों में जबरदस्त उत्साह देखा गया। नव चयनित अभ्यर्थियों ने एक सुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की निष्पक्ष और पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया की सराहना की। योग्यता बनी नियुक्ति का आधारबरेली की लवी चौहान ने कहा कि हमें मेहनत का फल मिला है। सीएम योगी की वजह से ईमानदारी से भर्ती सम्भव हो सकी है। एक भी रुपए कहीं देने की जरूरत नहीं पड़ी। वहीं, बरेली की इजमा बी ने कहा कि पहली बार योग्यता के आधार पर इतनी बड़ी संख्या में नौकरी मिली है। वहीं प्रीति अपने खानदान की पहली सरकारी नौकरी पाने वाली युवती बन गई हैं। उन्होंने कहा, यह सब सीएम योगी की नीतियों की वजह से सम्भव हो पाया है। घर घर रोशनी, बेटियों को मिला सम्मानफिरोजाबाद की नीति यादव और बरेली की राधा पाल ने भी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि अब बेटियों को बराबरी का अवसर मिल रहा है। योगी सरकार की ईमानदार व्यवस्था से हजारों युवाओं के घरों में रोजगार का उजाला पहुंचा है। यह ऐतिहासिक भर्ती अभियान योगी सरकार की सुशासन और पारदर्शिता की मिसाल बनकर उभरा है। जहां एक ओर युवाओं को रोजगार मिला, वहीं दूसरी ओर लड़कियों को भी सम्मान और आत्मनिर्भरता की राह मिली। अब मेहनत करने वालों को मिल रहीं नौकरियांप्रयागराज के अनुराग शर्मा ने बताया कि पहले की सरकार के दौरान पैसे वालों को ही नौकरी मिलती थी, लेकिन अब मेहनत करने वालों को मौका मिल रहा है। यह सब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की निष्पक्ष परीक्षा व्यवस्था का परिणाम है। मुख्यमंत्री योगी की सख्त नीतियों के कारण ही मिला मौकाअमेठी के निवासी अखिलेश यादव ने बताया कि वे अपने परिवार के पहले व्यक्ति हैं, जिन्हें सरकारी नौकरी मिली है। यह सब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सख्त नीतियों के कारण ही सम्भव हो पाया है।

लखनऊ में केंद्रीय विद्यालय संगठन का वार्षिक सम्मेलन, शिक्षा नीति और शैक्षणिक प्रदर्शन पर चर्चा

लखनऊ। केंद्रीय विद्यालय संगठन लखनऊ संभाग का तीन दिवसीय वार्षिक प्राचार्य सम्मेलन रविवार को द रेग्नेंट होटल में शुरू हुआ। सम्मेलन में लखनऊ संभाग के 48 केंद्रीय विद्यालयों के प्राचार्य भाग ले रहे हैं। संभाग की उपायुक्त सोना सेठ ने सम्मेलन का उद्घाटन किया।उन्होंने विद्यालयों द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की। साथ ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया। सहायक आयुक्त अर्चना जायसवाल ने शैक्षणिक प्रदर्शन और वर्तमान सत्र की योजनाओं पर चर्चा की। सहायक आयुक्त अनूप अवस्थी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति, पीएम योजना और विज्ञान-गणित शिक्षा के प्रोत्साहन पर विचार रखे। 16 जून को केंद्रीय विद्यालय संगठन मुख्यालय के उपायुक्त मनोज कुमार पांडे शैक्षणिक और आईटी विषयों पर चर्चा करेंगे। विजय कुमार राजभाषा और खेलकूद पर, जबकि एमपी सिंह वित्तीय मामलों पर सत्र लेंगे।

शिया समुदाय ने मनाई ईद-ए-गदीर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में रविवार को ईद-ए-गदीर की नमाज अदा की गई। शिया समुदाय के लोगों ने बड़ी संख्या में नमाज अदा किया। सआदत गंज स्थित मस्जिद-ए- कूफा में बड़ी संख्या में शिया समुदाय के अधिकतर लोगों ने लाल लिबास में नमाज अदा किया। मौलाना मीसम रजा ने नमाज अदा करवाई। नमाज के बाद नमाजियों ने गले मिलकर एक दूसरे को मुबारकबाद दिया। बच्चे-बुजुर्ग सभी ज्यादातर लाल रंग का कपड़ा पहनकर मस्जिद-ए-कूफा पहुंचे। नमाज से पहले मौलाना मीसम रजा लगभग एक घंटे तक मजलिस पढ़ा। जिसमें उन्होंने ने कहा कि ईद उल अजहा (बकरीद) के एक सप्ताह बाद 18 जिल्हिज्जा को ईद-ए-गदीर मनाई जाती है। मौलाना ने कहा कि सभी लोग उत्साह के साथ ईद-ए-गदीर मना रहे हैं आज का दिन बेहद खास है। मौला की याद में ईद ए गदीर मनाई जाती है। मौलाना ने बताया कि ईद-ए-गदीर का दिन बहुत खास है। इसी दिन पैगम्बर मोहम्मद साहब ने चचेरे भाई मौला अली को अपने उत्तराधिकारी के रूप में नियुक्त किया था। जिसके बाद लगभग 1400 वर्षों इस का जश्न मनाता है। इस त्यौहार का नाम उस जगह से लिया गया है जहाँ पैगंबर मोहम्मद साहब ने अपना उत्तराधिकारी की घोषणा किया था। जिसे खुम का तालाब (गदीर) कहा जाता है। हजरत अली की शिक्षाओं पर चलना जरूरी है। ऑल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड के महासचिव मौलाना यासूब अब्बास ने कहा कि सभी लोगों को आज के दिन खुशियां मनानी चाहिए। हजरत अली की शिक्षाओं पर चल कर ही हमें कामयाबी हासिल हो सकती है। मौलाना ने कहा कि घरों में मौला अली की नजर करवाएं अन्य ईद की तरह इस ईद पर भी अच्छे पकवान बनाएं। साथ ही बच्चों में ईदी बांटे। पैगंबर मोहम्मद साहब ने हजरत अली को अपना उत्तराधिकारी (जानशीन) चुनने के बाद स्वयं खुशी मनाते हुए सभी मुसलमानों को खुशी मनाने का आदेश दिया था। बकरीद के एक सप्ताह बाद अरबी कैलेंडर के अनुसार 18 जिल्हिज्जा को ईद-ए-गदीर मनाई जाती । पहले शिया समुदाय नए कपड़े पहन कर ईद-ए-गदीर की नमाजअदा करता है, उसके बाद एक दूसरे को मुबारकबाद पेश करते है। नमाज के बाद हजरत अली के नाम की महफिल होती है आज के दिन जगह-जगह सबील लगाई जाती है घरों में विशेष पकवान बनते हैं। ईद-ए-गदीर पर गरीबों को भोजन कराना बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है।

काकोरी के कन्या इंटर कॉलेज में मिला चपरासी का शव, जांच में जुटी पुलिस

लखनऊ। काकोरी के कन्या इंटर कॉलेज में एक दुखद घटना सामने आई। स्कूल के चपरासी सैयद अली का शव रविवार सुबह साढ़े सात बजे स्कूल परिसर में मिला। मोहल्ले के खेलने आए बच्चों ने सबसे पहले शव को देखा और अन्य लोगों को सूचित किया। सैयद अली गोंडा जनपद के बलरामपुर पिपरा गांव के रहने वाले थे। वह कई वर्षों से स्कूल परिसर में बने एक कमरे में रहकर चपरासी की नौकरी कर रहे थे। इंस्पेक्टर सतीश राठौर ने बताया कि रात में हुई बारिश के कारण शव भीगा हुआ था। पुलिस को प्राथमिक जांच में अत्यधिक गर्मी के कारण बुजुर्ग की मौत होने की आशंका है।

तीन लुटेरे और ज्वेलर्स गिरफ्तार महिला दुकानदारों से लूटते थे गहने

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। गोसाईंगंज थाना क्षेत्र में हुई चेन स्नैचिंग की वारदात का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने तीन लुटेरों और एक ज्वैलर्स को गिरफ्तार किया है। मामला गोसाईंगंज के निजामपुर का है। यहां परचून की दुकान चलाने वाली सियारानी से बाइक सवार तीन लुटेरों ने 10 रुपए का गुटखा खरीदने के बहाने सोने की चेन छीन ली थी। पीड़िता के बेटे अजय साहू की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया था। घटना की जांच के लिए 5 पुलिस टीमें लगाई गईं। टीमों ने आसपास के करीब 150 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। 14 जून की शाम को मुखबिर से संदिग्धों की पहचान दीपक श्रीवास्तव, हर्षित यादव और प्रांशु वर्मा के रूप में हुई। रात 9 बजे पुलिस ने रेलवे क्रॉसिंग के पास से तीनों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने चोरी की चेन को गोसाईंगंज स्थित श्रीकृष्ण ज्वैलर्स में 31,000 रुपए में बेच दिया था। पुलिस ने ज्वैलर्स के मालिक शुभम गुप्ता से पूछताछ की। शुरू में उसने चेन खरीदने से इनकार किया। बाद में उसने स्वीकार किया कि 9 ग्राम वजन की 18 कैरेट सोने की चेन, जिसकी कीमत करीब 70,000 रुपए थी, उसने 31,000 रुपए में खरीदी थी। पूछताछ में शुभम ने चोरी के कई अन्य जेवरात भी सस्ते दामों में खरीदने की बात कबूल की। शुभम गुप्ता चोरी के जेवरात खरीदता-बेचता था। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वह मोटरसाइकिल से गांव के आउटर में स्थित दुकानोंधुमटियों में जाकर रेकी करते थे। जिन दुकानों में महिलाएं अकेली दुकान चलाती मिलती थीं और सोने-चांदी के आभूषण पहने रहती थीं। उनको चिह्नित कर लिया जाता था। फिर अंधेरा होने के बाद तीनों अभियुक्त उस दुकान में जाते थे और उनमें से किसी एक अभियुक्त के द्वारा दुकान में जाकर सामान खरीदने के बहाने महिला को व्यस्त रखा जाता था और बाकी दो अभियुक्त मोटरसाइकिल स्टार्ट करके रखते थे।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सांस्कृतिक और आध्यात्मिक स्थल भी होंगे योगमय

- 21 जून को पूरे प्रदेश में धूमधाम से मनाया जाएगा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार की तैयारियां पूरे जोश के साथ आगे बढ़ रही हैं। हर बार की तरह इस बार भी योग दिवस को सांस्कृतिक और आध्यात्मिक चेतना से जोड़ते हुए ऐतिहासिक स्थलों पर विशेष आयोजन किए जा रहे हैं।

आयुष मंत्री दयाशंकर दयालु ने बताया कि गोरखपुर के गोरखधाम मंदिर, प्रयागराज के त्रिवेणी संगम, सीतापुर के नैमिषारण्य चक्र तीर्थ और वाराणसी के काशी विश्वनाथ धाम जैसे धार्मिक स्थलों पर भी सामूहिक योगाभ्यास का आयोजन किया जाएगा। यही नहीं,लखनऊ के राजभवन और मथुरा के प्रेम मंदिर में भी योग से जुड़ी गतिविधियों का भव्य आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही, ग्राम पंचायत, ब्लॉक, तहसील और जिले के ऐतिहासिक स्थलों पर भी योग सत्र आयोजित होंगे। 15 जून से योग सप्ताह की शुरुआत के साथ पूरे प्रदेश में जनपद एवं राज्य स्तर पर अनेक कार्यक्रम शुरू हो गए हैं। इस दौरान प्रतिभागियों को योग प्रतिज्ञा भी दिलाई गई। 16 जून को स्कूलों और महाविद्यालयों में योगासन के साथ-साथ पोस्टर, भाषण, निबंध, प्रश्नोत्तरी और रंगोली प्रतियोगिताएं कराई जाएंगी। 17 जून को 'आयुष ग्राम योग दिवस' के तहत ग्राम पंचायतों में योग सत्र और स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित होंगे। 18 जून को विशेष वर्ग-जैसे दिव्यांग, कैदी, अनाथालयों और झुग्गीवासियों के लिए भी योग कार्यक्रम तय हैं। 19 जून को सरकारी और कॉर्पोरेट दफ्तरों में सामूहिक योगाभ्यास होगा। 20 जून को महिला स्वास्थ्य को केंद्र में रखते हुए छात्राओं, गर्भवती, प्रौढ़ और कामकाजी महिलाओं के लिए योग सत्र होंगे। 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर राजभवन लॉन, रेजीडेंसी और सभी जिला मुख्यालयों पर सामूहिक योगाभ्यास आयोजित होगा। इसी दिन जनपद और राज्य स्तर की विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित भी किया जाएगा।

प्रतियोगिताएं और पुरस्कार

राज्य व जनपद स्तर पर निबंध, स्लोगन, चित्रकला और योगासन प्रतियोगिताएं कराई जा रही हैं। 16 जून को शाम 5 बजे तक http://iyd2025.com पोर्टल पर प्रविष्टियां ली जाएंगी। 21 जून को मुख्य आयोजन के बाद इन प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया जाएगा। राज्य स्तर पर प्रथम पुरस्कार 21,000 रुपए, द्वितीय पुरस्कार 11,000 रुपए, तृतीय पुरस्कार 5,100 रुपए, चतुर्थ पुरस्कार 2,100 रुपए और पंचम पुरस्कार पुरस्कार 1,100 रुपए का होगा। जनपद स्तर पर पुरस्कार वितरण हेतु सभी 75 जिलों को 2.63 करोड़ रुपए से अधिक की धनराशि आवंटित कर दी गई है।

मऊ उपचुनाव: सुभासपा-भाजपा गठबंधन और सपा में होगी जंग

- सुभासपा ने ठोका दावा, भाजपा के साथ मिलकर मैदान में उतरने की तैयारी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। माफिया मुख्तार अंसारी के बेटे व विधायक अब्बास अंसारी को दो साल की सजा मिलने के बाद विधानसभा सदस्यता खत्म हो गई है। अब मऊ सदर सीट पर उपचुनाव की सुगबुगाहट तेज हो गई है। इस सीट को लेकर सुभासपा-भाजपा गठबंधन, अंसारी परिवार और समाजवादी पार्टी के बीच सियासी घमासान शुरू हो चुका है।सुभासपा अध्यक्ष और प्रदेश सरकार में मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने स्पष्ट किया है कि उनकी पार्टी मऊ से उपचुनाव लड़ेगी। अब्बास अंसारी हमारी पार्टी से विधायक रहे हैं, यह सीट हमारी पारंपरिक रही है। भाजपा के साथ गठबंधन होने के चलते हमने अपनी बात शीर्ष नेतृत्व तक पहुंचा दी है। भाजपा हमारा समर्थन करती है तो हम जीतेंगे। अंसारी परिवार मऊ की परंपरागत सीट हाथ से नहीं जाने देना चाहता। अब्बास अंसारी ने संकेत दिए हैं कि उनकी जगह उनके छोटे भाई उमर अंसारी या चाचा अफजाल अंसारी की बेटी नुसरत अंसारी को मैदान में उतारा जा सकता है। अंसारी परिवार को सहानुभूति की लहर काभरोसा है। मुख्तार अंसारी की जेल में मौत के बाद से हालात बदल गए हैं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि अब्बास अंसारी की विधायकी जानबूझकर खत्म की गई। उन्होंनेकार्यकर्ताओं को मऊ उपचुनाव के लिए तैयार रहने के निर्देश दिए हैं। सपा विधायक संग्राम सिंह यादव ने दावा किया कि अंसारी परिवार का ही कोई सपा के टिकट पर चुनाव लड़ेगा और विजयी होगा। अब्बास अंसारी और अफजाल अंसारी कानूनी राहत की उम्मीद में हैं। अफजाल अंसारी ने बताया कि कोर्ट में सुनवाई जारी है, इसलिए कोई प्रतिक्रिया नहीं दी जा सकती। अब्बास अंसारी को मिली दो साल की सजा के खिलाफ बड़ी अदालत में अपील की जाएगी। पिछले 35 वर्षों से मऊ विधानसभा सीट पर अंसारी परिवार का दबदबा रहा है। यह सीट मुख्तार अंसारी के नाम से जानी जाती रही है। अब उनके निधन के बाद अंसारी परिवार को सहानुभूति भी मिल रही है, लेकिन साथ ही इस बार मुकाबला और भी कठिन होता दिख रहा है। प्रदेश के कई बड़े चेहरे वाराणसी के पूर्व एमएलसी और पूर्व मुख्य सचिव तक इस सीट से उपचुनाव लड़ने की जुगाड़ में हैं।

योग को जीवनचर्या में करें शामिल: मधुर

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। 15 जून से 21 जून 2025 तक चलने वाले योग सप्ताह का आज शहीद उद्यान में उद्घाटन हुआ। योग सप्ताह का उद्घाटन नगर पालिका अध्यक्ष सुखसागर मिश्र माधुरी ने दीप प्रज्वलित कर किया।

इस अवसर पर आयोजित योग शिविर में योग प्रशिक्षक हरवंश सिंह व उनकी टीम ने बड़ी संख्या में लोगों को योग कराया। उपस्थित लोगों को विभिन्न आसन कराए गए। मुख्य अतिथि ने कहा योग हमारे स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी है। सभी को इसे अपनी जीवनचर्या में शामिल करना चाहिए। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी कमलेश कुमार जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी राम प्रकाश हुआ जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार आदि उपस्थित रहे।

बेलाताली आने वाले लोगों के लिए वाकिंग ट्रैक बनवाया जाए: अनुनय झा

■ जिलाधिकारी ने किया बेलाताली तालाब का निरीक्षण

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। विगत दिवस 14 जून 2025 को जिलाधिकारी अनुनय झा ने बेलाताली तालाब का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने तालाब के पुनरुद्धार के संबंध में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिया कि तालाब का सौंदर्यीकरण कराया जाए। बेला ताली आने वाले लोगों के लिए वाकिंग ट्रैक बनवाया जाए। तालाब के आसपास नियमित साफ-सफाई की जाए। सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए जाएं। बेलाताली के बाहर चहारदीवारी बनवायी जाये। परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगवाए जाएं। परिसर के प्रवेश द्वार के पास एक शुल्क काउंटर बनवाया जाये। परिसर में एक कैफे एरिया विकसित किया जाये। ओपन जिम की व्यवस्था की जाये। तालाब के किनारे पत्थर लगवाए जाएं ताकि तालाब में कटाव न हो। इस अवसर पर जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार सहि सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

आज की सरकारें प्राइवेटाइजेशन को दे रही हैं बढ़ावा, जिससे नौकरियां हो रही खत्म: स्वामी प्रसाद मौर्य

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। अपनी जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने हरदोई में एक जनसभा के दौरान प्रदेश और केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि आज देश का पढ़ा.लिखाए उच्च शिक्षित युवा मात्र 8-10 हजार रुपये की संविदा नौकरी करने को मजबूर है। ऐसे में वह अपना और अपने परिवार का पालन.पोषण तथा इलाज कैसे कर पाएगा। इससे पूरे प्रदेश का युवा वर्ग बेहद परेशान और हताश है स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि पहले की सरकारों में प्राइवेट सेक्टर का राष्ट्रीयकरण किया जाता था, जिससे रोजगार के अवसर बढ़ते थे और बेरोजगारी में कमी आती थी। लेकिन आज की सरकारें इसके विपरीत प्राइवेटाइजेशन को बढ़ावा दे रही हैं, जिससे नौकरियां खत्म हो रही हैं और बेरोजगारी चरम पर पहुंच चुकी है। सपा और भाजपा पर एक साथ हमला बोलते हुए मौर्य ने कहा, ये दोनों एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। भाजपा खुलकर कट्टर हिंदुत्व की बात करती है, तो अखिलेश यादव सॉफ्ट हिंदुत्व की राजनीति कर रहे हैं। लड़ाई न सॉफ्ट हिंदू और न हार्ड हिंदू की है, बल्कि असली लड़ाई है बेरोजगारी, महंगाई और गरीबी के खिलाफ। उन्होंने समाजवादी पार्टी पर तंज कसते हुए कहा कि अखिलेश यादव कभी पी0डी0ए0 की बात करते हैं, जिसमें कभी पी0 का मतलब पंडित होता है और कभी पिछड़ा, श्ऐ0 का कभी मतलब आधी आबादी होता है और कभी अल्पसंख्यक। इससे साफहै कि उनकी राजनीति में कोई स्पष्ट दिशा नहीं है।

मौर्य ने अपने राजनीतिक जीवन पर बात करते हुए कहा, हमने कभी पद और प्रतिष्ठा के लिए राजनीति नहीं की। छह बार मंत्री और तीन बार नेता प्रतिपक्ष रह्य लेकिन सपा के महासचिव और एमएलसी पद से इस्तीफा दिया क्योंकि हमने कभी अपनी विचारधारा से समझौता नहीं किया। उन्होंने कहा कि बाबा साहब अंबेडकर और कांशीराम के विचारों को आगे बढ़ाकर वे एक वैचारिक लड़ाई लड़ रहे हैं। 2027 के विधानसभा चुनाव में तीसरे मोर्चे के नेतृत्व में सरकार बनाने का दावा भी उन्होंने किया।

गुरूद्वारे में एक पेड़ माँ के नाम रोपित किया

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। गुरबानी का संदेश है कि सेवा करत हो, निहकामी तिस कउ होत प्रापत सुआमी! इसी संदेश को सामने रखते हुए आज आषाढ़ मास की संक्रांति के पावन पर्व पर शाहजहांपुर रोड स्थित श्री अर्जुन देव साहिब गुरुद्वारे में वीरांगना सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्थान हरदोई द्वारा इस भीषण गर्मी में लोगों को शीतल जल प्रदान करने के उद्देश्य से एक वाटर कूलर स्थापित कराया गया। इस वाटर कूलर का लोकार्पण सिटी मजिस्ट्रेट सुनील कुमार त्रिवेदी एवं निशक्त जन सेवा संस्थान के अध्यक्ष सुमत प्रसाद जैन व गुरुद्वारा के प्रधान बलकार सिंह की उपस्थिति में किया गया। इस मौके पर संस्थान द्वारा अहमदाबाद रुविमान हादसे में मृतकों के लिए प्रार्थना सभा आयोजित कर दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना भी की गयी। इससे पूर्व संस्थान की अध्यक्ष सुहाना जैन के पुत्र गर्वित जैन के साथ गुरूद्वारे में सभी ने एक पेड़ माँ के नाम रोपित किया। गुरुद्वारा साहिब प्रबंधक कमेटी की ओर से सभी को सिरोपे एवं श्री गुरुनानक देव जी का चित्र देकर सम्मानित भी किया गया। इस मौके पर ज्ञानी दिलीप सिंह, गुरुद्वारे के सेक्रेटी कुलजीत सिंह, बलबीर सिंह, लखबीर सिंह, इक़बाल सिंह, जगतार सिंह, जसप्रीत सिंह, बलविंदर कौर, सुखविंदर कौर, गुरमीत कौर, जसपाल कौर, नितिन गुप्ता, निमिषा गुप्ता, निर्मल गुप्ता, अखिलेश गुप्ता, राहुल आदि तमाम लोग मौजूद रहे।

यशराज पाण्डेय ने नीट में हासिल की उल्लेखनीय सफलता, जिले का नाम किया रोशन

यशराज पाण्डेय

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। विभूति नगर, हरदोई निवासी यशराज पाण्डेय ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (NEET-UG) में 99.1 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिले का नाम गौरवान्वित किया है। उन्होंने ऑल इंडिया रैंक 14575 हासिल कर मेडिकल प्रवेश परीक्षा में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। यशराज वर्तमान में लखनऊ के शालीमार गार्डन वे में रह रहे हैं। वे मूल रूप से सांडी कस्बे के भीखपुर निवासी स्वण् ओम प्रकाश पाण्डेय एवं सुषमा पाण्डेय के पौत्र तथा अतुल पाण्डेय व मधु पाण्डेय के सुपुत्र हैं। उनके पिता व्यवसायी तथा माता गृहिणी हैं। उन्होंने इंटरमीडिएट परीक्षा लखनऊ के मिलेनियम इंटर कॉलेज से 89% अंकों और हाई स्कूल 94% अंकों के साथ उत्तीर्ण की। कक्षा 9 तक की शिक्षा हरदोई के जयपुरिया स्कूल से प्राप्त की। इस उपलब्धि पर पूरे परिवार व विद्यालय समुदाय में खुशी का माहौल है। यशराज ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता व गुरुजनों को दिया और कहा कि लगन, अनुशासन और मेहनत ही सफलता की कुंजी है। उनका यह परिश्रम निश्चित रूप से युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा।

सावधानी ही है लू और गर्मी से बचाव

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ० धीरेन्द्र कुमार ने बताया कि तेज धूप और लू के चलते सावधानी बरतने की जरूरत है इस प्रचंड गर्मी और लू से सावधानी बरतकर ही बचा जा सकता है। थोड़ी सी लापरवाही जानलेवा साबित हो सकती है। बचाव के लिए जब भी घर से निकलें तो नाश्ता करके निकलें। बाहर निकलते समय सिर को गीले कपड़े से ढंके, छाता और धूप का चश्मा लगायें क्योंकि आँखें सूरज की रोशनी के प्रति अत्यधिक संवेदनशील होती हैं। पानी की बोतल अवश्य साथ में रखें, सूती हलके रंग के और पूरी बांह के कपड़े पहने, शरीर को हाइड्रेट करने के लिए खूब पानी पीयें, ठंडे पानी से नहायें, ताजा खाना खाए, थोड़ी-थोड़ी देर में नीबू पानी, तरबूज, खरबूजा, खीर, ककड़ी, ओआरएस छांछ, मट्ठा, आम पना, लस्सी आदि का सेवन करें। पाचन दुरुस्त रखने के लिए प्रोबायोटिक्स लें खुले हवादार कमरे में रहें। घर/कार्यस्थल पर सूर्य की सीधी रौशनी से बचने के लिए पर्दे लगायें। जानवरों को छायादार स्थानों पर रखें। लू से बच्चों, बीमार, बुजुर्गों, गर्भवती, मजदूरों और फील्ड पर काम करने वालों ज्यदा खतरा है इसलिए इनका विशेष ध्यान रखें। लू से बचने के लिए दोपहर 12 से चार के मध्य घर से बाहर न निकलें। बंद व अधिक गर्म स्थान वाले स्थान पर खाना न बनाएँ। घर से बाहर जाते समय तंग, छोटे व गहरे रंग के कपड़े न पहने अत्यधिक धूप/ गर्मी में काम न करें। हाईड्रेशन के लिए शराब, एनर्जी और शुगरी ड्रिंक, चाय कॉफ़ी, कार्बोनेटेड ड्रिंक के सेवन से बचें। अत्यधिक प्रोटीनयुक्त व बासी भोजन का सेवन न करें। बाहर के खाने से बचें। बाहर खुले में बिकने वाले कटे फ्रूट न खाएं। धूप में खड़ी गाड़ियों में बच्चों और जानवरों को अकेला न छोड़ें। नंगे पैर घर से बाहर न निकलें, हीट स्ट्रोक या लू लगने के लक्षण होने पर तेज बुखार जिसमें तापमान 104 डिग्री फ़ारेनहाईट या इससे ज्यादा चला जाता है बेहोशी आ जाती है, मरीज कोमा में भी जा सकता है इसके अलावा चक्कर आना, सिर में दर्द, उलटी आना, कमजोरी, थकान, कन्फ्यूजन होना, गाढ़े रंग का पेशाब होना, मांसपेशियों और पेडू में अकड़न होना आदि हीट स्ट्रोक के लक्षण दिखने पर नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर जाएँ। यह बहुत ही जरूरी है कि हीट स्ट्रोकए हीट रैश और हीट क्रैम्प के लक्षणों के बारे में पता हो जिससे कि समय से इसका प्रबंधन किया जा सके।

योजना का लाभ लेने के लिए करे आवेदन: सुष्मिता सिंह

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी सुष्मिता सिंह ने बताया है कि उ0प्र0 सरकार द्वारा संचालित मुख्यमंत्री के प्राथमिकता कार्यक्रम योजना अन्तर्गत बोर्ड द्वारा दोना मेकिंग मशीन एवं पापकार्न मेकिंग मशीन वर्ष 2025-26 हेतु 10-10 लाभार्थियों का चयन किया जाना है। जनपद के बेरोजगार युवक, युवतिया दोना मेकिगं मशीन हेतु 15 जून तथा पापकार्न मेकिगं मशीन हेतु 20 जून 2025 तक आनलाईन आवेदन विभागीय पोर्टल पर कर सकते है। अभ्यर्थी की आयु 18 से 50 वर्ष एवं साक्षर होना चाहिए। अधिक जानकारी हेतु किसी भी कार्य दिवस मे जिला ग्रामोद्योग कार्यालय मे सम्पर्क कर सकते है।

22 जून तक करे आवेदन: प्रधानाचार्य

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। प्रधानाचार्य राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान हरदोई आर0के0 श्रीवास्तव ने बताया है कि जनपद हरदोई मे संचालित समस्त राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान अतरौली, पिहानी, बिलग्राम, सवायजपुर एवं हरदोई में संचालित व्यवसायों एवं टाटा टेक्नोलॉजी के सहयोग से पिहानी एवं हरदोई में संचालित व्यवसायों के 06 दीर्घकालीन व्यवसायों में माह अगस्त 2025 से प्रारम्भ प्रशिक्षण सत्र हेतु अभ्यर्थी को ऑनलाइन आवेदन करने के लिए वेबसाइट पर अपना फार्म भरना होगा। अभ्यर्थी को ऑनलाइन आवेदन से पूर्व ओटीपी से मोबाइल नम्बर का सत्यापन कराना होगा। फार्म भरने के पश्चात उसे ऑनलाईन भुगतान करना होगा। ऑनलाइन आवेदन 22 जून 2025 रात्रि 12:00 बजे तक उपलब्ध रहेगी। प्रवेश पंजिकरण शुल्क सामान्य/पिछड़ा वर्ग हेतु शुल्क रू0 250 अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति हेतु शुल्क रू0 150 है।

मक्का की खेती का बदला रुख, तीन साल में रकबा तीन गुना बढ़ा

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। मक्का की खेती का रकबा पिछले तीन वर्षों में तीन गुना बढ़ गया है। कृषि विभाग ने इस वर्ष खरीफसीजन में 60,000 हेक्टेयर क्षेत्र में मक्का की बुआई का लक्ष्य रखा है। यह आंकड़ा 2024 में 48,000 हेक्टेयर और 2023 में 20,000 हेक्टेयर था। कृषि अधिकारी डॉ० सतीश कुमार पाठक के अनुसार, किसान मक्का को नकदी फसल के रूप में अपना रहे हैं। जिले के मल्लावां, माधौगंज और शाहाबाद क्षेत्र में जायद फसल के दौरान भी मक्का की खेती हो रही है। वर्तमान में लगभग 5,000 हेक्टेयर क्षेत्र में जायद मक्का की बुआई पूरी हो चुकी है। किसानों को शंकर प्रजाति की हाईब्रिड और बेबी कॉर्न किस्में बाजार में अच्छी कीमत दे रही हैं। कृषि विभाग बीज पर 15,000 रुपये प्रति क्विंटल का अनुदान भी प्रदान कर रहा है। एथेनाल उत्पादन मक्का की बढ़ती खपत का प्रमुख कारण है। संडीला की एथेनाल फैक्टरी के अलावा, स्थानीय मक्का शाहजहांपुर और फर्रुखाबाद की इकाइयों में भी भेजी जाती है। फैक्टरी मालिक बुआई से पहले ही किसानों से फसल, पत्तियों और डंठल की खरीद का अनुबंध कर लेते हैं। मक्का की खेती किसानों की आय बढ़ाने के साथ.साथ कृषि विविधिकरण को भी प्रोत्साहित कर रही है। मुख्यमंत्री द्वारा जल्द ही मक्का फसलों का हवाई सर्वेक्षण किए जाने की संभावना है।

जीवन में उत्साह बनाये रखे, खुश रहिये और सारी चिंताए छोड़ दीजिए: भूपेन्द्र प्रताप सिंह

■ वृद्धाश्रम अल्लीपुर में आयोजित हुआ विश्व वृद्ध दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। रविवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में वृद्धाश्रम अल्लीपुर में विश्व वृद्ध दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस अपर जिला जज भूपेन्द्र प्रताप की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। इस अवसर पर माता.पिता का भरण-पोषण एवं वरिष्ठ नागरिको के अधिकार अधिनियम 2007 तथा नालसा हेल्पलाइन नंबर 15100 विषय पर विधिक जागरूकता के बारे में बताया तथा वृद्धाश्रम अल्लीपुर में रह रहे वरिष्ठ नागरिको से उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी ली गई और कहा कि अपने जीवन में उत्साह बनाये रखिये और खुश रहिये और सारी चिंताए छोड़ दीजिए साथ रह रहे लोगो से मेलजोल बढ़ाइए। अपर जिला जज द्वारा प्रतिदिन प्रात: योग कराने हेतु प्रबन्धक वृद्धाश्रम अल्लीपुर को निर्देशित किया गया साथ ही Maintenence and wefare of Parents and Senior Citizen 2007 व नालसा हेल्पलाइन 15100 के सम्बन्ध में विधिक रूप से जागरूक किया गया तथा समाज कल्याण अधिकारी रमाकांत पटेल द्वारा वरिष्ठ नागरिकों हेतु चलाई जा रही सरकार की योजनाओं के विषय मे वृद्धजनों को विस्तृत रूप से जानकारी दी। इस अवसर पर समाज कल्याण अधिकारी रमाकांत पटेल, वृद्धाश्रम अल्लीपुर स्टाफ तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के लिपिक अभिषेक अवस्थी व वृद्धाश्रम अल्लीपुर में आवासित वृद्धजन उपस्थित रहे।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स की ताइक्वांडो विजेता का सम्मान

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। सण्डीला के राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयए बहुती कलां में रिपल्स ऑफ होप फाउंडेशन ने खेलो इंडिया यूथ गेम्स की ताइक्वांडो विजेता श्रेष्ठी अवस्थी का सम्मान समारोह आयोजित किया। कार्यक्रम में श्रेष्ठी को 11,000 रुपए की पुरस्कार राशि से सम्मानित किया गया। समारोह में प्रधान प्रतिनिधि शिवप्रकाश त्रिपाठी, डीसी स्काउट गाइड अवधेश नारायण त्रिपाठी और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिवक्ता विवेक द्विवेदी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। बहुती कलां की प्रधानाचार्या चित्रा सोनकर और बहेरिया की प्रधानाचार्या राजेश्वरी ने भी कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। विद्यालय के छात्र-छात्राएं और उनके अभिभावक भी कार्यक्रम में शामिल हुए। अतिथियों ने छात्राओं को शिक्षा के साथ खेलों में भी आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। श्रेष्ठी की सफलता को एक आदर्श उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया गया। यह आयोजन ग्रामीण क्षेत्र की बालिकाओं के लिए आत्मविश्वास का संचार करने वाला साबित हुआ।

■ श्रेष्ठी अवस्थी को 11 हजार रुपए का पुरस्कार, ग्रामीण बालिकाओं को मिली प्रेरणा

शरारती तत्वों ने कुछ दिनों पूर्व स्थापित की गई भगवान विष्णु की मूर्ति को तोड़ा

मन्दिर के पुजारी

राष्ट्रीय प्रस्तावना

सवायजपुर (हरदोई)। कोतवाली सवायजपुर क्षेत्र के रूपापुर में शरारती तत्वों ने कुछ दिनों पूर्व स्थापित की गई भगवान विष्णु की मूर्ति को तोड़ दिया। शनिवार की शाम को पुजारी जब पूजा करने पहुंचे तो उन्हें मूर्ति टूटी हुई मिली। जैसे ही मूर्ति तोड़े जाने की जानकारी आसपास के ग्रामीणों को लगी तो मौके पर बडी संख्या में भीड़ जमा हो गई। ग्रामीण इस घटना को लेकर आक्रोशित दिखे। घटना बीती 14 जून की शाम की है।

मंदिर की देखभाल करने वाले पुजारी आदेश कुमार अग्निहोत्री व मंसाराम ने बताया कि बीती 1 जून से मंदिर पर कलश यात्रा भागवत कथा भगवान की बारात भंडारा सहित विभिन्न कार्यक्रम हुए तथा 11 जून को मूर्ति स्थापना संपन्न हुई। वह शनिवार को सुबह 11 बजे मंदिर से चले गए। शाम करीब 6 बजे जब वापस आए तो भगवान विष्णु की मूर्ति टूटी हुई मिली। जाते समय वह मन्दिर की कुंडी बंद करके गये थे तथा वापस आने पर भी मन्दिर की कुंडी बंद थी । मूर्ति तोड़े जाने की जानकारी पर ग्रामीण मौके पर इकट्ठे हो गए और आक्रोशित ग्रामीणों ने दोषी को ढूंढ कर कठोर कार्रवाई किए जाने की मांग की। हर कोई इस घटना की निंदा कर रहा है और दोषी को पकड़े जाने और कठोर कार्रवाई किए जाने की मांग कर रहा है। पुलिस प्रशासन ने मौके पर जाकर समझा बुझाकर मंदिर के संरक्षक को अपनी तरफ से नई मूर्ति लाकर लगवाने के वादा किया है। साथ ही इस कृत्य की जांच करवाकर दोषी को कठोरतम कार्यवाई करने का वादा किया है। फिलहाल खंडित मूर्ति को पांचालघाट में जल प्रवाहित कराने के लिए भेज दिया है।

भोलेनाथ के दरबार में गर्मी को देखते हुए दो पंखों का किया दान

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। विकास खण्ड साण्डी के ग्राम बरनई चतरखा में समाज सेविका शालिनी सिंह द्वारा मंदिर के बाहर स्थित भोलेनाथ के दरबार में गर्मी को देखते हुए दो पंखों का दान किया प्राप्त विवरण के अनुसार उक्त गांव निवासी शालिनी सिंह समाज सेवा में अपनी अग्रणी भूमिका निभाती रहती है इसी क्रम में आज उन्होंने गांव के बाहर सार्वजनिक बने हुए शिव मंदिर पर एक टेबल फैन और एक सीलिंग फैन का दान किया उनका इस बारे में मानना है कि मंदिर में सेवा करने वाले पुजारी को गर्मी न लगे और वह आसानी से भगवान भोले की सेवा कर सके इसलिए उन्होंने इस पुण्य कार्य को किया है आपको बताते चलें कि श्रीमती कृष्णा कुमारी सेवा संस्थान की संचालिका होने के नाते शालिनी सिंह समाज सेवा में हमेशा अपनी भूमिका में नजर आती हैं और गांव में होने वाली किसी भी विपदा को संभालने के लिए और गरीबों की मदद करने के लिए हमेशा तटस्थ रहती हैं।

हमले से पस्त ईरान

सुनियोजित व ठोस खुफिया जानकारियों के साथ इस्राइल ने ईरान के परमाणु ठिकानों व शीर्ष सैन्य अधिकारियों पर बड़े सधे हमले किए हैं। ईरान के नतान्ज स्थित मुख्य परमाणु संवर्धन केंद्र को भी निशान बनाया गया। शुक्रवार की सुबह इस्राइल ने 'ऑपरेशन राइजिंग लायन' के जरिये वायु रक्षा प्रणाली व मिसाइलों को ध्वस्त करते हुए ईरान के हवाई क्षेत्र में सैकड़ों लड़ाकू जहाजों के जरिये भारी तबाही मचायी। इस्राइली खुफिया एजेंसी मोसाद की बड़ी भूमिका वाले इस ऑपरेशन के जरिये न केवल ईरान की मिसाइल क्षमता को कमजोर किया बल्कि हवाई रक्षा प्रणाली को भी बेअसर किया। जिसके बाद इस्राइली एयरफोर्स ने ताबड़तोड़ हमलों से ईरानी वायुक्षमता को बेदम कर दिया। लंबी खुफिया तैयारी के साथ इस्राइल ने ईरान के भीतर विस्फोटक ड्रोन बेस स्थापित किए और शुक्रवार तड़के इन ड्रोन ने ईरान के सैन्य ठिकानों में तबाही मचा दी। जिससे ईरान को भारी नुकसान उठाना पड़ा। इस्राइल ने ईरान के सुरक्षा प्रतिष्ठानों, सैन्य अधिकारियों और परमाणु कार्यक्रम से जुड़े वैज्ञानिकों व प्रमुख लोगों पर लंबी तैयारी के बाद सटीक हमले किए। कई बड़े अधिकारियों को उनके घरों में ही मार दिया गया। दरअसल, इस्राइल का मानना था कि ईरान परमाणु हथियार बनाने के करीब है। यहां तक कि परमाणु कार्यक्रम की निगरानी करने वाली संस्था आईएईए ने स्पष्ट शब्दों में ईरान पर परमाणु अप्रसार समझौते का उल्लंघन करने का आरोप लगाया था। हमले में सेना प्रमुख के अलावा ईरानी सेना की सबसे ताकतवर शाखा रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के कमांडर हौसेन सलामी को भी मार डाला गया। हमले में न केवल यूरेनियम संवर्धन प्रतिष्ठान पर हमला किया गया, बल्कि कई परमाणु वैज्ञानिकों को भी मार दिया गया। ईरान ने इस्राइल पर नागरिक ठिकानों पर हमला करने के आरोप लगाए। उत्तर पूर्वी ईरान के अलावा नतांज परमाणु केंद्र पर भी धमाके सुने गए। जहां इस्राइल इन हमलों को अपने अस्तित्व को बचाने की कार्रवाई बता रहा है, वहीं ईरान जवाबी कार्रवाई कर शीघ्र बदला लेने की बात कर रहा है। वहीं दूसरी ओर इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान को चेताया है कि जब तक ईरान की ओर से खतरे की आशंका खत्म नहीं हो जाती, ये हमले आगे भी जारी रहेंगे। दरअसल, इस्राइल का मानना रहा है कि ईरान संवर्धित यूरेनियम से परमाणु हथियार बनाने के करीब है, जो उसके अस्तित्व के लिये चुनौती है। इस्राइल ने ईरान पर उसके क्षेत्र में सैकड़ों ड्रोन दागने के भी आरोप लगाये हैं। वहीं दूसरी ओर ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई ने अमेरिका व इस्राइल को गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी है। दूसरी ओर ईरान के सरकारी मीडिया ने इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स कोर के कमांडर इन चीफ हौसैन सलामी सहित पांच शीर्ष सैन्य अधिकारियों की मौत की बात स्वीकारी है। साथ ही दो महत्वपूर्ण परमाणु वैज्ञानिकों के मारे जाने की पुष्टि की गई है। दरअसल, ईरान अमेरिका व इस्राइल के दावों को खारिज करते हुए कहता रहा है कि उसका परमाणु कार्यक्रम शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिये है। जबकि अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्ज़ा एजेंसी की दलील है कि ईरान की बातों पर विश्वास नहीं किया जा सकता। वह संवर्धित यूरेनियम से जुड़े प्रश्नों के तार्किक जवाब नहीं दे पाया है। कहा जा रहा है कि ईरान के गुप्त परमाणु ठिकानों का पता चलने के बाद उसके परमाणु कार्यक्रम की मंशा संदिग्ध बन गई है। उसने संवर्धित यूरेनियम भंडार के बारे में सटीक जानकारी भी नहीं दी। आईएईए की एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि ईरान इतना यूरेनियम संवर्धित कर चुका है कि वह नौ परमाणु बना सकता है। हालांकि, अमेरिकी विदेश मंत्री इस हमले में अमेरिका की सीधी भूमिका होने से इनकार कर रहे हैं। लेकिन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया हैंडल के जरिये कहा है कि ईरान ने परमाणु कार्यक्रम पर समझौते के लिये अंतर्राष्ट्रीय प्रस्ताव को बार-बार खारिज किया है। बहरहाल, इस घटनाक्रम से मध्यपूर्व में इस्राइल-ईरान के बीच सीधे युद्ध की आशंका बढ़ गई है।

ईरान के नतान्ज स्थित मुख्य परमाणु संवर्धन केंद्र को भी निशान बनाया गया। शुक्रवार की सुबह इस्राइल ने 'ऑपरेशन राइजिंग लायन' के जरिये वायु रक्षा प्रणाली व मिसाइलों को ध्वस्त करते हुए ईरान के हवाई क्षेत्र में सैकड़ों लड़ाकू जहाजों के जरिये भारी तबाही मचायी। इस्राइली खुफिया एजेंसी मोसाद की बड़ी भूमिका वाले इस ऑपरेशन के जरिये न केवल ईरान की मिसाइल क्षमता को कमजोर किया बल्कि हवाई रक्षा प्रणाली को भी बेअसर किया। जिसके बाद इस्राइली एयरफोर्स ने ताबड़तोड़ हमलों से ईरानी वायुक्षमता को बेदम कर दिया। लंबी खुफिया तैयारी के साथ इस्राइल ने ईरान के भीतर विस्फोटक ड्रोन बेस स्थापित किए और शुक्रवार तड़के इन ड्रोन ने ईरान के सैन्य ठिकानों में तबाही मचा दी।

वैश्विक-युद्ध का नया त्रिकोण? इजरायल, ईरान और अमेरिका

संजीव ठाकुर

इसराइल ने ईरान पर हमले की योजना इसराइल हमास युद्ध के दौरान बना ली थी और इस हमले के नेपथ्य में इसराइल के विरुद्ध छद्म युद्ध रहा है। ईरान ने यमन में हूती विद्रोहियों और लेबनान में हिजबुल्ला को व्यापक समर्थन देकर इसराइल के लिए सुरक्षा के कई खतरे पर सवाल खड़े कर दिए थे। यह उग्रवादी अक्सर इजरायल में तोड़फोड़ हत्या और अनेकों आक्रमण में शामिल रहे हैं। ईरान ने 1979 की इस्लामी क्रांति के तुरंत बाद से ही अमेरिका और इसराइल को अपना सबसे बड़ा तथा मुख्य विरोधी तथा दुश्मन मानता रहा है तभी से यह त्रिकोणीय संघर्ष और तनाव ताजा हमलो के रूप में सामने आया है। इसराइल और अमेरिका ने लगातार दो दशकों से कई बार ईरान पर परमाणु हथियार विकसित करने तथा इसे इसराइल तथा अमेरिका के विरुद्ध इस्तेमाल करने की धमकी के रूप में आरोप लगाया है।

अब अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य में नया और खतरनाक मोड़ ले लिया है नए संदर्भ में इजरायल ईरान और अमेरिका की भूमिका काफी खतरनाक और संदिग्ध हो गई है युद्ध का जुनून ईरान द्वारा परमाणु ईंधन यूरेनियम के भंडारण तथा उपयोग को लेकर अमेरिका तथा इसराइल के सिर पर चढ़कर बोलने लगा है। 13 जून को इजराइल का ईरान पर बड़ा हमला दोनों शत्रुओं के बीच कई दशकों पुरानी दुश्मनी का नतीजा है। इसराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतनाहु काफी लंबे समय से ईरान को अपना सबसे बड़ा दुश्मन और खतरा बताते आ रहे हैं। इसराइल ने ईरान पर हमले की योजना इसराइल हमास युद्ध के दौरान बना ली थी और इस हमले के नेपथ्य में इसराइल के विरुद्ध छद्म युद्ध रहा है। ईरान ने यमन में हूती विद्रोहियों और लेबनान में हिजबुल्ला को व्यापक समर्थन देकर इसराइल के लिए सुरक्षा के कई खतरे पर सवाल खड़े कर दिए थे। यह उग्रवादी अक्सर इजरायल में तोड़फोड़ हत्या और अनेकों आक्रमण में शामिल रहे हैं। ईरान ने 1979 की इस्लामी क्रांति के तुरंत बाद से ही अमेरिका और इसराइल को अपना सबसे बड़ा तथा मुख्य विरोधी तथा दुश्मन मानता रहा है तभी से यह त्रिकोणीय संघर्ष और तनाव ताजा हमलो के रूप में सामने आया है। इसराइल और अमेरिका ने लगातार दो दशकों से कई बार ईरान पर परमाणु हथियार विकसित करने तथा इसे इसराइल तथा अमेरिका के विरुद्ध इस्तेमाल करने की धमकी के रूप में आरोप लगाया है। गौरतलब है कि अमेरिका और इजरायल की ईरान से दुश्मनी काफी पुराने समय से पकती रही है जिसके फल स्वरुप इजरायल ने ईरान के परमाणु और सैन्य ठिकानों पर ताबड़तोड़ हमले किए जिससे सेना उप प्रमुख समेत ईरानी फौज के बीस महत्वपूर्ण कमांडर मारे गए हैं इसके अलावा ईरान के 6 परमाणु वैज्ञानिक भी मौत के घाट उतार दिए गए। इसराइल ने ऑपरेशन लॉयन के तहत 200 लड़ाकू विमान से ईरान के लगभग 100 ठिकानों को तबाह किया है जिसका बहुत बड़ा कारण ईरान के सुप्रीम नेता खोमनई द्वारा इसराइल को कड़ी सजा देने की चेतावनी बताया गया है। वैसे अब इसराइल के इस बड़े हमले से पश्चिम एशिया में दो कट्टर दुश्मनों के बीच व्यापक तथा भयानक युद्ध की आशंका बढ़ गई है। ईरान ने इस हमले के जवाब में सो बमवर्षक ड्रोन इसराइल पर दागे थे जिसे इजरायल फौजों ने नाकाम भी कर दिया है। यरूसलम की समाचार एजेंसी के अनुसार इसराइल के ईरानी हमले पर ईरान के तीन शीर्ष फौजी के कमांडर मारे गए हैं इसमें ईरानी सशस्त्र बलों के चीफ ऑफ स्टाफ जनरल मोहम्मद बाघेरी, और महत्वपूर्ण तथा शक्तिशाली अर्धसैनिक बल रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स के प्रमुख हुसैन सलामी तथा ईरान की बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम के प्रमुख जनरल आमिर अली की मौत हो चुकी है। इसके अलावा ईरानी सुरक्षा बलों के 17 प्रमुख एवं वरिष्ठ कमांडर भी मारे गए हैं । यह अत्यंत उल्लेखनीय है कि ईरान इजरायल के ईरान पर हमले से वरिष्ठ वैज्ञानिकों के मरने से ईरान के परमाणु कार्यक्रम को एक बहुत बड़ा झटका लगा है इन वैज्ञानिकों की मौत से परमाणु बम बनाने के ईरानी सपनों की भी मौत हो गई है। ईरानी के सर्वोच्च नेता राष्ट्रपति अयातुल्लाह अली खामनेई ने कहा कि दुश्मन को बहुत पछताना पड़ेगा उन्होंने अपने एक बयान में कहा कि इसराइल ने ईरान में हमले करके जो अपराध कर अपना खूनी हाथ दिखाया है उसके लिए उसे बहुत पछताना पड़ेगा इसराइल को इसकी बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी हम अब चुप नहीं बैठेंगे और इसराइल इस ईरान के बदले को सदियों तक याद रखेगा। अंतर्राष्ट्रीय रक्षा विशेषज्ञों के अनुसार इसराइल और ईरान की लड़ाई परमाणु ईंधन यूरेनियम के ईरान द्वारा जमा किए जाने पर हुई है इसराइल के प्रधानमंत्री ने कहा है कि ईरान को किसी भी कीमत पर जमा किए गए यूरेनियम से परमाणु बम बनाने नहीं दिया जाएगा यह इजरायल की पीढ़ियों के लिए खतरा बन गया है और जब तक ईरान इस बात से सहमत नहीं होगा कि वह परमाणु बम नहीं बनाएगा यह ऑपरेशन राइजिंग लायन जारी रहेगा। इधर इजराइल में आपातकाल घोषित कर दिया गया तथा इसराइल ने दुनिया भर में अपने सभी दूतावासों को बंद कर दिया है उन्होंने आशंका व्यक्त की है कि ईरान इजरायल के आवासीय परिसरों में हमला कर सकता है। दूसरी तरफ डोनाल्ड ट्रंप ने इसराइल के पक्ष में अजीबो-गरीब बयान दिया है उन्होंने ईरान को चेतावनी देते हुए समझाया है कि समझौते के लिए अभी भी सही समय है नहीं तो परिणामतः इसराइल के हमले और तेज तथा बदतर होंगे। उन्होंने आगे कहा कि जिन ईरानी नेताओं ने बढ़ चढ़कर बहादुरी दिखाई थी वे सब इजरायल के हमले से मारे गए अभी भी समय है संभल जाओ। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपतियों से सबसे अलग डोनाल्ड ट्रंप ऐसा प्रतीत होता है कि अपनी व्यापारिक नीति और युद्ध नीति को अभी तक निर्धारित नहीं कर पाए हैं। भारत-पाक युद्ध में भी अमेरिका क रवैया काफी अपरिपक्व ही रहा है और ताजा समाचारों के अनुसार अमेरिका ने पाकिस्तान को आतंकवाद के खिलाफ लड़ने वाला देश बताया है और पाकिस्तान के सोकॉल्ड फील्ड मार्शल असीम मुनीर के जन्मदिन पर उन्हें अमेरिका आमंत्रित किया है। ऐसा लगता है कि डोनाल्ड ट्रंप अपनी बढ़ती उम्र के साथ मानसिक संतुलन भी होते जा रहे हैं। वर्तमान परिदृश्य में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इजरायल ईरान युद्ध में अमेरिका की संदेहास्प भूमिका के कारण नए विश्व युद्ध का त्रिकोण तैयार हो रहा है इसराइल के प्रधानमंत्री ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को जानकारी दी है जिसमें भारत के प्रधानमंत्री ने कहा कि इसराइल और ईरान को तनाव बढ़ाने वाले किसी भी काम से बचना चाहिए वार्ता का रास्ता अपनाना चाहिए भारत के दोनों देशों से महत्वपूर्ण संबंध है और भारत सदैव मदद के लिए तैयार है। भारत के नागरिक दोनों देशों में निवासरत हैं उन्हें भारत ने सावधान रहने की सलाह दी है। इजरायल ईरान के हालिया युद्ध के पर्यावरण में यदि अन्य देशों की आवाजाही बनती है तो विश्व युद्ध होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है।जो वैश्विक शांति के लिए एवं मानवता के लिए खतरनाक साबित हो सकती है।

खेत-किसानः गैरसरकारी संगठनों को भी निभानी होगी बड़ी भूमिका

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

कोरोना काल का उदाहरण हमारे सामने हैं। जब समूचे विश्व में सब कुछ बंद हो गया तो सबसे बड़ा सहारा कृषि क्षेत्र ही बनकर आया। किसानों की मेहनत से भरे अन्न धन इस संकट के समय में बड़ा सहारा बने। सरकारें अपने नागरिकों को आसानी से खाद्य सामग्री उपलब्ध करा सकी। आज भी देश दुनिया में खाद्य संकट से जूझने में अन्नदाता की मेहनत ही काम आ रही है। कर्जमाफी की यहां इसलिए चर्चा करना जरुरी हो जाता है कि कर्जमाफी की राशि जितनी राशि के कृषि इनपुट यानी कि खाद-बीज कीटनाशक किसानों को उपलब्ध करा दी जाए तो इस राशि का वास्तव में खेती किसानी क्षेत्र में उत्पादकता के रुप में उपयोग हो सकेगा।

केन्द्र सरकार द्वारा विकसित कृषि संकल्प अभियान के माध्यम से जिस तरह से देश के कोने-कोने में किसानों तक पहुंचने का प्रयास किया गया है और जिस तरह से खेती और उससे जुड़ी किसानों से संबंधित जानकारी को साझा किया गया है यह इस मायने में महत्वपूर्ण हो जाता है कि अन्नदाता की खुशहाली में ही देश की खुशहाली संभव है। सरकार के साथ ही खेती किसानी क्षेत्र में जुड़े गैरसरकारी संगठन भी आगे आते हैं तो अन्नदाता की खुशहाली की और अधिक तेजी से राह प्रशस्त होगी। हालांकि मिशन फार्मर साइंटिस्ट परिवार जैसे संगठन नवाचारी किसानों के नवाचारों को पहचान दिलाने और किसानों के हित में लगातार प्रयासरत है। इसमें कोई दो राय नहीं कि चुनावों के समय सभी राजनीतिक दलों के केन्द्र में किसान ही रहता है और किसानों के लिए लोकलुभावन वादों की बरसात कर दी जाती है पर कभी इस बात को गंभीरता से नहीं समझा गया कि किसान का भला कर्ज माफी से नहीं हो सकता। किसान का भला चंद मिनी किट वितरण से नहीं हो सकता। दरअसल, अन्नदाता और खेती किसानी का भला किसान के खेत को ही प्रयोगशाला बनाने से संभव होगा तो किसानों को उनकी मेहनत का पूरा पैसा दिलाने से संभव होगा। कैसी विडम्बना है कि छोटी से छोटी वस्तु का उत्पादन कर्ता अपनी वस्तु को बेचने का दाम खुद तय करता है वहीं दूसरी और अन्नदाता जो अपने खून पसीने से सबका पेट ही नहीं भरता बल्कि इससे भी अधिक यह कि देश की अर्थ व्यवस्था को गति देने का प्रमुख कारक भी है। इस सबके बावजूद किसान को अपनी उपज औने-औने भावों में बेचने को मजबूर होना पड़ता है। उसकी मेहनत का फल बिचौलियों को चला जाता है। टमाटर इसका सबसे बड़ा उदाहरण माना जा सकता है जो कभी अन्नदाता को रुलाता है तो कभी आमजन को पर कभी भी किसी मण्डी के आढ़तिये को रुलाते नहीं देखा होगा। यहां तक देखने को मिलता है कि अन्नदाता को लागत तो दूर मण्डी में ले जाने तक के खर्च की राषि भी नहीं मिल पाती है। टमाटर तो एक उदाहरण मात्र है। इसमें कोई दो राय नहीं कि पिछले 11 साल में किसानों के हित में बड़े और लाभकारी निर्णय किये गये हैं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि या फसल बीमा जैसी योजनाएं और फसल की बुवाई से पहले ही न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा निश्चित रुप से सराहनीय पहल है। हालिया 15 दिन का विकसित कृषि संकल्प अभियान को भी निश्चित रुप से सराहनीय पहल माना जा सकता है। इस सबके बीच सवाल यह भी उठता है कि देश में बहुत से प्रगतिशील और अपने बल बूते पर खेती के क्षेत्र में नवाचारों को फलीभूत कर रहे हैं उनको प्रोत्साहित करने के प्रयास भी होने चाहिए। हालांकि कृषि पत्रकार और मिशन फार्मर साइंटिस्ट परिवार के माध्यम से लगातार ऐसे कर्मयोगी किसानों को आगे लाने, प्रोत्साहित करने और उनके प्रयोग को अन्य किसानों के सामने के समग्र प्रयास डॉ. महेन्द्र मधुप जैसे कर्मयोगी द्वारा लगातार किये जा रहे हैं। डॉ. मधुप 2017 से इस मॉडल को किसान वैज्ञानिकों की जीवनशैली में उतारकर, देश-विदेश में उनकी पहचान को विस्तारित करने में जुटे हैं, इसे सकारात्मक पहल माना जा सकता है। देश का मीडिया भी इसे लेकर गंभीर है और यही कारण है कि प्रमुख मीडिया ग्रुप किसानों से संबंधित जानकारियों का समावेश करते हुए नियतकालीन परिषिष्ट प्रकाशित कर रहे हैं। डॉ. मधुप जैसे ही खेती किसानी के क्षेत्र में कार्य कर रहे गैर सरकारी को भी आगे आना चाहिए और जो तथाकथित किसान हितैषी बने हुए हैं उन्हें भी ऐसे कर्मयोगी किसानों के नवाचारों को प्रमुखता देनी चाहिए। कोरोना काल का उदाहरण हमारे सामने हैं। जब समूचे विश्व में सब कुछ बंद हो गया तो सबसे बड़ा सहारा कृषि क्षेत्र ही बनकर आया। किसानों की मेहनत से भरे अन्न धन इस संकट के समय में बड़ा सहारा बने। सरकारें अपने नागरिकों को आसानी से खाद्य सामग्री उपलब्ध करा सकी। आज भी देश दुनिया में खाद्य संकट से जूझने में अन्नदाता की मेहनत ही काम आ रही है। कर्जमाफी की यहां इसलिए चर्चा करना जरुरी हो जाता है कि कर्जमाफी की राशि जितनी राशि के कृषि इनपुट यानी कि खाद-बीज कीटनाशक किसानों को उपलब्ध करा दी जाए तो इस राशि का वास्तव में खेती किसानी क्षेत्र में उत्पादकता के रुप में उपयोग हो सकेगा। कर्ज माफी को इस तरह से समझना होगा कि किसान भी यह समझने लगा है कि चुनाव आने पर कर्ज तो माफ होना ही है ऐसे में कर्ज चुकाना ही क्यों। दूसरा यह कि सरकार की कर्ज माफी का बोझ तो उठाना ही पड़ता है पर फिर भी वह ना तो किसानों को ही संतुष्ट कर पाती है और ना ही यह राशि किसानों के काम आ पाती है। ऐसे में सरकार को ब्याज अनुदान या इस तरह के अनुदान पर होने वाले व्यय को किसानों को इनुपट के रुप में उपलब्ध कराने पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। इससे एक तो इनपुट खेती में ही काम आयेगा और इनपुट की गुणवत्ता पर ध्यान दिया गया तो खेती किसानी में उत्पादकता बढ़ेगी और इसका लाभ देश को ही प्राप्त होगा। देश में अन्नधन के भण्डार भरेंगे। आयात पर निर्भरता कम होगी और निर्यात को बढ़ावा मिलेगा। सरकार के 15 दिवसीय संवाद को अच्छी पहल माना जा सकता है और इस तरह के अभियान खरीफ और रबी दोनों ही फसलों की बुवाई से पहले चलाया जाएं तो निश्चित रुप से देश को लाभ होगा। इसके साथ ही इस तरह के अभियान के दौरान खेती क्षेत्र की अनुदान राशि के एक बड़े हिस्से को इनपुट वितरण के रुप में उपयोग होगा तो यह किसानों के लिए वास्तविक लाभकारी होगा। कृषि क्षेत्र से जुड़े मिशन फार्मर साइंटिस्ट परिवार जैसे संगठनों को भी इससे जोड़ा जाना चाहिए। इसके साथ ही क्षेत्र के नवाचारी किसानों को प्रोत्साहित, सम्मानित और उनके अनुभवों को साझा करने के समन्वित प्रयास किये जाने चाहिए। यहां तक कि कृषक भ्रमण कार्यक्रमों में स्थानीय नवाचारी किसानों के खेत को बतौर प्रयोगशाला भ्रमण कराया जाना चाहिए ताकि एक दूसरे के अनुभवों को साझा करने के साथ ही नवाचारी किसानों को भी प्रोत्साहन मिल सकेगा।

पृथ्वी में जीवन का रक्षक ओजोन परत

विश्व ओजोन परत संरक्षण दिवस पर विशेष

सुरेश सिंह बैस ''शाश्वत''

ओजोन परत का कार्य पृथ्वी और उसमें रहने वाले जीव जगत की रक्षा करने का अत्यंत ही महत्वपूर्ण है। यह पृथ्वी के चारों ओर ओजोन की परत को संरक्षित रखता है, जो कि सूर्य से आने वाली हानिकारक पराबैंगनी विकिरण को अवशोषित करती है। यह परत पृथ्वी पर जीवन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह मानव, पशु और पौधों को पराबैंगनी विकिरण के हानिकारक प्रभावों से बचाती है। यह सूर्य से आने वाली पराबैंगनी विकिरण को अवशोषित करके पृथ्वी की सतह तक पहुंचने से रोकती है। वहीं यह पराबैंगनी विकिरण से होने वाले नुकसान से पृथ्वी पर जीवन को बचाती है, जैसे कि त्वचा कैंसर, मोतियाबिंद, और प्रतिरक्षा प्रणाली में कमी। ओज़ोन परत के कारण ही धरती पर जीवन संभव है। यह परत सूर्य के उच्च आवृत्ति के पराबैंगनी प्रकाश की 90-99% मात्रा, जो पृथ्वी पर जीवन के लिये हानिकारक होती है, उसे अवशोषित कर लेती है।

ओजोन परत का संरक्षण बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसके नुकसान से जीवित प्राणियों के लिए कई प्रकार के खतरे उत्पन्न हो सकते हैं।ओजोन परत पृथ्वी के वायुमंडल में एक पतली परत होती है, जो कि ओजोन (O3) नामक गैस से बनी होती है। यह परत वायुमंडल के स्ट्रेटोस्फियर में स्थित होती है, जो कि पृथ्वी की सतह से लगभग 20-30 किलोमीटर की ऊंचाई पर होती है। ओजोन परत का मुख्य कार्य पराबैंगनी (यूवी) विकिरण को अवशोषित करना है, जो कि सूर्य से आता है। यह विकिरण जीवित प्राणियों के लिए बहुत हानिकारक हो सकता है, क्योंकि यह डीएनए को नुकसान पहुंचा सकता है और त्वचा कैंसर जैसी बीमारियों का कारण बन सकता है।

ओजोन परत का कार्य पृथ्वी और उसमें रहने वाले जीव जगत की रक्षा करने का अत्यंत ही महत्वपूर्ण है। यह पृथ्वी के चारों ओर ओजोन की परत को संरक्षित रखता है, जो कि सूर्य से आने वाली हानिकारक पराबैंगनी विकिरण को अवशोषित करती है। यह परत पृथ्वी पर जीवन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह मानव, पशु और पौधों को पराबैंगनी विकिरण के हानिकारक प्रभावों से बचाती है। यह सूर्य से आने वाली पराबैंगनी विकिरण को अवशोषित करके पृथ्वी की सतह तक पहुंचने से रोकती है। वहीं यह पराबैंगनी विकिरण से होने वाले नुकसान से पृथ्वी पर जीवन को बचाती है, जैसे कि त्वचा कैंसर, मोतियाबिंद, और प्रतिरक्षा प्रणाली में कमी। ओज़ोन परत के कारण ही धरती पर जीवन संभव है। यह परत सूर्य के उच्च आवृत्ति के पराबैंगनी प्रकाश की 90-99% मात्रा, जो पृथ्वी पर जीवन के लिये हानिकारक होती है, उसे अवशोषित कर लेती है। इसका मतलब है ओजोन परत हमारे पृथ्वी के पर्यावरण और जीव जगत के लिए सुरक्षा कवच का महत्वपूर्ण कार्य करता है जिसे हमें बचाना और सुरक्षित रखना भी इतना ही आवश्यक है जितना इसके क्षय प्रक्रिया को रोकना। पृथ्वी के वायुमंडल का 91% से अधिक ओज़ोन यहां मौजूद है। यह मुख्यतः स्ट्रैटोस्फियर (समताप मंडल) के निचले भाग में पृथ्वी की सतह के ऊपर लगभग 10 किमी से अधिक तथा पृथ्वी से लगभग 30 किलोमीटर की दूरी तक स्थित है, यद्यपि इसकी मोटाई मौसम और भौगोलिक दृष्टि से बदलती रहती है। इसके अणु एक ढाल की तरह काम करते हैं जो हमें सौर विकिरण से बचाते हैं। जब विकिरण ओजोन परत तक पहुंचता है, तो यह ओजोन अणुओं से होकर गुजरता है और ये विकिरण के हिस्से को अंतरिक्ष में वापस भेजने के लिए जिम्मेदार होते हैं, इस तरह हम तक पहुंचने वाला विकिरण कम से कम हो जाता है। ओजोन परत का क्षय का अर्थ है यह एक वायुमंडलीय छिद्र है जो बड़ी मात्रा में पराबैंगनी प्रकाश को प्रवेश करने देता है और यह ध्रुवों, अंटार्कटिक महाद्वीप और आर्कटिक महासागर पर स्थित है, जो दोनों गोलार्दों में वसंत के दौरान विशेष रूप से बड़ा होता है और जिसके परिणामस्वरूप ग्रीष्म ऋतु लंबी हो जाती है। हालांकि यह छेद वायुमंडल में ओजोन के प्राकृतिक उतार-चढ़ाव के कारण है, लेकिन यह मानवीय गतिविधियों के कारण भी होता है जो गैसों का उत्सर्जन करते हैं जो समताप मंडल में पहुँच जाते हैं और ओजोन अणुओं को ख़राब कर देते हैं, जिससे ओजोन परत में इस छेद का आकार और प्रभाव बढ़ जाता है। यह एक पर्यावरणीय और स्वास्थ्य समस्या है, क्योंकि सौर विकिरण की अधिकता किसी भी प्रकार के जीवन के लिए ख़तरा है। ओजोन परत को किसी भी तरह के नुकसान के परिणाम कई गुना हैं। हानिकारक ओड्स, ओजोन परत में छेद कर सकते हैं, जिससे यूवी किरणें सीधे पृथ्वी पर आ सकती हैं। यूवी विकिरण के लंबे समय तक संपर्क में रहने से मानव जीवन को खतरा होता है। और अधिकांश जानवरों, पौधों और सूक्ष्म जीवों को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचता है। इसके अलावा, कई ओजोन-क्षयकारी पदार्थ भी शक्तिशाली ग्रीनहाउस गैसें हैं जो वायुमंडल में जमा होने और ग्रह को गर्म करने पर जलवायु परिवर्तन में योगदान करती हैं। ओजोन परत की खोज 1913 में फ्रांसीसी वैज्ञानिक चार्ल्स फैब्री और हेनरी बुसोन ने की थी। उन्होंने पाया कि वायुमंडल में एक परत होती है जो कि ओजोन गैस से बनी होती है और यह परत यूवी विकिरण को अवशोषित करती है।ओजोन परत के नुकसान से कई प्रकार के हानिकारक प्रभाव पड़ सकते हैं-1.त्वचा कैंसर- ओजोन परत के नुकसान से पराबैंगनी विकिरण (यूवी) की मात्रा में वृद्धि होती है, जिससे त्वचा कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। 2. आंखों की समस्याएं-यूवी विकिरण से आंखों में समस्याएं हो सकती हैं, जैसे कि मोतियाबिंद और आंखों की जलन। 3.फ़ेफड़ों की समस्याएं-यूवी विकिरण से फ़ेफड़ों की समस्याएं हो सकती हैं, जैसे कि अस्थमा और फ़ेफड़ों का कैंसर। 4. पौधों और फसलों को नुकसान-यूवी विकिरण से पौधों और फसलों को नुकसान पहुंच सकता है, जिससे खाद्य उत्पादन में कमी आ सकती है। 5. जलीय जीवन को नुकसान- यूवी विकिरण से जलीय जीवन को नुकसान पहुंच सकता है, जिससे मछलियों और अन्य जलीय जीवों की संख्या में कमी आ सकती है। 6. वायुमंडलीय परिवर्तन- ओजोन परत के नुकसान से वायुमंडलीय परिवर्तन हो सकते हैं, जैसे कि तापमान में वृद्धि और मौसम पैटर्न में बदलाव। 7. मानव स्वास्थ्य पर प्रभाव-ओजोन परत के नुकसान से मानव स्वास्थ्य पर कई प्रकार के प्रभाव पड़ सकते हैं, जैसे कि त्वचा की समस्याएं, आंखों की समस्याएं और फ़ेफड़ों की समस्याएं। इन सभी प्रभावों को देखते हुए ओजोन परत के संरक्षण के लिए तत्काल कार्रवाई करना आवश्यक है। ओजोन परत की रक्षा करने के लिए कई कदम उठाए जा सकते हैं:1. क्लोरोफ्लोरोकार्बन (सीएफसी) के उपयोग को कम करना-सीएफसी ओजोन परत को नुकसान पहुंचाने वाले रसायनों में से एक हैं। इनका उपयोग रेफ्रिजरेटर, एयर कंडीशनर और अन्य उपकरणों में किया जाता है। 2. हाइड्रोफ्लोरोकार्बन (एचएफसी) के उपयोग को सीमित करना-एचएफसी भी ओजोन परत को नुकसान पहुंचाने वाले रसायनों में से एक हैं। इनका उपयोग रेफ्रिजरेटर, एयर कंडीशनर और अन्य उपकरणों में किया जाता है। 3. ओजोन-मित्री तकनीक को अपनाना-ओजोन-मित्री तकनीक में सीएफसी और एचएफसी के बजाय अन्य रसायनों का उपयोग किया जाता है जो ओजोन परत को नुकसान नहीं पहुंचाते हैं। 4. ऊर्ज़ा-कुशल उपकरणों का उपयोग करना-ऊर्ज़ा-कुशल उपकरणों का उपयोग करने से ऊर्ज़ा की खपत कम होती है और ओजोन परत को नुकसान पहुंचाने वाले रसायनों के उपयोग में भी कमी आती है। 5. वाहनों से निकलने वाले प्रदूषकों को कम करना-वाहनों से निकलने वाले प्रदूषक ओजोन परत को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसलिए, वाहनों से निकलने वाले प्रदूषकों को कम करने के लिए वाहनों को नियमित रूप से मेंटेनेंस करना और स्वच्छ ईंधन का उपयोग करना महत्वपूर्ण है। 6. कूड़ा-कचरा प्रबंधन में सुधार करना-कूड़ा-कचरा प्रबंधन में सुधार करने से ओजोन परत को नुकसान पहुंचाने वाले रसायनों के उपयोग में कमी आ सकती है। 7. जागरूकता फैलाना- ओजोन परत के महत्व और इसके संरक्षण के बारे में जागरूकता फैलाना महत्वपूर्ण है। इससे लोग ओजोन परत की रक्षा करने में अपनी भूमिका निभा सकते हैं। इन कदमों को उठाकर हम ओजोन परत की रक्षा कर सकते हैं और इसके संरक्षण में अपनी भूमिका निभा सकते हैं।

11 साल बेमिसाल : भाजपा ने उन्नाव में मनाया सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण का पर्व

- विकसित भारत संकल्प सभा में बोले विधायक पंकज गुप्ता—भारत ने आत्मनिर्भरता और वैश्विक छवि में रचा नया इतिहास

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। भारतीय जनता पार्टी के ''11 साल बेमिसाल'' अभियान के अंतर्गत सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 11 वर्ष पूर्ण होने पर उन्नाव जिले में विकसित भारत संकल्प सभा का आयोजन किया गया। यह आयोजन सरोसी मण्डल, नगर मण्डल और मसवासी मण्डल की ओर से संयुक्त रूप से आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में सदर विधायक पंकज गुप्ता ने शिरकत की। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी और पं. दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन से की गई। सभा को संबोधित करते हुए विधायक पंकज गुप्ता ने कहा कि भारत अब विकास, आत्मनिर्भरता और शौर्य का नया इतिहास रच रहा है। बीते 11 वर्षों में केंद्र सरकार ने गरीबों, किसानों, महिलाओं और युवाओं के लिए अनेक ऐतिहासिक कार्य किए हैं।

भारत की वैश्विक छवि और सामरिक ताकत जिस तेज़ी से बढ़ी है, वह अभूतपूर्व है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की दिशा और दूरदृष्टि का परिणाम है,ङ्क उन्होंने कहा। विधायक ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में भारत ने डिजिटल अर्थव्यवस्था, बुनियादी ढांचे के विस्तार, किसानों की आय वृद्धि, महिलाओं को सशक्त करने और युवाओं को स्वरोजगार के नए अवसर देने की दिशा में कई उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। इस संकल्प सभा में भाजपा जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी, जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष अरुण सिंह, उपाध्यक्ष महेश दीक्षित, कोषाध्यक्ष मनीष जायसवाल, नगर अध्यक्ष अवनीश गुप्ता, पूर्व नगर अध्यक्ष सुशील तिवारी, नवीन सिंह, संदीप निगम, नीरज, बउवा गुप्ता, मण्डल अध्यक्ष सर्वेश लोधी (सरोसी), अमित त्रिपाठी, सुभाष लोधी, अखिलेश निषाद, जगदीश सिंह, शिवप्रताप सिंह सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित रहे।

21 जून तक होने वाले योग सप्ताह का हुआ शुभारंभ

बाराबंकी। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस एवं योग सप्ताह 15 जून से 21 जून 2025 तक होने वाले कार्यक्रम का शुभारंभ जीआईसी आडिटोरियम में मुख्य अतिथि सदस्य विधान परिषद अंगद सिंह उनकी धर्मपत्नी श्रीमती पूनम सिंह एवं सहअतिथि जिला पंचायत सदस्य डॉ अवधेश कुमार वर्मा मजिस्ट्रेट बाराबंकी , ज्वाइंट मजिस्ट्रेट तेजस कृष्ण प्रसाद , पी डी राकेश कुमार सिंह जी एवं क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी जनपद बाराबंकी डॉ वीनम यादव जिला होम्योपैथिक चिकित्साधिकारी डॉ अर्चना श्रीवास्तव कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ अविनाश चंद्र योगाचार्य शशि कुमार अवस्थी भगवान धन्वंतरि जी के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में अधिक से अधिक जनमानस ने जीआईसी ऑडिटोरियम में आकर योग प्रशिक्षक कमल किशोर व उनके सहयोगी सहायक योग प्रशिक्षिका स्वीटी मौर्य द्वारा कराई गई योग क्रियाओं का पूरा-पूरा आनंद लिया गया। मंच संचालन योगाचार्य शशी कुमार अवस्थी द्वारा बहुत ही अच्छे प्रकार से किया गया योग के अंत में सभी ने योग को अपनाने की प्रतिज्ञा भी ली।

बिजली बोर्ड सुधारते वक्त दंपति की मौत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

नवाबगंज(उन्नाव)। अजगैन थाना क्षेत्र के दिरगज खेड़ा गांव में रविवार की दोपहर दिल को दहला देने वाली घटना हुई, जिसने पूरे गांव को मातम में डुबो दिया।

घर का बिजली बोर्ड ठीक करते वक्त करंट लगने से रामनरेश (45) और उनकी पत्नी कीर्ति (40) की मौके पर ही मौत हो गई। तीन बच्चों से मां-बाप का साया हमेशा के लिए छिन गया। जानकारी अनुसार चार दिन से खराब पड़ा लाइट बोर्ड रविवार को रामनरेश खुद ठीक करने लगे। काम के दौरान ही तेज करंट ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया।उनकी चीख सुनकर पत्नी कीर्ति दौड़ीं और उन्हें छुड़ाने की कोशिश में खुद भी करंट की चपेट में आ गईं।

कुछ ही देर में खेत से लौटे बेटे आदित्य (16) ने माता-पिता को अचेत पड़ा देखा और शोर मचाया।ग्रामीणों की मदद से दोनों को नवाबगंज सीएचसी ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

तीन बेटों पर टूटा दुखों का पहाड़-

मृतक दंपति अपने पीछे तीन बेटे ललित (18), आदित्य (16) और प्रियांशु (13)—को छोड़ गए हैं।सदमे में डूबे तीनों मासूमों की आंखें मां-बाप को तलाश रही हैं, लेकिन घर की चुप्पी अब कभी न टूटेगी। पुलिस ने शवों को भेजा पोस्टमार्टम के लिए भेजा है

प्रशासन से मदद की गुहार

गांव में आक्रोश के साथ दुख भी है। ग्राम प्रधान रेशु तिवारी समेत कई ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि अनाथ बच्चों को सहायता दी जाए पढ़ाई, पालन-पोषण व भविष्य की जिम्मेदारी उठाई जाए।

निर्माणाधीन नगर निगम कार्यालय और पूर्वनिर्मित बस स्टेशन का एडीएम ने किया निरीक्षण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर। जनपद की महत्वपूर्ण योजनाओं में शामिल नवनिर्माणधीन नगर निगम कार्यालय और पूर्वनिर्मित बस स्टेशन का एडीएम वित्त एवं राजस्व अरविन्द कुमार सिंह ने स्थलीय निरीक्षण किया।इस दौरान समयावधि से कार्य पूरा ना होने पर कार्यदायी संस्था पर दो प्रतिशत अर्थदंड लगाने के आदेश दिए,साथ ही निर्माण कार्य की गुणवत्ता सही रखने को दिशा निर्देश दिए।

रविवार दोपहर को एडीएम अरविंद कुमार जनपद शाहजहांपुर के काफी बड़े और भव्य रूप से बनाए जा रहे नगर निगम कार्यालय के निरीक्षण करने पहुंच गए।निर्माणाधीन बिल्डिंग को बनाने का कार्य कर रही संस्था सी एण्ड डीएस उत्तर प्रदेश जल निगम शाहजहांपुर द्वारा ४३३९.५७ लाख रुपए की लागत से ककरा रोड, गर्रा नदी के पास बन रहे नगर निगम कार्यालय का निर्माण कार्य करवा रहे स्थानीय अभियंता सुशील कुमार से एडीएम ने निर्माण कार्य की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। कार्यालय का पूरा निर्माण कार्य २४ अप्रैल तक पूरा होने का समय नियत था।लेकिन दो माह अधिक वक्त बीत जाने के बावजूद लगभग १५ प्रतिशत कार्य शेष है।इसको लेकर एडीएम द्वारा दो प्रतिशत अर्थदंड पहले ही लगाया जा चुका है।साथ ही आगे के नियत समय पर भी यदि निर्माण कार्य पूरा नहीं होता तो एक प्रतिशत अर्थदंड लगाने के निर्देश दिए।इसके साथ ही उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के पुनर्निर्मित बस स्टेशन के सौंदर्यीकरण का भी एडीएम ने निरीक्षण किया और समय से कार्य पूरा करने के निर्देश दिए।इसके साथ ही उन्होंने दोनों बिल्डिंगों की सभी मंजिलों और सभी स्थानों का बारीकी से निरीक्षण किया ।इस दौरान उत्तर प्रदेश जल विभाग के अधिकारी तथा दोनों स्थानों पर कार्य कर रही कंपनियों के कर्मचारी मौजूद रहे। एडीएम अरविंद कुमार सिंह ने स्पष्ट किया कि किसी भी कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

किसान के खेत में खड़ी फसल को दबंगों ने ट्रैक्टर से जोत दिया

शाहजहांपुर। जनपद के कांट थाना छेत्र अंतर्गत ग्राम लाडपुर साराएं निवासी हरविंदर सिंह ने थाना पर दी तहरीर में बताया है कि गांव से दो किलोमीटर दूर उन्होंने दो वर्ष पूर्व सरकार द्वारा की गई नीलामी में खेत खरीदा था।सभी कागजी प्रक्रिया पूरी होने के बाद राजस्व विभाग के अधिकारियों ने मौके पर पहुंच कर उसका कब्जा दाखिल कराया था।तब से लेकर वह अपनी खेती बाडी का कार्य करता रहा है। तहरीर में लिखाया है कि दो सप्ताह पूर्व खनन माफिया बलजीत सिंह,गुरुतेज बहादुर, नरेन्द्र सिंह आदि ने उसके खेत में जबरन ट्रैक्टर चलाकर उसकी फसल नष्ट कर दी और मेड काट दी।उस समय राजस्व विभाग के कर्मचारियों और पुलिस फोर्स ने उसका कब्जा दाखिल करा दिया।कल रात दिनांक १५ जून की रात्रि करीब दस बजे उपरोक्त लोगों ने फिर से ट्रैक्टर चलाकर उसकी बोई हुई बाजरा की फसल नष्ट कर दी और मेड़े काटकर खुर्दबुर्द कर दी।रात में ही उसने डायल ११२ पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस को देखकर सभी आरोपी भाग गए।

जलालाबाद विधानसभा को मिली बड़ी सौगात

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- 6:3 एकड़ में बनेगा आवासीय विद्यालय व 5 एकड़ में बनेगा स्टेडियम
- शासन द्वारा प्रस्ताव मांगे जाने पर तहसील कर्मियों के साथ ग्राम सभा में भूमि चयनित की

शाहजहांपुर। शाहजहांपुर की जलालाबाद तहसील में मुख्यमंत्री मॉडल कम्पोजिट विद्यालय प्री0 प्राइमरी से कक्षा 12 तक निर्मित सर्वोप भू खंड को जलालाबाद विधायक हरि प्रकाश वर्मा और उप जिला अधिकारी जलालाबाद ने आज छेत्र के ग्राम रामपुर चलैय्य पहुंचकर जमीन का निरीक्षण किया और उपयुक्त जमीन को जांच कर प्रस्ताव भेजने के लिए चयनित जगह की नापजोख कराकर प्रस्ताव को शासन भेजने की प्रक्रिया पूरी की। जलालाबाद विधानसभा क्षेत्र में आवासीय विद्यालय व स्टेडियम,के लिए विधायक ब एसडीएम ने जगह का और ग्राम पंचायत में बनी अस्थाई गौशाला का निरीक्षण किया, और वही रविवार को विधायक हरिप्रकाश बर्मा ब एसडीएम दुर्गेश यादव ने तहसील क्षेत्र के ग्रा0पंचायत केवल रामपुर चिल्लौआ में राजस्व टीम के साथ आवासीय विद्यालय के लिए साढ़े छह एकड़ भूमि का और स्टेडियम के लिए 5 एकड़ जमीन का निरीक्षण किया, और वही आपको बता दे विधायक हरि प्रकाश बर्मा ने उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री योगी आदित्य नाथ से मिलकर जलालाबाद तहसील विधान सभा क्षेत्र पिछड़ा होने की बात कह कर विधान सभा क्षेत्र में एक आवासीय विद्यालय ब स्टेडियम बनाये जाने की मांग की थी,तभी जिले की द्वितीय तहसील में मुख्यमंत्री मॉडल कम्पोजिट विद्यालय (प्री-प्राइमरी से कक्षा-12) निर्मित सर्वोप भू-युक्ति स्थल के उद्देश्य से निर्मित करने के लिए प्रस्ताव जारी किया, और उपयुक्त जगह देखकर प्रस्ताव बनाकर भेजने की बात कही थी तभी आज विधायक ने एसडीएम ब राजस्व टीम के साथ जगह का निरीक्षण किया जगह फाइनल होने के बाद मुख्यमंत्री को आवासीय विद्यायल ब स्टेडियम का प्रस्ताव बनाकर भेजा जायेगा, ग्राम में बनी अस्थाई गौशाला का भी विधायक ब एसडीएम ने निरीक्षण किया गोवंशो को दिए जाने भले भूसे ब हरे चारे को भी देखा और गौपालको को और गौबंशो को दिए जाने वाले हरे चारे को जरूर दिए जाने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान विधायक हरि प्रकाश बर्मा,और तहसीलदार पैगाम हैदर,और पूर्व ग्रामीण मंडल अध्यक्ष कुमार जितेंद्र प्रताप सिंह और पूर्व ब्लाक प्रमुख गोपाल वर्मा, और भाजपा के ग्रामीण मंडल अध्यक्ष विनोद अग्निहोत्री, अजय प्रताप चंदेल,लेखपाल कमलेश एवं राजस्व विभाग की टीम एवं भाजपा के दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

जमीनी विवाद में दबंगों ने महिलाओं बच्चों को जमकर पीटा

शाहजहांपुर। दबंगों ने एक परिवार पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। हमले में एक ही परिवार के चार लोग घायल हो गए। एक महिला की हालत गंभीर होने पर राजकीय मेडिकल कालेज रेफर किया गया। जहां उनका इलाज किया जा रहा है। घटना के दौरान हंगामे के वीडियो सामने आए हैं। जिसमे एक महिला खून से लथपत दिख रही है। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। थाना मिर्ज़ापुर क्षेत्र के हस्सीपुर गांव की रहने वाली सुमन ने थाने में तहरीर देकर बताया कि शनिवार की सुबह उनके मकान के पड़ोस में रहने वाले दबंगो ने उनकी जमीन पर अवैध निर्माण कराना शुरू कर दिया। ठेली में भरकर ईंटे ले जाने लगे। जानकारी मिलते ही पीड़ित परिवार ने मौके पर पहुंचकर विरोध किया। विरोध करने वालो मे महिलाएं शामिल थीं। इसी बीच महिलाओं ने दबंगो द्वारा लाई जा रही ईट से भरी ठेली को रोक लिया। दोनो पक्षों एक दूसरे की तरफ धक्का देते रहे। उसके बाद विवाद इतना बढ़ा कि दबंगों ने महिलाओ पर लाठी-डंडो से हमला बोल दिया ।जिसमे सुमन, उनकी देवरानी रीना और सुमन की दो बेटियों को चोटे आई हैं। घटना के बाद सभी आरोपी मौके से भाग गए। पीड़ित परिवार थाने पहुंचा। जिसके बाद सभी को सीएचसी भेजा गया। जहां एक महिला की हालत गंभीर देखते हुए उनको राजकीय मेडिकल कालेज रेफर कर दिया है। पीड़िता का आरोप है कि पुलिस ने कोई कार्रवाई नही की है।जिससे दबंगों के हौसले बुलन्द हैं। मिर्ज़ापुर थाना प्रभारी ने बताया कि दोनो पक्षों में निर्माण को लेकर मारपीट हुई थी। जिसमे दोनो पक्षों की महिलाएं घायल हुई हैं। दोनो पक्षों की तहरीर पर एफआईआर दर्ज की गई है।

अधिवक्ता की मोटरसाइकिल चोरी करके भाग गया चोर

बाराबंकी। कोतवाली नगर अन्तर्गत शातिर वाहन चोरों ने देवा रोड स्थित एक अधिवक्ता की बाइक चोरी करके फरार हो गये। चोर की कार्यशैली सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गयी है। अधिवक्ता ने कोतवाली नगर में अज्ञात चोर के विरुद्ध तहरीर दी है। पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, कोतवाली नगर के मोहल्ला ग्रीडगंज बाड़ा निवासी रोहित सिंह पुत्र श्याम सिंह का घर देवा ओवर ब्रिज के एकदम किनारे हैं हमेषा की तरह अपनी स्पेलण्ड प्लस बाइक घर के बाहर परिसर में खड़ी कर दी और सोने चले गये। सुबह जब उनकी आंख खुली तो उन्होने देखा कि उनकी बाइक नही है। आस पड़ोस में उन्होने पता लगाया लेकिन बाइक का कहीं पता नही चला। घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में जब उन्होने देखा तो उनको पता चला कि रात्रि 1:30 बजे एक नवयुवक अज्ञात चोर ने पहले उसके बाइक का ताला तोड़ा और उसके बाद बाइक लेकर फरार हो गया। सबसे मजेदार बात यह है कि चंद कदम दूर जेल पुलिस चौकी है और पुलिस कर्मियों का हमेषा यहां तक आना जाना बना रहता है। लेकिन शातिर चोरों ने पुलिस के खौफ को नजरअंदाज किया और बाइक चोरी करके पुलिस की रात्रि गष्त की पोल खोलकर रख दी। इस सम्बन्ध में कोतवाली प्रभारी नगर का कहना है कि बाइक चोरी की तहरीर मिली है सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से चोर की पहचान करायी जायेगी और बाइक बरामद की जायेगी। कुल मिलाकर नगर क्षेत्र में चोर पुलिस पर हावी हैं।

बाइक की टक्कर से बालक घायल,पैर फैक्चर

बेलहरा बाराबंकी। नाबालिक बाइक चालक ने सड़क किनारे खड़े बच्चे को जोरदार टक्कर मार दी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजनों द्वारा घायल बच्चे को सीएचसी में भर्ती कराया गया जहां से उसके दोनों पैरों में फैक्चर होने के कारण जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है जबकि बाइक चला रहे नाबालिक को भी चोटे आई हैं।जानकारी के अनुसार मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र अंतर्गत शिवराजपुर निवासी नरेंद्र सिंह का नाबालिग पुत्र सूरज सिंह (15) बाइक लेकर बेलहरा से घर जा रहा था तभी रास्ते में लकौड़ा गांव निवासी राम सांवले का 13 वर्षीय बेटा विवेक सड़क के किनारे खड़ा था और उसके पिता पास के खेत में सिंचाई कर रहे हैं तभी बाइक चालक ने विवेक को जोरदार टक्टर मार दी। हादसे में दोनों घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से एंबुलेंस द्वारा दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फतेहपुर में भर्ती कराया गया जहां पर विवेक के दोनों पैरों में फैक्चर होने के कारण डॉक्टरों ने उसे जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। जबकि बाइक चालक सूरज को मामूली चोटे

बाबा नीम करौली बाबा के स्थापना दिवस पर हुआ सुंदरकांड पाठ और भंडारा

- नगर के लोकनगर रोड पर हुआ आयोजन, विधायक पंकज गुप्ता और अन्य जनप्रतिनिधियों ने की शिरकत, श्रद्धालुओं ने लिया प्रसाद

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। शहर के लोकनगर रोड स्थित बाबा नीम करौली कैंचीधाम स्थल के पास रविवार को 61वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में भक्ति एवं सेवा का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर सुंदरकांड पाठ और भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम का आयोजन वार्ड नं. 10, जवाहर नगर के सभासद निशेष जायसवाल द्वारा किया गया, जिन्होंने आयोजन की पूरी व्यवस्था संभाली और श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद वितरण का भी विशेष प्रबंध किया। सभासद ने जताया आभार, कहा जनसेवा और भक्ति का संगम है यह आयोजन, सभासद निशेष जायसवाल ने आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत किया और कहा यह आयोजन केवल धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मकता और एकजुटता का प्रतीक है। भविष्य में भी ऐसे आयोजनों को और भव्य रूप दिया जाएगा।'' सुंदरकांड पाठ के बाद भंडारा आयोजित किया गया जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया और बाबा नीम करौली महाराज के चरणों में शीश नवाया।

विधायक पंकज गुप्ता और पालिका प्रतिनिधि पहुंचे कार्यक्रम में कार्यक्रम में सदर विधायक पंकज गुप्ता विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज को एकजुट करते हैं और आध्यात्मिक ऊर्जा प्रदान करते हैं। नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि प्रवीण मिश्रा भानू ने भी आयोजन में भाग लिया और श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण में सहयोग किया।

कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन के अध्यक्ष अमित मिश्रा, भाजपा नेता विमल द्विवेदी, व्यापारी अनुज पांडेय सहित कई प्रतिष्ठित लोग शामिल हुए। सभी ने भक्ति भाव से पाठ में भाग लिया और आयोजन की सफलता के लिए आयोजकों की सराहना की।

कई समाजसेवी और स्थानीय नागरिक भी हुए शामिल

भक्ति पूर्ण माहौल वाले इस आयोजन में शहर के विभिन्न समाजसेवी और सामाजिक कार्यकर्ता भी सम्मिलित हुए। जिनमें प्रमुख रूप से सुशील यादव, अनिल सिंह, पंकज त्रिपाठी, भोला ठाकुर, पवन सिंह, दिनेश गुप्ता, कवयित्री प्रियंका शुक्ला, सुशील तिवारी, पंकज तिवारी, राम तनेजा, सुमित गुप्ता, श्याम बहादुर, अजय त्रिवेदी, अतुल गुप्ता, सैफ, रजत पांडेय, प्रियांशु पांडेय आदि लोग मौजूद रहे।

निशुल्क स्वास्थ्य सेवा शिविर का आयोजन, मरीजों को दी गई आवश्यक जांच और परामर्श

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। सर्व सनातन उत्थान सेवा समिति के तत्वावधान में एक निःशुल्क स्वास्थ्य सेवा शिविर का आयोजन शारदा क्लीनिक, न्यू कया जांच केंद्र, अजीत सिंह गेट, हिरन नगर में किया गया। शिविर का उद्देश्य आम जनमानस को स्वास्थ्य जांच की सुविधा उपलब्ध कराना और रोगों की प्रारंभिक पहचान कर समय से उपचार कराना था।

स्वास्थ्य शिविर का नेतृत्व समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष सतीश शुक्ला, स्वास्थ्य सेवा समिति उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. आर. पी. तिवारी (पूर्व सीएमओ), डॉ. कामना तिवारी, डॉ. वी. के. साहू तथा अन्य वरिष्ठ चिकित्सकों ने किया। शिविर में न्यू कया जांच केंद्र के तकनीकी स्टाफ और कार्यकर्ता भी सक्रिय रूप से मौजूद रहे।

सर्व सनातन उत्थान सेवा समिति के जिलाध्यक्ष प्रेम सिंह, मैनेजर

गीतांशी यादव, युवा उपाध्यक्ष ओमी मिश्रा, प्रताप सिंह, भोला यादव, अंशु यादव, काजल यादव, अपूर्व यादव, हिमांशु पटेल, सूरज यादव, अनुराग शर्मा, शैलेंद्र यादव और अंशिका सिंह सहित समिति के अन्य सदस्यों ने शिविर को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई।

गंगा एक्सप्रेस वे की हवाई पट्टी पर डीएम ने शुरू किया योगा सप्ताह

- जनपद के आला अधिकारियों सहित कई स्कूलों के बच्चों ने किया योग

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर। जिला मुख्यालय से तीस किलोमीटर दूर जलालाबाद कंट छेत्र से निकल रहे गंगा एक्सप्रेस वे की हवाई पट्टी पर आज र इस दौरान जनपद, तहसील, ब्लॉक और ग्राम स्तर पर योगाभ्यास कार्यक्रम होंगे। जिलाधिकारी ने सभी से इन गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी का आग्रह किया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह, पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी, मुख्य चिकित्साधिकारी, बाल विकास अधिकारी एवं जिले के अन्य अधिकारियों द्वारा सम्मिलित होकर स्वयं योग कर समाज के प्रति एक प्रेरणास्पद संदेश दिया गया। कार्यक्रम की शुरुआत वैदिक मंत्रोच्चारण और 'सूर्य नमस्कार' से हुई, तत्पश्चात ताड़ासन, वृक्षासन, त्रिकोणासन, भ्रामरी प्राणायाम आदि अभ्यास कराए गए। विभिन्न स्कूलों के छात्र-छात्राओं, पुलिसकर्मियों, सामाजिक संगठनों और स्थानीय नागरिकों ने बड़ी संख्या में उत्साहपूर्वक भाग लिया।इस अवसर पर जिलाधिकारी शाहजहाँपुर द्वारा कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहाः कि योग हमारे प्राचीन ज्ञान और संस्कृति का अभिन्न अंग है, जो आज वैश्विक स्तर पर सम्मानित हो चुका है।योग करने से तन और मन को जो शांति मिलती है वह किसी वस्तु अतएव स्थिति से नहीं मिल सकती।

धूप में तपते परियर श्मशान घाट पर शवयात्रा में आए लोग, न छाया, न पानी, न व्यवस्था

- रोजाना 30 शवों का अंतिम संस्कार, हजारों की भीड़ फिर भी मूलभूत सुविधाओं का अभाव

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

परियर (उन्नाव)। सदर तहसील क्षेत्र के परियर स्थित गंगा किनारे बने श्मशान घाट की दुर्दशा ने अंतिम यात्रा में शामिल होने आने वाले लोगों की पीड़ा को और भी गहरा कर दिया है। प्रतिदिन यहां 25 से 30 शवों का अंतिम संस्कार होता है, जिसमें हजारों लोग शामिल होते हैं, लेकिन मूलभूत सुविधाएं आज तक नहीं उपलब्ध कराई गईं।

श्मशान घाट पर न छाया है, न बैठने की कोई व्यवस्था और न ही पीने के पानी का इंतजाम। तपती दोपहरी में आए लोग घंटों धूप में खड़े रहकर शवों का संस्कार करते हैं। स्थिति इतनी बदतर है कि लोग ट्रैक्टर-ट्राली के नीचे बैठकर जैसे-तैसे धूप से बचते हैं।

स्थानीय निवासी श्याम किशोर, प्रेम निषाद, मुन्ना सिंह, सुरेन्द्र, मनमोहन और शिवकुमार ने बताया कि उनके पूर्वजों से लेकर आज तक सभी का अंतिम संस्कार इसी घाट पर होता आया है। यह परंपरा अब पीड़ा का कारण बन गई है। श्मशान घाट पर तैनात सफाईकर्मी छोटेलाल ने बताया, ''रोज बड़ी संख्या में लोग आते हैं। तीन से चार घंटे धूप में खड़े रहते हैं। कोई छाया नहीं है, कोई बैठने की जगह नहीं।''

शिक्षक लखन तिवारी ने कहा श्मशान घाट ऐसा स्थान है, जहां जीवन की अंतिम सच्चाई सबको एक जैसा करती है।

मगर जिस हालात में यहां अंतिम संस्कार होते हैं, वे न सिर्फ मृतक के परिजनों के लिए तकलीफदेह हैं, बल्कि समाज की संवेदनशीलता पर भी प्रश्न खड़ा करते हैं। प्रशासन को चाहिए कि इसे प्राथमिकता पर लेकर यहां स्थायी व्यवस्था करे।

शिक्षक, लखन तिवारी

घाट के पुरोहित रोहित तिवारी ने बताया कि लगभग एक दशक पहले घाट से कुछ दूरी पर टीन शेड, हैंडपंप और शौचालय जैसी सुविधाएं बनाई गई थीं, लेकिन वह संख्या के लिहाज़ से नाकाफी थीं और अब खंडहर में तब्दील हो चुकी हैं। वहां अब कोई नहीं जाता।

पुरोहित, रोहित तिवारी

''हमारे पूर्वजों से लेकर अब तक सभी का अंतिम संस्कार यहीं होता रहा है। यह परंपरा है, लेकिन यहां कोई सुविधा नहीं है।''

श्याम किशोर (स्थानीय निवासी)

''लोग घंटों धूप में खड़े रहते हैं, छाया नहीं है। ट्रैक्टर-ट्राली के नीचे बैठकर जैसे-तैसे बचते हैं।''

छोटेलाल (सफाई कर्मी, श्मशान घाट)

श्रावण से पहले 'छोटी काशी कॉरिडोर' को मिलेगी रफ्तार

विधायक-सीडीओ ने किया निरीक्षण

- श्रद्धालुओं की सुविधा सर्वोपरि : विधायक अमन गिरी व सीडीओ ने खुद संभाली कमान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। श्रावण माह में उमड़ने वाली आस्था की बयार को देखते हुए छोटी काशी गोला गोकर्णनाथ में कॉरिडोर निर्माण कार्यों की रफ्तार अब और तेज़ होगी। रविवार की भोर बेला में विधायक अमन गिरी और सीडीओ अभिषेक कुमार ने कॉरिडोर परिसर का पैदल भ्रमण कर प्रगति की ज़मीनी हकीकत परखी और मौजूद अधिकारियों को चेताया कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। दोनों अधिकारियों ने निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं को बरसात में किसी तरह की असुविधा न हो, इसके लिए कार्यों में गुणवत्ता और समयबद्धता दोनों सुनिश्चित की जाए। कार्यदायी संस्था यूपीपीसीएल को कड़े निर्देश दिए। सीडीओ ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि श्रद्धालुओं की आस्था से कोई समझौता नहीं होगा, पाथवेज, ड्रेनेज और नाली निर्माण हर हाल में श्रावण शुरू होने से पहले पूर्ण हो। वहीं विधायक अमन गिरी ने कार्यस्थल पर निरीक्षण के दौरान एसडीएम विनोद कुमार गुप्ता, तहसीलदार सुखबीर सिंह, नायब तहसीलदार सर्वेश यादव, तथा यूपीपीसीएल के अवर अभियंता नितिन कुमार सिंह समेत संबंधित विभागों के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

मिर्ज़ामुराद में चारपाई के पास अधेड़ महिला का शव मिला, हीट स्ट्रोक से मौत की आशंका

वाराणसी। मिर्ज़ामुराद थाना क्षेत्र के गणेशपुर मुबारकपुर गांव में रविवार को कमरे में चारपाई के पास महिला का शव मिला। सूचना पाकर मौके पर थाना प्रभारी प्रमोद कुमार पांडेय व खजुरी चौकी प्रभारी प्रीतम तिवारी भी पहुंच गए। पुलिस अफसरों ने फॉरेंसिक और डॉग स्क्वायड टीम के साथ छानबीन और पूछताछ के बाद महिला का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। महिला की शिनाख्त अनिता देवी (38) पत्नी स्व. गंगा राम के रूप में हुई। पूछताछ में पड़ोसियों ने बताया कि बीते वर्ष अनिता के पति की मौत हुई थी। उसी समय से अनिता शराब का सेवन बहुत अधिक करती थी। बीते शनिवार की दोपहर अनिता के जीजा मिर्ज़ामुराद थाना क्षेत्र के लालपुर निवासी शिव कुमार आए थे। अनिता ने पड़ोसी लड़कों से शराब मंगवाई थी। रिश्तेदार शराब पीकर अपने घर चले गए। संभावना जताई गई कि अनिता शराब के नशे में रात में उठी होगी और वहीं चारपाई के पास गिर गई होगी। सुबह देर तक उसी अवस्था में पड़े रहने से हीट स्ट्रोक की शिकार हो गई।

दो बाइकों की भिड़ंत में एक युवक की मौत दो गम्भीर रूप से घायल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अजान खीरी। हैदराबाद थाना क्षेत्र के गोला मोहम्मदी हाइवे पर थाने के समीप शनिवार शाम को दो बाइकों में आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौत व दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। आनन-फानन में आसपास के लोगों ने सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने राहगीरों की सहायता से घायलों को अस्पताल पहुंचाया। जहां एक युवक को चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मोहम्मदी थाना क्षेत्र के गांव झारा खेमपुर के रहने वाले अभय कुमार 25 वर्षीय पुत्र सुधीर वर्मा बाइक से किसी काम से गोला की ओर कही जा रहा था, इसी बीच शनिवार की शाम 5 बजे थाना हैदराबाद के समीप सामने से आ रहे एक बाइक सवार से उनकी आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। घटना में दूसरी बाइक पर सवार हैदराबाद थाना क्षेत्र के ग्राम बरगदिया निवासी विशोख और उनका एक साथी ग्राम परेली निवासी भगवान दीन गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को गोला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया।जहां उपचार के दौरान अभय (25) को चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के बाद पुलिस दोनों बाइकों को अपने साथ थाने ले गई ।घटना की खबर मृतक के घर पहुंचते ही घर मे चीख-पुकार मच गई,आनन-फानन में परिजन भी अस्पताल पहुंच गए।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले का आयोजन

मितौली खीरी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रत्येक रविवार को होने वाले मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले का आयोजन विकास खण्ड मितौली के सभी पांचो प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में मुख्य चिकित्सा अधिकारी के निर्देशानुसार अधीक्षक डॉ देवेन्द्र सिंह के संरक्षण मैं मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेलों का आयोजन एवं अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गय। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कल्लुआमोती में डॉक्टर शहला अंसारी द्वारा 56 मरीज , ककरहा डॉ उस्मान अयूबी द्वारा 54 मरीज, संडिलवा डॉ पंकज शुक्ला 36 द्वारा मरीज, चुरईपुरवा 32 मरीज, कैमहरा डॉ विपनेश कुमार द्वारा 36 मरीजों को स्वास्थ्य मेले में स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान की गई। सभी मरीजों को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग कराया गया उचित परामर्श के साथ निशुल्क दवाएं दी गई।

एटीएम में कैश नहीं रहने से लोगों को हो रही परेशानी

नीमगांव खीरी। थाना नीमगांव क्षेत्र के स्थानीय कस्बे में इट्खुख बंद होने के कारण खाताधारकों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है,कस्बे में बैंकों द्वारा लगाए गए एटीम महज शोपीस बने हुए हैं,नीमगांव कस्बे में दो बैंकों के एटीम है सीबीआई व बैंक ऑफ बड़ौदा के एटीएम नियमित रूप से संचालित नहीं हो रहा है,आए दिन कैश न होना या अन्य तकनीकी समस्याओं होने से ग्राहकों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। रविवार के दिन एटीएम तो खुला था, लेकिन उसमें रुपये नहीं थे, सीबीआई के कार्ड होल्डर चाह कर भी बैंक की एटीएम से रुपये नहीं निकाल पा रहे हैं,आश्चर्य की बात यह है कि जब एटीएम काउंटर में कैश होता है, तब एटीएम बंद रहता है और जब एटीएम काउंटर के मशीन में कैश नहीं होता है तब एटीएम खुला रहता है। यह स्थिति विगत दो-तीन महीनों से ज्यादा से है। लेकिन सीबीआई का एटीम के द्वारा इस मामले में कोई संज्ञान नहीं लिया जा रहा है। वहीं एटीएम की देखरेख के लिए जो सिक्योरिटी गार्ड रखे गए थे उनका भी कोई अता- पता नहीं है, दर्जनों ग्राहकों ने कहा कि सीबीआई के एटीएम में कैश नहीं रहना आम बात हो गई, एटीम संबंधित बैंक के मैनेजर से बोलने के बाद भी एटीएम में रुपये नहीं डाले जाते हैं। ऐसी परिस्थिति में एटीएम कार्ड होल्डर जाएं तो जाएं कहां, लोगों की परेशानियों को थोड़ी राहत बैंक ऑफ बड़ौदा का एटीएम देता है। लेकिन आए दिन एटीएम के बंद हो जाने के बाद जरूरतमंद लोग रुपये निकालने के लिए इधर-उधर भागते-फिरते हैं।

नाना के यहां आई किशोरी दूसरे समुदाय के प्रेमी के साथ फरार

अजान खीरी। हैदराबाद थाना क्षेत्र के एक गांव में अपने नाना के यहां आई एक दूसरे समुदाय का युवक बहला फुसलाकर भगा ले गया। किशोरी के नाना ने हैदराबाद पुलिस मे लिखित तहरीर देकर युवक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। हैदराबाद थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी नाना ने पुलिस को दी गई तहरीर में लिखा है कि उसकी 17 वर्षीय नातिन डेढ़ माह से उसके यहां रह रही थी। जिसे 10 जून को शाहजहांपुर जिले के थाना निगोही के ग्राम घुसवा निवासी अमन खान बहला फुसलाकर कर भगा ले गया।

थाना मैलानी पलिस द्वारा 01 नफर अभियुक्त गिरफ्तार

कुकरा खीरी। पुलिस अधीक्षक खीरी एवं अपर पुलिस अधीक्षक महोदय के कुशल निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी गोला के पर्यवेक्षण में व थानाध्यक्ष मैलानी के नेतृत्व में जनपद खीरी मे अपराध की रोकथाम हेतु अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत दिनांक 15.06.2025 को थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 0218/2025 धारा 87/137(2)/64 बीएनएस व 3/4 पोक्सो एक्ट में अभियुक्त मंजीत पुत्र नोखेलाल निवासी ग्राम बगुली थाना मैलानी जनपद खीरी उम्र करीब 22 वर्ष को नौवाखेड़ा तिराहे के पास से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल हुयी है,अभियुक्त के विरुद्ध विधिक कार्यवाही कर मा0 न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल भेजा जा रहा है।जिसमें गिरफ्तारी करने वाली पुलिसटीमः- में उ0नि0 मोहित पुण्डीर चौकी प्रभारी संसारपुर,का0 पंकज तिवारी,का0चकित कुमार सहित आदि पुलिस बल मौजूद रहा।

मेड़ विवाद में चार नामजद

अजान खीरी। गोला कोतवाली वाली क्षेत्र के ग्राम दौलतगंज निवासी रामसागर ने अयोध्यापुर निवासी विपक्षी माता राम, माया देवी उर्फ लछाना, जसविंदर व राधा के विरुद्ध खेत की मेड़ तोड़ने व गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी का मामला दर्ज करवाया है। वादी का खेत बुधेली ग्रंट नंबर 14 में स्थित है। मेड तोड़ने का विरोध करने पर विपक्षियों नें गाली गलौज कर जान माल की धमकी दी है।

दहेज उत्पीड़न में पति समेत तीन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

अजान खीरी। हैदराबाद थाना क्षेत्र में दहेज की खातिर एक विवाहिता को प्रताड़ित करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। हैदराबाद थाना क्षेत्र के ग्राम मूड़ा अस्सी निवासी श्याम वती शिवदयाल ने दर्ज कराई गई रिपोर्ट में लिखा है कि उसने एक वर्ष पूर्व पुत्री बन्दना का विवाह कोतवाली क्षेत्र के ग्राम जहानपुर निवासी संदीप पुत्र मुन्ना के साथ किया था। शादी के बाद दिये गये दान दहेज से उसका पति संदीप कुमार,देवर विवेक कुमार,सांस गीता देवी आदि खुश नहीं थे और दहेज में एक लाख रुपए की अतिरिक्त मांग करने लगे।

कृ0 स0 इं0 कॉलेज में 15 से साप्ताहिक योग दिवस का आयोजन

गोला गोकर्णनाथ खीरी। गत वर्षो की भांति इस वर्ष भी कृषक समाज इंटर कॉलेज में एन.सी.सी., एन. एस. एस. एवं स्काउट गाइड द्वारा 15 जून से 21 जून तक योग दिवस का आयोजन किया जा रहा है।विद्यालय के प्रधानाचार्य आनंद प्रकाश सरोज ने उपरोक्त जानकारी देते हुए बताया कि योग के साथ-साथ पोस्टर, पेंटिंग, स्लोगन, क्विज, डिबेट, निबंध, भाषण और रंगोली आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा। इन सभी प्रतियोगिताओं के विजेता विद्यार्थियों को 21 जून 2025 को समापन समारोह में प्रमाण पत्र व पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा। अतः सभी विद्यार्थी प्रतिदिन प्रात 7:00 बजे विद्यालय में उपस्थित होकर उक्त कार्यक्रमों में अपनी प्रतिभागिता सुनिश्चित करें।

योग के रंग में रंगी शिव नगरी गोला

भव्य समारोह के साथ योग सप्ताह का शुभारंभ

- सीएम के आदेश पर पुलिस व प्रशासन ने सिर्फ दो दिन दिखाई सख्ती

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। नीलकंठ मैदान, गोला गोकर्णनाथ में रविवार की सुबह शिवत्व और स्वास्थ्य का अद्भुत संगम देखने को मिला। योग सप्ताह का शुभारंभ विधायक अमन गिरी, सीडीओ अभिषेक कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर किया।सभी तहसील व ब्लाक मुख्यालयों में भी योग सप्ताह पर भव्य कार्यक्रम हुए। कार्यक्रम का संयोजन व संचालन क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. हरवंश कुमार ने किया। कार्यक्रम के दौरान विधायक, सीडीओ और चेयरमैन ने अधिकारियों, कर्मचारियों और आमजन के साथ सामूहिक योगाभ्यास कर संदेश दिया कि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि समग्र जीवनशैली का विज्ञान है। योग के मास्टर ट्रेनर शशीकांत दीक्षित, योग प्रशिक्षक कुलदीप वर्मा ने योग शिक्षक अमित शुक्ला, पूजा पांडेय के साथ प्रतिभागियों को योगा प्रोटोकॉल के तहत विभिन्न आसनों का अभ्यास कराया। अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस ''एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग'' थीम पर व्यापक स्तर मनाया जा रहा है। विधायक अमन गिरी ने कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य देन है, जो शरीर, मन और आत्मा के संतुलन से जीवन में पूर्णता लाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से आज पूरी दुनिया योग को अपना चुकी है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस भारत की सोच और नेतृत्व की वैश्विक स्वीकृति का प्रतीक है। सीडीओ अभिषेक कुमार ने कहा कि योग केवल शरीर संचालन का माध्यम नहीं, बल्कि आत्म-संवाद और प्रकृति से जुड़ने का मार्ग है। यह हमारी जीवनशैली को संतुलित और जागरूक बनाता है। ''एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग'' थीम पर 15 जून से 21 जून तक योग सप्ताह और 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पूरे जिले में बड़े स्तर पर मनाया जाएगा। नपाप चेयरमैन विजय शुक्ला रिंकू ने स्वयंसेवी संस्थाओं के पदाधिकारियों से अपील की कि वह अपने घर के सदस्यों एवं अन्य लोगों को योग करने हेतु प्रेरित करें। योग के महत्व को बताते हुए इसको वसुधैव कुटुंबकम की भावना को मजबूती प्रदान करने वाला तथा पूरी मानवता को एक साथ जोड़ने के एक सशक्त माध्यम के रूप में रेखांकित किया। इस दौरान एसडीएम विनोद कुमार गुप्ता, तहसीलदार सुखबीर सिंह, बीडीओ ऋषि अहिरवार,भाजपा नेता मोंटी गिरी, सुरजन लाल वर्मा, जिला होम्योपैथिक चिकित्साधिकारी डॉक्टर शैलेश प्रताप सिंह, डॉ विनोद कुमार वर्मा, डॉ डालचंद, डॉ सुदीप तिवारी सहित सैकड़ो की संख्या में योग साधक मौजूद रहे।

दुखद विमान हादसे पर सामूहिक श्रद्धांजलि

योगाभ्यास कार्यक्रम के पश्चात सीडीओ अभिषेक कुमार ने हाल ही में हुए विमान हादसे को अत्यंत दुखद बताया। उन्होंने उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं आम नागरिकों संग दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि दी।

'शब्दाक्षर' की विमान हादसे पर शोक सभा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। शब्दाक्षर' ''रजि,, राष्ट्रीय साहित्यिक संस्था लखीमपुर खीरी, उत्तर प्रदेश इकाई द्वारा,12 मई को हुई अहमदाबाद विमान दुर्घटना में असामयिक काल के गाल में समाये नागरिकों की आत्मा की शान्ति हेतु शोक सभा करके ईश्वर से दिवंगत आत्माओं को शान्ति प्रदान कर अपने श्री चरणों में स्थान प्रदान करने व उनके परिजनों को यह असहनीय दुःख सहन करने की शक्ति देने के लिए प्रार्थना की गई। शनिवार को आहूत इस मर्माहत सभा में सभी उपस्थित लोगों ने अश्रु पूरित श्रद्धांजलि अर्पित कर दो मिनट का मौन रखकर शान्ति पाठ किया। यह आयोजन संस्था मुख्यालय कोलकाता से, राष्ट्रीय अध्यक्ष रविप्रताप सिंह जी के निर्देशन में संयोजित हुआ। उक्त अवसर पर के.के.शुक्ल, मधुकर शैदाई, रामकुमार गुप्ता, डॉ.वीरेश बाजपेई, शशिकान्त मिश्र, रमाकान्त चौधरी, आलोक तिवारी, राजेन्द्र मिश्र, श्याममोहन मिश्र, सुरेश ठाकुर, अशोक मिश्रा, सर्वेश शुक्ल, हरद्वारी लाल शाह, मनोज श्रीवास्तव तथा अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थि रहे।

ट्रिपल हत्याकांड के दो आरोपितों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

जौनपुर। जफराबाद क्षेत्र के महरुपुर रेलवे ओवरब्रिज के पास रविवार को पुलिस ने ट्रिपल हत्याकांड के तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के लिए यह हत्याकांड चुनौती बना हुआ था। थाना क्षेत्र के मोहम्मदपुर कांध गांव निवासी लालजी तथा उसके दो पुत्रों गुड्डू तथा यादबीर की 25 मई की सुबह पांच से छह बजे के बीच नेवादा अंडरपास के समीप स्थित कारखाने में लोहे के सरिया हथौड़ा आदि से मारकर हत्या कर दी गयी थी। हत्या के बाद तीन नामजद सहित कुछ अज्ञात लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज हुआ था।दो आरोपितों को पुलिस ने 27 मई को गिरफ्तार कर लिया था। उसके बाद से ही पुलिस अन्य बदमाशों को पकड़ने के प्रयास में लगी हुई थी। पुलिस हर सम्भव प्रयास कर रही थी। घटना के खुलासे के लिए सीओ सिटी देवेश सिंह के नेतृत्व में टीमों का प्रयास चल रहा था।

रविवार को मामले का खुलासा करते हुए सीओ सिटी देवेश सिंह बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि उक्त घटना के दो आरोपित प्रिंस निषाद पुत्र सुजीत निषाद निवासी टिसौरी थाना केराकत सौरभ बिंद पुत्र पन्नालाल निवासी बुमकहां थाना सरपतहा उत्तर रेलवे ओवरब्रिज के पास मौजूद हैं। सूचना मिलते ही सीओ सिटी देवेश सिंह ने थाना प्रभारी विश्वनाथ प्रताप सिंह को सूचना देकर तत्काल मौके पर भेजा। थाना प्रभारी एस आई सजंय कुमार, विपुल राय आदि के साथ मौके पर जाकर दोनो हत्यारोपितों को गिरफ्तार कर लिया। उनके निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त हथौड़ा बरामद किया। पत्रकारों से बातचीत करते हुए सीओ सिटी ने बताया कि हत्याकांड का मुख्य कारण पूछताछ में सामने आया कि जमीनी विवाद तथा पलटू की लड़की को भगाना था।यह बात इन लोगों के दिमाग में घर कर गयी थी।

जांच अधिकारी की लापरवाही के चलते 2 महीने के बाद लिए बयान, मितौली पुलिस की बड़ी लापरवाही

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मितौली खीरी। विकासखंड मितौली क्षेत्र के हैदर नगर गांव के क्षेत्र पंचायत सदस्य राजेंद्र प्रसाद की बहू की मैडोलेक्स हॉस्पिटल में डॉक्टर द्वारा गलत इंजेक्शन देने की वजह से मौत हो गई थी। जहां इस मामले को लेकर क्षेत्र पंचायत सदस्य राजेंद्र प्रसाद ने अपने संगठन प्रधान क्षेत्र पंचायत स्वाभिमान संघ उत्तर प्रदेश के राष्ट्रीय अध्यक्ष नवनीत शुक्ला को अपने घर की घटना को बताया। और इसके बाद उन्होंने कहा आप परेशान मत होइए आप हमारे परिवार के सदस्य हैं और संगठन हमारा आपके लिए तत्पर रहेगा। उन्होंने परिवार के लोगों से कहा कि हमारे यह बीडीसी के परिवार की बहू के मामले में अगर परिवार को न्याय नहीं मिला तो हम पूरे प्रदेश में अपने संगठन के जरिए ईट से ईंट बजा देंगे। इस मामले के जाँच अधिकारी की लापरवाही सामने आई जहां घटना से लगभग आज 40 दिन बीत गए थे। लेकिन पीड़ित के किसी के बयान नहीं दर्ज कराए थे। जब संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष नवनीत शुक्ला व आशा उत्थान समिति के प्रदेश संरक्षक राकेश तिवारी उनके आवास पर पहुंचे और विवेचक अधिकारी बलवीर सिंह को पीड़ित के घर बुलाया और मृतक महिला के पति के बयान दर्ज कराए। आखिर इतने दिन बीतने के बाद अब दर्ज कर पाए बयान। और उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री अपने अभिभावक मानते हुए बृजेश पाठक व उत्तर प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ से अपील की है तत्काल डॉक्टर और अस्पताल पर कार्रवाई की जाए।

वहीं उनके आवास पर पहुंच कर शोक संवेदना अपने सैकड़ो साथियों के साथ व्यक्त की है। और उन्होंने कहा है कि उनके यहां बहू की जो मेडोलेक्स हॉस्पिटल में गलत इंजेक्शन देनें की वजह से मौत हो गई थी। जहाँ इस मामले को लेकर हमारें प्रधान क्षेत्र पंचायत स्वाभिमान संघ व आशा उत्थान समिति के संगठन के लोग पूरे प्रदेश के बीडीसी एकता के साथ एकत्रित होकर जल्द करेंगे धरना प्रदर्शन।इस अवसर पर जिला अध्यक्ष सरोज गुप्ता, अनीता सक्सेना बी.डी.सी महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष, दीपक कुमार गौतम लखनऊ मंडल उपाध्यक्ष, हरिओम कनौजिया, मनोज कुमार पाल,आरिफ अली,जगदीश मौर्य, दीपू चौधरी, ओमकार, रवि प्रकाश, यूनुस,अंकुर रमेश चंद्र, सुरजीत, सुरेश गौतम साहित मितौली बेहजम मोहम्मदी के समस्त सम्मानित क्षेत्र पंचायत सदस्य व सम्मानित नागरिक मौजूद रहे।

मोदी सरकार ने सशक्त एवं सुरक्षित भारत का सपना साकार किया : हर्षवर्धन बाजपेयी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज। भाजपा प्रयागराज महानगर द्वारा रविवार को सिविल लाइन स्थित पार्टी कार्यालय में सिविल लाइन मंडल के विकसित भारत कार्यशाला में विकसित भारत की संकल्पना एवं हमारी भूमिका तथा केंद्र सरकार की 11 वर्षों की उपलब्धियों पर चर्चा हुई। मुख्य अतिथि शहर उत्तरी विधायक हर्षवर्धन बाजपेयी ने कहा कि मोदी सरकार ने सशक्त और सुरक्षित भारत का सपना साकार किया है। उन्होंने कहा कि जब 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की बागडोर संभाली थी तो उस समय भारत आर्थिक मोर्चे पर दुनिया के कमजोर देशों में गिना जाता था। आज भारत अर्थव्यवस्था के मामले में जापान को भी पीछे छोड़ रहा है। मोदी सरकार ने आतंकवाद और नक्सलवाद के खिलाफ ठोस कार्रवाई की। रक्षा क्षेत्र में आज भारत आत्मनिर्भरता के पायदान पर खड़ा है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने बीते 11 वर्षों में सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के मंत्र पर चलते हुए वैश्विक मंच पर अपनी मजबूत पहचान बनाई है।

विधायक ने कहा कि पिछले आठ सालों में योगी सरकार में प्रयागराज में 21 फ्लाई ओवर बने हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य और आधारभूत ढांचे में जो परिवर्तन आए हैं वह मोदी सरकार के बीते 11 वर्षों के सेवा भाव का परिणाम है। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास अब केवल नारा नहीं, देश की पहचान है। जन धन योजना वित्तीय समावेशन की विश्व में सबसे बड़ी पहल साबित हुई। प्रधानमंत्री मोदी ने कमजोर वर्गों की आकांक्षाओं की पूर्ति और उनके अधिकारों की रक्षा की। जनजातीय लोगों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हुआ। पीएम स्वविधि योजना के अंतर्गत 50 लाख से अधिक रेहड़ी पटरी वालों को ऋण मिला। 80 करोड़ भारतीयों की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित हुई। पीएम किसान योजना के अंतर्गत अब तक 11.8 करोड़ किसान लाभान्वित हुए। मोदी सरकार सबका साथ सबका विकास के मार्ग पर चलते हुए विकसित भारत का रोडमैप तैयार किया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए भाजपा महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता ने कहा कि हम सभी का साझा संकल्प होना चाहिए कि एक आत्मनिर्भर, सुरक्षित और विकसित भारत के निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएं। विकसित भारत के लिए हमें जाति, धर्म, भाषा, लिंग और क्षेत्र से ऊपर उठकर राष्ट्रीय एकता, अखंडता एवं भाईचारे के लिए काम करना है। औपनिवेशिक मानसिकता, वंशवादी राजनीति की बुराई के खिलाफ आवाज उठानी होगी। राष्ट्रसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए एक कर्तव्यनिष्ठ राष्ट्रवादी नागरिक के रूप में कार्य करना है। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने विकसित भारत संकल्प पत्र पढ़कर व उस पर हस्ताक्षर कर भारत को विकसित बनाने का संकल्प लिया।

पुलिया से टकराई बाइक, युवक की मौत

मीरजापुर। नाना के घर से लौटते समय बाइक हादसे में 22 वर्षीय युवक की मौत हो गई। जबकि उसका चचेरा भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। यह हादसा लालगंज थाना क्षेत्र के बरौधा चौकी अंतर्गत गदहियां नाले के पास रविवार को हुआ। मरने वाले युवक की दस दिन पहले शादी हुई थी। नैढी कठारी गांव निवासी सुनील (22) अपने चचेरे भाई रविंद्र के साथ प्रयागराज जिले के धनावल गांव में नाना के घर गया था। दोनों बाइक से घर लौट रहे थे, तभी गदहियां नाले के पास पुलिया पर उनकी बाइक अनियंत्रित होकर टकरा गई। हादसे में बाइक चला रहे सुनील को सिर में गंभीर चोटें आईं, जबकि पीछे बैठे रविंद्र के पैर में गंभीर चोट लगी। राहगीरों ने तुरंत परिजनों और पुलिस को सूचना दी। परिजन सुनील को लेकर बरौधा स्थित एक निजी अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं रविंद्र की हालत गंभीर देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

युवा अक्षत रघुवंशी की बल्लेबाजी के फैन हुए वेंकटेश अय्यर, बांधे तारीफों के पुल

एजेंसी

ग्वालियर। मध्य प्रदेश टी20 लीग (एमपीएल) 2025 के पांचवें मुकाबले में इंदौर पिंक पैंथर्स ने जबलपुर रॉयल लायंस को 6 रन से हराकर सीजन की शानदार शुरुआत की। मैच के बाद टीम के कप्तान वेंकटेश अय्यर ने युवा बल्लेबाज अक्षत रघुवंशी की जमकर तारीफ की।

अय्यर ने कहा कि आज का असली हीरो अक्षत है। जिस तरह से उसने पूरे मैदान में शॉट्स लगाए, वह काबिले-तारीफ है। 21 साल की उम्र में मैंने इससे बेहतर टैलेंट नहीं देखा। मैं उसकी तरक्की के लिए दुआ करता हूं, भविष्य में वह बहुत आगे जाएगा। अक्षत रघुवंशी ने मैच में 46 गेंदों पर 76 रनों की शानदार पारी खेली, जिसमें 7 चौके और 5 छक्के शामिल

थे। उनकी इस पारी ने इंदौर को 20 ओवर में सात विकेट पर 183 रन तक पहुंचाया। जवाब में जबलपुर की टीम 20 ओवर में आठ विकेट खोकर 177 रन बना सकी। सलामी बल्लेबाज सिद्धार्थ पाटीदार ने 40, धर्मेश पटेल ने 55 रन और राहुल बाथम ने 58 रन बनाए। इनके अलावा अन्यकोई बल्लेबाज प्रभाव नहीं छोड़ सका इंदौर पिंक पैंथर्स की ओर से स्पिनर मिहिर हिरवानी ने 3 विकेट लिए। कप्तान वेंकटेश अय्यर ने भी गेंदबाजी में योगदान देते दो विकेट लिए। कुलवंत खेजरोलिया और पी. निरवानी ने एक-एक विकेट लिए। अय्यर ने आगे कहा, मेरे लिए आज की सबसे बड़ी बात मेरी गेंदबाजी थी। काफी समय बाद गेंद डाली, अनुभव अच्छा रहा।'' टूर्नामेंट की अहमियत पर अय्यर ने कहा कि एमपीएल मध्य प्रदेश के खिलाड़ियों के लिए बहुत बड़ा प्लेटफॉर्म है। पिछली बार भी यहां से खिलाड़ी आईपीएल तक पहुंचे। ये सिर्फ एक मौका नहीं, बल्कि ज़िंदगी बदलने वाला मंच है। एमपीएल को इस बेहतरीन टूर्नामेंट के आयोजन का पूरा श्रेय जाता है। यह सिर्फ युवाओं के लिए नहीं, हमारे जैसे खिलाड़ियों के लिए भी एक अच्छा अभ्यास का मौका है। अंत में उन्होंने कहा, ''मैं नजर नहीं लगाना चाहता, लेकिन अक्षत और अर्पित से मुझे बहुत उम्मीदें हैं।

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 2-1 से हराया

कोंटिच। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने यूरोप दौर में अपना अजेय क्रम जारी रखते हुए चौथे मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया पर 2-1 से रोमांचक जीत दर्ज की। भारतीय जूनियर महिला टीम ने शनिवार को को खेले गये मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की। मैच की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया के लिए जोसी लॉटन ने (पांचवें) मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोलकर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। भारतीय टीम की नंदिनी ने थोड़ी देर बाद ही आठवें मिनट में इसका जवाब देते हुए गोलकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। इसके बाद पहले क्वार्टर के आखिर में भारतीय टीम की उप कप्तान हिना बानो ने (14वें) मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदल कर स्कोर 2-1 कर दिया। इसके बाद दोनों टीमें गोलकरने के कई मौके भुना नहीं पायी। भारतीय टीम की रक्षापंक्ति ने ऑस्ट्रेलियाई हमलों को विफलकर अपनी टीम को जीत दिला दी।

दक्षिण अफ्रीका की महिला टीम ने वेस्टइंडीज को 40 रनों से हराया

एजेंसी

केव हिल। सुने लूस (76), नोंडुमिसो शंघासे (55) की शानदार अर्धशतकीय पारियों के बाद एन. म्लाबा (चार विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत दक्षिण अफ्रीका की महिला टीम ने दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में वेस्टइंडीज को 40 रनों से हराया दिया। इसी के साथ दक्षिण अफ्रीका ने तीन मैचों की सीरीज में 1-1 से बराबरी कर ली है। वेस्टइंडीज की टीम ने शनिवार रात खेले गये मुकाबले में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका के लिए कप्तान लॉरा वुलफार्ट और तेजमिन ब्रिट्स की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 51 रन जोड़े। 16वें ओवर में हेली मैथ्यूज ने लॉरा वुलफार्ट (28) को आउटकर वेस्टइंडीज को पहली सफलता दिलाई। 19वें ओवर में ऐफी फ्लेकर ने तेजमिन ब्रिट्स (26) को आउटकर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद नोंडुमिसो शंघासे और सुने लूस की जोड़ी ने दक्षिण अफ्रीका की पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट लिए 85 रनों की साझेदारी हुई। 30वें ओवर में हैली मैथ्यूज ने नोंडुमिसो शंघासे को आउटकर इस साझेदारी का अंत किया। नोंडुमिसो शंघासे ने 48 गेंदों में चार चौके और दो छक्के लगाते हुए (55) रनों की पारी खेली। मैरीजान कैप्प (32), सिनालो जाफ्टा(दो) रन बनाकर आउट हुई। 43वें ओवर में आलिया ऑलेन ने सुने लूस को आउट किया। सुने लूस ने 65 गेंदों में आठ चौकों की मदद से (76) रन बनाये। एनरी डर्कसन (37), क्लोई ट्राइऑन (28) फ्लेचर का शिकार बनी। दक्षिण अफ्रीका की टीम ने निर्धारित 50 ओवरों में नौ विकेट पर 309 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया।

डीपीएल का विस्तार करने की योजना: डीडीसीए निदेशक

एजेंसी

नयी दिल्ली। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के निदेशक श्याम सुंदर शर्मा ने कहा कि दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) टी20 टूर्नामेंट के दूसरे सत्र में टीमों की संख्या बढ़ाकर आठ करने की योजना है। डीपीएल का उद्घाटन सत्र पिछले साल आयोजित किया गया था, जिसमें छह टीमों ने दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करते हुए फ्रेंचाइजी आधारित टूर्नामेंट में भाग लिया था। शर्मा ने टूर्नामेंट का विस्तार करने की डीडीसीए की योजना के बारे में कहा, ''हम डीपीएल में सुविधाएं बढ़ाने के बारे में सोच रहे हैं। टीमों की संख्या भी बढ़ाने (छह से आठ करने) पर बातचीत चल रही है। उन्होंने कहा, '' डीपीएल का आगामी सत्र अगस्त के पहले या दूसरे सप्ताह में शुरू होगा। शर्मा ने कहा कि डीडीसीए को खुशी है कि पिछले साल डीपीएल का हिस्सा रहे खिलाड़ियों को इस साल बड़ी संख्या में इंडियन प्रीमियर लीग का हिस्सा बनने का मौका मिला। उन्होंने कहा, ''डीपीएल में भाग लेने वाले कुल 14 क्रिकेटर आईपीएल का हिस्सा बने हैं। इनमें दिग्वेश राठी, आयुष बदोनी और प्रियांश आर्य जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि डीडीसीए की महिला क्रिकेट को भी बढ़ावा देने की योजना है। डीडीसीए ने हाल ही में महिलाओं का टी20 टूर्नामेंट शुरू किया है जिसमें 41 संबद्ध क्लब हिस्सा ले रहे हैं। शर्मा ने कहा कि डीडीसीए ने अगले साल तक दो और महिला टीमें जोड़ने की योजना बनाई है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने चेन्नई के चिदंबरम स्टेडियम के आउटफील्ड और पिचों का नवीनीकरण के कारण ऑस्ट्रेलिया और भारत की महिला टीमों के बीच सितंबर-अक्टूबर में होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला की मेजबानी दिल्ली और मुल्लांपुर को सौंपी है। शर्मा ने कहा कि डीडीसीए खिलाड़ियों को सर्वश्रेष्ठ सुविधाएं देने के लिए तैयार है।

स्टीव स्मिथ ने उंगली में लगी चोट से कुछ हफ्तों में उबरने की जताई उम्मीद

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ को उम्मीद है कि वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के दौरान उंगली में लगी चोट से कुछ हफ्तों में उबर जाएंगे। स्मिथ को फाइनल मैच के तीसरे दिन फिल्डिंग के दौरान कैच पकड़ते समय यह चोट लगी थी। आईसीसी ने स्मिथ के हवाले से लिखा कि मैं अब आठ सप्ताह तक स्प्लिंट में रहूंगा और शायद कुछ सप्ताह में खेल सकूंगा। उन्होंने कहा कि यह मेरी कार्यक्षमता और मेरी क्षमता पर निर्भर करेगा। स्मिथ ने कहा कि मैं हेलमेट पहने काफी करीब खड़ा था। हमारी योजना करीब खड़े होने की थी। मैं मिचेल स्टार्क की गेंदबाजी के एंगल के कारण गेंद को देख नहीं पाया। यह मुश्किल था, गेंद मेरे हाथ में ठीक से नहीं आई। सौभाग्य से हाथ में कोई फ्रैक्चर नहीं था। स्मिथ लॉर्ड्स (लंदन) में खेले गए डब्ल्यूटीसी फाइनल के तीसरे दिन दक्षिण अफ्रीका टीम के कप्तान टेंबा बावुमा का स्लिप में कैच पकड़ने की कोशिश में चोटिल हुए थे। स्मिथ हेलमेट पहनकर काफी आगे खड़े थे। गेंदबाज मिचेल स्टार्क की तेज आती गेंद बावुमा के बल्ले का किनारा लेते हुए स्लिप में तेजी से स्मिथ के पास पहुंची। गेंद उनके हाथ से टकरा कर छटक गयी और वह दर्द में कराहते हुए दिखे। मैदान पर चिकित्सा मिलने के बाद वह बाहर चले गए। 36 वर्षीय खिलाड़ी भाग्यशाली रहे कि उन्हें सर्जरी से बचना पड़ा और वेस्टइंडीज के खिलाफ दौरे पर ऑस्ट्रेलिया की आगामी तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में खेलने का मौका है। यह सीरीज इसी महीने 25 जून से शुरू हो रही है। उल्लेखनीय है कि दक्षिण अफ्रीका ने शनिवार को ऑस्ट्रेलिया को हराकर आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025 का खिताब जीता। फाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 212 रन बनाए थे। इसके जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम पहली पारी में 138 रन पर ढेर हो गई। दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया ने 207 रनों का स्कोर बनाया और दक्षिण अफ्रीका के सामने 282 रनों का लक्ष्य रखा। इस लक्ष्य को दक्षिण अफ्रीका की टीम ने चौथे दिन 5 विकेट खोकर हासिल कर लिया। सलामी बल्लेबाज एडन मारक्रम ने शानदार 136 रनों की शतकीय पारी खेली। कप्तान टेम्बा बावुमा ने 66 रन बनाए।

संक्षिप्त समाचार

सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से आठ का बाजार पूंजीकरण 1.65 लाख करोड़ रुपये घटा

नयी दिल्ली। स्थानीय शेयर बाजार में सुस्ती के रुख के बीच बीते सप्ताह सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से आठ के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 1,65,501.49 करोड़ रुपये की गिरावट आई। सबसे अधिक नुकसान एचडीएफसी बैंक को हुआ। पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,070.39 अंक या 1.30 प्रतिशत टूट गया। समीक्षाधीन सप्ताह में सिर्फ टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और इन्फोसिस के बाजार मूल्यांकन में बढ़ोतरी हुई। वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी), बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड के बाजार मूल्यांकन में गिरावट आई। सप्ताह के दौरान एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 47,075.97 करोड़ रुपये घटकर 14,68,777.88 करोड़ रुपये रह गया। आईसीआईसीआई बैंक का बाजार मूल्यांकन 30,677.44 करोड़ रुपये घटकर 10,10,375.63 करोड़ रुपये पर आ गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज की बाजार हैसियत 21,516.63 करोड़ रुपये घटकर 19,31,963.46 करोड़ रुपये रही। वहीं भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का मूल्यांकन 18,250.85 करोड़ रुपये घटकर 7,07,186.89 करोड़ रुपये रह गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड के बाजार पूंजीकरण में 16,388.4 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह घटकर 5,44,893.71 करोड़ रुपये पर आ गया। भारती एयरटेल का मूल्यांकन 15,481.22 करोड़ रुपये घटकर 10,50,413.33 करोड़ रुपये रहा। एलआईसी की बाजार हैसियत 13,693.62 करोड़ रुपये घटकर 5,93,379.66 करोड़ रुपये पर आ गई। बजाज फाइनेंस का मूल्यांकन 2,417.36 करोड़ रुपये घटकर 5,80,052.09 करोड़ रुपये रहा। इस रुख के उलट टीसीएस की बाजार हैसियत 22,215.06 करोड़ रुपये बढ़कर 12,47,190.95 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। इन्फोसिस का मूल्यांकन 15,578.3 करोड़ रुपये बढ़कर 6,65,318.03 करोड़ रुपये रहा। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इन्फोसिस, एलआईसी, बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड का स्थान रहा।

देश के सकल घरेलू उत्पाद में पर्यटन उद्योग का योगदान 2030 तक सात प्रतिशत से अधिक होगा : विशेषज्ञ

नयी दिल्ली। भारत के तेजी से बढ़ते पर्यटन उद्योग का विदेशी मुद्रा आय में योगदान 2030 तक 4.5 लाख करोड़ को पार कर सकता है और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में इसका हिस्सा सात प्रतिशत से अधिक हो सकता है। पर्यटन जगत के विशेषज्ञों ने यह बात कही। पर्यटन मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार, पर्यटन जगत से विदेशी मुद्रा आय 2023 में 2,31,927 करोड़ रुपये थी जो 2024 में 2,77,842 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। इंडियन एसोसिएशन ऑफ द टूर ऑपरेटर (आईएटीओ) के अध्यक्ष राजीव गोसेन ने कहा कि भारत में पर्यटन के बढ़ने से विदेशी मुद्रा आय भी लगातार बढ़ रही है लेकिन अब यह क्षेत्र अपने उच्चतम स्तर पर नहीं पहुंचा है। उन्होंने बातचीत में कहा, '' भारत का पर्यटन क्षेत्र अगले पांच वर्षों में मजबूत वृद्धि के लिए तैयार है। 2024 में विदेशी मुद्रा आय 2,77,842 करोड़ रुपये रही और हम करीब 8-10 प्रतिशत की स्थिर वार्षिक वृद्धि दर की उम्मीद कर रहे हैं। यदि ये रुझान जारी रहे, तो 2030 तक पर्यटन क्षेत्र की विदेशी मुद्रा आय 4,50,000 करोड़ रुपये को पार कर सकती है। जीडीपी में योगदान पर उन्होंने कहा, '' पर्यटन वर्तमान में भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से लगभग पांच से छह प्रतिशत का योगदान देता है। पर्यटन मंत्रालय और विश्व यात्रा एवं पर्यटन परिषद (डब्ल्यूटीटीसी) के आंकड़ों से पता चलता है कि 2030 तक इस क्षेत्र का योगदान सकल घरेलू उत्पाद में सात प्रतिशत से अधिक हो सकता है, लेकिन इसके लिए जरूरी है कि अनुकूल नीतियों के साथ बुनियादी ढांचे, डिजिटलीकरण और कौशल विकास में निवेश को प्रोत्साहित करना जारी रखा जाए। रोजगार सृजन पर गोसेन ने डब्ल्यूटीटीसी के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि भारत में इस क्षेत्र में लगभग आठ करोड़ लोगों को रोजगार मिला हुआ है। यह प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष कुल रोजगार का लगभग 12 से 13 प्रतिशत है। प्रत्यक्ष रोजगार में होटल, विमानन कंपनियां, यात्रा संबंधी एजेंसियों व यात्रा परिचालक और अप्रत्यक्ष रोजगार में निर्माण, खाद्य उत्पादन आदि जैसे क्षेत्र शामिल हैं। उन्होंने कहा कि भारत ने 2047 तक 10 करोड़ अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को आकर्षित करने का लक्ष्य रखा है। साथ ही घरेलू पर्यटन भी तेजी से बढ़ रहा है जिससे अगले पांच वर्ष में रोजगार सृजन में इसका योगदान 15 से 20 प्रतिशत हो सकता है.. खासकर छोटे व मझोले शहरों में। गोसेन ने व्यवसाय के दृष्टिकोण पर कहा कि यह क्षेत्र अधिक संगठित, प्रौद्योगिकी-संचालित और ग्राहक-केंद्रित होता जा रहा है। 'वेलनेस टूरिज्म', 'एडवेंचर ट्रैवल', 'हेरिटेज सर्किट' और 'लक्जरी एक्सपीरियंस' जैसे नए यात्रा रुझान उभरने से 'इनोवेटिव ट्रैवल बिजनेस' के लिए महत्वपूर्ण अवसर खुल रहे हैं। आंकड़ों के अनुसार, दुनियाभर से 2024 में 96,57,003 लोग भारत आए। यह 2023 की तुलना में 19.80 प्रतिशत और 2023 की तुलना में 28.35 प्रतिशत की वृद्धि है। इनमें से सबसे अधिक 24.38 प्रतिशत लोग अमेरिका से आए थे। पर्यटन क्षेत्र के विशेषज्ञ डॉ. हिमांशु तलवार ने कहा, ''यह क्षेत्र हमेशा से भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ रहा है। ताजा आंकड़ों से यह और स्पष्ट हो जाता है। भारत के सड़क, रेल एवं विमानन अवसंरचना के तेजी से विकसित होने से इसे और बल मिला है। इसके अलावा भारतीय पर्यटन स्थलों का सक्रिय प्रचार है, खासकर युवाओं द्वारा सोशल मीडिया के जरिये भारत की सुंदरता को दुनिया के सामने लाने में मदद मिली है। उन्होंने कहा कि सरकार की बेहतरीन पहल एवं यात्रियों के समर्थन से भारत एक 'प्रीमियम' वैश्विक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित हुआ है।

भारत आर्थिक शक्ति के रूप में उभर रहा; पर नौकरी, सुधारों के मोर्चे पर स्थिति अच्छी नहीं: सुब्बाराव

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर डी सुब्बाराव ने कहा है कि नरेन्द्र मोदी सरकार के 11 साल के कार्यकाल के दौरान मजबूत आर्थिक वृद्धि, राजकोषीय स्थिति और महंगाई दर में नरमी के साथ भारत आज आर्थिक शक्ति के रूप में उभर रहा है, लेकिन अच्छी नौकरी सृजित करने, विनिर्माण और अगली पीढ़ी के सुधारों को आगे बढाने के मोर्चे पर स्थिति अच्छी नहीं है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में 2014 में जब राष्ट्रीयज जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार सत्ता में आई थी, उस समय आर्थिक वृद्धि धीमी थी, महंगाई बढ़ी हुई थी, डॉलर के मुकाबले रुपये की विनिमय दर अस्थिर थी और राजकोषीय तथा चालू खाते का घाटा ऊंचा बना हुआ था तथा फंसे कर्ज की समस्या थी। सुब्बाराव ने कहा, ''आज, 11 साल बाद, आर्थिक वृद्धि मजबूत है, मुद्रास्फीति नरम हुई है, रुपया स्थिर है, बाह्य क्षेत्र मजबूती दिखा रहा है, राजकोषीय स्थिति बेहतर है और फंसे कर्ज की समस्या समाप्त हो गयी है। हालांकि, शुल्क बाधाओं और बिगड़ते भू-राजनीतिक तनावों से कई वैश्विक बाधाएं और अनिश्चितताएं उत्पन्न हुई हैं, बावजूद इसके भारत एक आर्थिक शक्ति के रूप में उभर रहा है जो महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, ''पिछले 11 वर्षों में यह एक उल्लेखनीय बदलाव है, यह खुशी का कारण है, लेकिन जश्न मनाने का नहीं३। अन्य बातों के साथ हम रोजगार, विनिर्माण और आर्थिक सुधारों को आगे बढ़ाने में विफल रहे हैं। एक सवाल के जवाब में सुब्बाराव ने कहा, ''निश्चित रूप से जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) बढ़ रही है, और हम आगे बढ़े हैं। आज हम चार ट्रिलियन (4,000 अरब डॉलर) की अर्थव्यवस्था हैं। जब मोदी सरकार ने सत्ता संभाली थी तब हम 11वें स्थान पर थे। आज हम दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं। हम इस साल चौथी सबसे बड़ी और 2027 में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएंगे। उन्होंने कहा, ''लेकिन जीडीपी सिर्फ एक पैमाना है। आप जानते हैं, हम एक बड़ी अर्थव्यवस्था हैं, हमारी आबादी 1.4 अरब है। लेकिन सचाई है कि प्रति व्यक्ति आय के हिसाब से, हम अब भी एक गरीब देश हैं, जो किसी देश की बेहतरी का एक मापदंड है। प्रति व्यक्ति आय लगभग 2,800 डॉलर (2,878 डॉलर) है, हम इस मामले में 136वें (196 देशों में) स्थान पर हैं। हम ब्रिक्स में सबसे गरीब हैं।

वोल्टास के घरेलू उपकरण संयुक्त उद्यम वोल्टबेक का राजस्व 2024-25 में 39.5 प्रतिशत बढ़ा

नयी दिल्ली। वोल्टास और तुर्किये की कंपनी अर्सेलिक के संयुक्त उद्यम वोल्टबेक होम अप्लायंसेज ने वित्त वर्ष 2024-25 में अपने घाटे को कम करके 241.89 करोड़ रुपये कर दिया। इस दौरान कंपनी का परिचालन राजस्व 39.5 प्रतिशत बढ़कर 2,235.53 करोड़ रुपये हो गया। टाटा समूह की फर्म की ताजा वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, वोल्टबेक ने मात्रा के लिहाज से सालाना आधार पर 57 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि भी हासिल की। संयुक्त उद्यम ने मार्च, 2024 को समाप्त वित्त वर्ष में 1,602.87 करोड़ रुपये का परिचालन राजस्व दर्ज किया था, जबकि इस दौरान उसका घाटा 267.09 करोड़ रुपये रहा था। वोल्टास ने कहा, रेफ्रिजरेटर और वॉशिंग मशीन में उल्लेखनीय बाजार हिस्सेदारी के साथ संयुक्त उद्यम वोल्टबेक बिक्री मात्रा में सालाना 56 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की।

लद्दाख प्रतिनिधिमंडल ने सीतारमण से मुलाकात की, पर्यटन क्षेत्र के लिए विशेष राहत की मांग

एजेंसी

लेह। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद पर्यटकों के आगमन में भारी गिरावट से जूझ रहे पर्यटन क्षेत्र की कंपनियों समेत विभिन्न प्रतिनिधिमंडलों ने यहां वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडलों ने केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में पर्यटन और संबद्ध क्षेत्रों के लिए विशेष राहत की वकालत की। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। प्रतिनिधिमंडलों ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए बजट आवंटन बहाल करने की भी मांग की और अनुरोध किया कि बजट अनुमान और संशोधित अनुमान को सितंबर-अक्टूबर के बजाय दिसंबर तक के व्यय के आधार पर अंतिम रूप दिया जाए, ताकि क्षेत्र की वास्तविक खर्च क्षमता को दर्शाया जा सके। अधिकारी ने बताया कि सीतारमण शनिवार को चार दिवसीय दौरे पर लेह पहुंचीं। सीतारमण लेह पैलेस में 'प्रकाश एवं ध्वनि प्रदर्शनी' में शामिल हुईं तथा शांति स्तूप का दौरा किया। इसके अलावा, उन्होंने लद्दाख स्वायत्त पर्वतीय विकास परिषद (एलएएचडीसी) के चेयरमैन एवं मुख्य कार्यकारी पार्षद ताशी ग्यालसन के नेतृत्व में विभिन्न प्रतिनिधिमंडलों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि प्रतिनिधिमंडलों में ऑल लद्दाख ट्रैवल एंड ट्रेड अलायंस, ऑल लद्दाख होटल एंड गेस्ट हाउस एसोसिएशन (एएलजीएचए), ऑल लद्दाख टूर ऑपरेटर्स एसोसिएशन (एएलटीओए), ऑल लद्दाख ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन (एएलटीए), मर्चेंट एसोसिएशन, बाइकर एसोसिएशन, टैक्सी यूनियन और पर्यटन से संबंधित अन्य निकायों के प्रमुख हितधारक भी शामिल थे। लद्दाख के विभिन्न पर्यटन और व्यापार क्षेत्रों के प्रतिनिधिमंडल ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद पर्यटकों की संख्या में आई उल्लेखनीय गिरावट पर बढ़ती चिंता को रेखांकित किया। हमले में 26 लोग मारे गए थे।

कैग ने राज्यों के 1,600 सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के ऑडिट के लिए अलग इकाई बनाई

नयी दिल्ली। भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) ने विभिन्न राज्य सरकारों के लगभग 1,600 सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) की लेखा परीक्षा (ऑडिट) के लिए एक अलग इकाई की स्थापना की है। कैग ने तेजी से लेखा परीक्षा करने और अधिक दक्षता हासिल करने के लिए यह कदम उठाया। उप नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के एस सुब्रमण्यन (एचआर, आईआर, समन्वय और विधि) ने कहा, ड्डहाल में एक अलग इकाई बनाई गई है। इस संबंध में एक आदेश जारी किया गया है। एक बार यह इकाई बन जाने के बाद राज्यों के पीएसयू के लेखा परीक्षा एक विशेष स्थान पर होंगे।

फ़ेड के नीतिगत निर्णय और भू-राजनीतिक तनाव का बाजार पर रहेगा असर

एजेंसी

मुंबई। इजरायल और ईरान तनाव को लेकर निवेशकों के सुरक्षित गंतव्य का रुख करने से स्थानीय स्तर पर हुई भारी बिकवाली के दबाव में बीते सप्ताह एक प्रतिशत से अधिक लुढ़के घरेलू शेयर बाजार पर अगले सप्ताह अमेरिकी फ़ेडरल रिजर्व के नीतिगत निर्णय और मध्य-पश्चिम के भू-राजनीतिक तनाव का असर रहेगा। बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1070.39 अंक अर्थात 1.3 प्रतिशत का गोता लगाकर सप्ताहांत पर 81118.60 अंक पर आ गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 284.45 अंक अर्थात 1.14 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24718.60 अंक पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में बीएसई की दिग्गज कंपनियों के विपरीत मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में कम बिकवाली हुई। इससे मिडकैप 415.23 अंक अर्थात 0.91 प्रतिशत लुढ़ककर सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिवस पर 45681.28 अंक और स्मॉलकैप 69.97 अंक यानी 0.13 प्रतिशत कमजोर रहकर 53370.29 अंक रह गया। विश्लेषकों के अनुसार, इस हफ्ते भारतीय शेयर बाजारों में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिला और आखिर में बाजार गिरावट के साथ बंद हुए। शुरुआत में बाजार में तेजी रही क्योंकि अमेरिका और चीन के बीच व्यापार को लेकर बातचीत में सुधार की उम्मीद थी। लेकिन, इजरायल ने ईरान की परमाणु संयंत्रों पर हमला कर दिया, जिससे दुनिया भर में तनाव बढ़ गया और बाजार की हालत बिगड़ गई। इस वजह से निवेशकों ने सोना और अमेरिकी बॉन्ड जैसी सुरक्षित चीजों में पैसा लगाना शुरू कर दिया। वहीं, कच्चे तेल की कीमतें भी बढ़कर 76 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर पहुंच गईं, क्योंकि आपूर्ति में रुकावट की आशंका फिर से पैदा हो गई है। स्थानीय स्तर पर उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खुदरा महंगाई 75 महीने के निचले स्तर पर आ गई है, जो अच्छी खबर है। लेकिन, अगर पश्चिम एशिया में तनाव और बढ़ता है, तो तेल की महंगाई फिर से देश में महंगाई बढ़ा सकती है। सेक्टर की बात करें तो ऑटो, रियल एस्टेट और बैंकिंग जैसे सेक्टरों में मुनाफा कमाया गया जबकि आईटी और फार्मा कंपनियों को रुपये की कमजोरी से फायदा हुआ। अब निवेशकों की नजर अमेरिका के फ़ेडरल रिजर्व की 17-18 जून को होने वाली अगली बैठक पर है। माना जा रहा है कि इस बार ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं होगा, लेकिन फ़ेड आगे क्या कदम उठाएगा, उस पर सभी की नजर रहेगी। ऊंची कीमतों और अंतरराष्ट्रीय तनाव के चलते निवेशकों को फिलहाल सतर्क रहने की सलाह दी जा रही है। अमेरिका और चीन के बीच लंदन में होने वाली व्यापार वार्ता से वैश्विक स्तर पर तनाव कम होने की उम्मीद से उत्साहित निवेशकों की स्थानीय स्तर पर हुई चौतरफा लिवाली की बदौलत सोमवार को सेंसेक्स 256.22 अंक की छलांग लगाकर 82,445.21 अंक और निफ्टी 100.15 अंक उछलकर 25103.20 अंक पर पहुंच गया।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242
Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना

पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की साई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

जापान व ब्रिटेन से आगे निकला भारत: विजय रघुवंशी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

सुल्तानपुर। सेवा सुशासन,गरीब कल्याण के 11 साल विकास और विरासत के युगांतकारी परिवर्तन के हैं। भारत ने समावेशी विकास का स्पष्ट और सुगम रास्ता तैयार किया है। उपलब्धियों का बखान करते हुए कहा पिछले 11 वर्षों में 27 करोड़ भारतीय गरीबी रेखा के बाहर निकले हैं। आर्थिक विकास के मामले में जापान व ब्रिटेन से आगे निकलकर भारत दुनिया की चौथी अर्थव्यवस्था बन गया है।आज भारत ग्लोबल एजेंडा सेट करने वाला देश है। यह बातें भाजपा मीडिया प्रमुख विजय सिंह रघुवंशी ने लंभुआ में एक मैरिज लान में आयोजित विकसित भारत संकल्प सभा को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए रविवार को कही। उन्होंने आपरेशन सिन्दूर को नये भारत की वैश्विक शक्ति का परिचायक बताया। लंभुआ मण्डल अध्यक्ष शेर बहादुर सिंह की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य वक्ता पूर्व प्रदेश कार्यसमिति सदस्य शिवाकांत मिश्रा ने केन्द्र की मोदी सरकार की तमाम उपलब्धियों की चर्चा करते हुए कहा भारत ने विकास व सुशासन की नई गाथा लिखी है। 2014 से पहले देश बदहाल स्थिति में था। कांग्रेस की सरकार में विकास नही,भ्रष्टाचार की खबरें अखबारों की सुर्खियां बनती थी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से 2047 में विकसित भारत बनाने के संकल्प को पूरा करने के लिए योगदान देने का आह्वान किया। कार्यक्रम को जिला महामंत्री विजय त्रिपाठी, मण्डल प्रभारी गोविन्द तिवारी टाडा ने भी संबोधित किया। मण्डल अध्यक्ष शेर बहादुर सिंह ने सभी का धन्यवाद करते हुए आभार प्रकट किया। संचालन मण्डल महामंत्री संजीव पाण्डेय ने किया। इस मौके पर आर्थिक प्रकोष्ठ के संयोजक संजय सिंह बबलू,कैलाश दूबे,कपिल देव तिवारी, पूर्व जिला मंत्री विजय सिंह, राजकुमार अग्रहरि,राजेश राज मिश्रा,मधू अग्रहरि,रेखा बरनवाल,रमेश सिंह,वीरेन्द्र सिंह, संजय सरोज, शुभम सिंह, विनीत सिंह,संजय निषाद समेत सैकड़ों की संख्या में लोग मौजूद रहे। मीडिया प्रमुख विजय रघुवंशी ने बताया कि कादीपुर करौंदीकला, पीपी कमैचा, कटका, सेमरी आदि मण्डलों में भी विकसित भारत संकल्प सभा आयोजित हुई।

भव्य शुभारंभ के साथ योग सप्ताह प्रारंभ जनपद भर में जागरूकता का संचार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मीरजापुर। 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में रविवार को जनपद में योग सप्ताह की भव्य शुरुआत हुई। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन एवं मुख्य विकास अधिकारी विशाल कुमार के कुशल मार्गदर्शन में जनपद की चारों तहसीलों, तीनों नगर पालिकाओं, एक नगर पंचायत, 12 ब्लॉकों, गंगा तटवर्ती फतहा घाट, ऐतिहासिक चुनार किला, सभी आयुष चिकित्सालयों एवं ग्राम पंचायतों में एक साथ योग सप्ताह का उद्घाटन कार्यक्रम आयोजित किया गया। योग सप्ताह का शुभारंभ फतहा घाट पर हुआ, जहां जिला पंचायत अध्यक्ष राजू कनौजिया ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी, अपर मुख्य अधिकारी पंचायत, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला होम्योपैथी चिकित्साधिकारी, क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. श्रीकांत रजक समेत अनेक प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की खास बात रही विभिन्न सामाजिक व योग संस्थाओं की सक्रिय भागीदारी। ब्रह्मकुमारी, पतंजलि योग संस्थान और आर्ट ऑफ लिविंग के प्रतिनिधियों ने सामूहिक योग अभ्यास में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और उद्घाटन तट से लेकर ग्रामीण अंचलों तक योग का संदेश पहुंचाते हुए इस पहल ने जनमानस में स्वास्थ्य और जागरूकता के प्रति सकारात्मक वातावरण निर्मित किया। जिले में आगामी दिनों तक चलने वाले योग सप्ताह में विभिन्न स्थानों पर योग प्रशिक्षण, सत्र और जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

टीले पर बने कई मकान ढहे, कई दबे, एक की मौत, बचाव कार्य जारी

मथुरा। नगर के थाना गोविन्द नगर क्षेत्र अंतर्गत कच्ची सड़क क्षेत्र स्थित कृष्ण गंगा में एक बाड़े में टीले पर बने कई मकान रविवार को अचानक ढह जाने से हाहाकार मच गया है। टीले की मिट्टी धंस जाने से उस पर बने कई मकानों के हिस्से गिर गए। जिसके मलबे में वहां काम कर रहे कई मजदूर दब गए हैं। दबे लोगों को बाहर निकाला जा रहा है। अभी तक एकव्यक्ति का शव बरामद हुआ है। पुलिस, फायर ब्रिगेड, सिविल डिफेंस की टीमें बचाव व राहत कार्य में जुटी हैं। जिले के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर हैं। कृष्ण गंगा में एक बाड़े में करीब पांच मंजिल ऊंचे टीले पर कई मकान बने हुए थे। इस जमीन के पार्टनर सुनील चैन वहां दीवार बनवाने का काम करीब एक सप्ताह से करवा रहे थे।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस : नमोघाट पर योग सप्ताह शुरू, करें योग रहें निरोग का संदेश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। 11 वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर रविवार से नमोघाट पर योग सप्ताह की शुरूआत हुई। घाट पर 'एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग' थीम पर आधारित योग सप्ताह में अलसुबह से विशिष्ट जनों का जमावड़ा होने लगा। आयुष मंत्रालय के योगा प्रोटोकॉल के तहत योगाचार्य अभय स्वाभिमानी, आशीष, रक्षा कौर, दीपिका दबे की देखरेख में जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्य, भाजपा जिलाध्यक्ष/एमएलसी हंसराज विश्वकर्मा, एमएलसी धर्मेंद्र राय, शहर दक्षिणी के विधायक डॉ नीलकंठ तिवारी, कमिश्नर एस. राजलिंगम, जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार, मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु नागपाल,गोवर्धन पूजा समिति अध्यक्ष विनोद यादव 'गप्पू', पूर्व महामंत्री पारस यादव 'पप्पू' सहित अन्य लोगों ने योगाभ्यास कर करें योग रहे निरोग का संदेश दिया। जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने लोगों से योग को अपने जीवन में अपनाने का आग्रह किया। इसके पहले गोवर्धन पूजा समिति के पदाधिकारियों ने अतिथियों को केसरिया साफा पहनाकर स्वागत किया। बताते चले योग सप्ताह में नमोघाट के साथ अन्य गंगा घाटों, स्वास्थ्य केन्द्रों, पार्कों, ब्लॉकों से लेकर ग्राम पंचायत स्तर पर भी योग प्रतियोगिता होगी। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को सफल बनाने के लिए जिला प्रशासन के साथ भाजपा और विभिन्न संगठनों ने भी पूरी तैयारी की है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का नाना राव पार्क से हुआ शुभारंभ,15 से 21 जून तक चलेगा योग जागरूकता अभियान : जिलाधिकारी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कानपुर। सांसद रमेश अवस्थी ने रविवार को दीप प्रज्ज्वलित कर 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग सप्ताह दिवस कार्यक्रम का शुभारंभ नाना राव पार्क, फूलबाग से किया। इस दौरान जनपदवासियों से अपील करते हुए कहा गया कि करें योग, रहें निरोग। आप सभी अधिक से अधिक संख्या में इस सप्ताह चलने वाले योग अभ्यास कार्यक्रमों में सहभागिता करें, और 21 जून को ग्रीन पार्क स्टेडियम में आयोजित मुख्य योग कार्यक्रम में भी भाग लेकर योग को जन-आंदोलन बनाएं। जिलाधिकारी जीतेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि ''जीवन में यदि स्वास्थ्य है, तो सब कुछ है। पहला सुख-निरोगी काया है और इसे पाने के लिए योग का नियमित अभ्यास अत्यंत आवश्यक है। ''योग सप्ताह के अंतर्गत 15 जून से 21 जून तक जनपद के विभिन्न स्थलों पर योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों के माध्यम से आमजन को शारीरिक स्वास्थ्य एवं मानसिक शांति के प्रति जागरूक किया जाएगा। जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद कानपुर नगर में 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में योग सप्ताह का भव्य शुभारंभ आज दिनांक 15 जून को नाना राव पार्क, फूलबाग से कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सांसद रमेश अवस्थी के कर कमलों द्वारा किया गया।

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव

प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह

समूह संपादक
डॉ. सुशीलचन्द्र त्रिवेदी 'मधुपेश'

स्थानीय संपादक
दिनेश कुमार गर्ग

सलाहकार संपादक
डा. एम.ए.ए.खान (लखनऊ)
(आई.ए.एस. से.नि.)

डा. ओम प्रकाश
(आई.ए.एस. से.नि.)

स्थानीय संपादक नोएडा/एनसीआर

समन्वय संपादक
आशुतोष रंजन

समन्वय संपादक/महाप्रबंधक
अनिल तिवारी

साहित्यक संपादक
आर.पी. शुक्ल, आई.ए.एस(से नि.)

आध्यात्मिक संपादक
श्री राम महेश मिश्र

सह संपादक
ताहिर इकबाल
आई.ए.एस (से नि.)

सह संपादक
मेजर. के. किशोर

सह संपादक
हरीशंकर शुक्ल (पी.पी.एस. से.नि.)

उप सम्पादक
प्रभात वर्मा

स्टेट क्वार्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्कमुख्यालय

कार्यालय फोन नं. : 0522-46 43988
www.rashtriyaprastavana.com
ई-मेल : noidarp@gmail.com

प्रधान कार्यालय : - एफ1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशांतगंज लखनऊ,(उप्र)

भदोही: समाजवादी राजनीति के पुरोधा पूर्व सांसद रामरती बिंद का निधन

- मिर्ज़ापुर-भदोही से सपा के चुने गए थे सांसद, विधायक और मंत्री भी रहे

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

भदोही। भदोही-मिर्ज़ापुर लोकसभा के पूर्व सांसद एवं समाजवादी पार्टी के नेता रामरती बिंद (85) का लम्बी बीमारी से रविवार को वाराणसी में निधन हो गया। बिंद काफी दिनों से अस्वस्थ चल रहे थे। वाराणसी में उन्हें इलाज के लिए भर्ती कराया गया था।

रामरती बिंद भदोही-मिर्ज़ापुर क्षेत्र से 13वीं लोकसभा में मिर्ज़ापुर-भदोही निर्वाचन क्षेत्र से सांसद चुने गए थे। बिंद उत्तर प्रदेश की तत्कालीन सपा सरकार में भी मंत्री रहे। 2007 के मिर्ज़ापुर-भदोही लोस उपचुनाव में उन्हें रमेश दुबे से हार का सामना करना पड़ा था। समाजवादी पार्टी के संस्थापक सदस्य, पूर्व सांसद एवं उत्तर प्रदेश सरकार में पूर्व मंत्री रहे बिंद बेहद मिलसार और सरल व्यक्ति थे। भदोही की राजनीति में उन्हें गांधी के उपनाम से लोकप्रिय एवं जनप्रिय नेता थे। हालांकि सपा से सांसद रह चुके रामरती बिंद ने भी सत्ता की चाहत में बार-बार पार्टी बदली। 2014 के लोकसभा चुनाव में सपा का टिकट कटने से नाराज बिंद अपना दल का दामन थामते हुए चुनाव लड़े। चुनाव में मिली हार के बाद विधानसभा चुनाव के ठीक पहले बसपा की सदस्यता ग्रहण कर ली। इसके बाद उन्होंने लोकसभा चुनाव के ठीक पहले बसपा का साथ छोड़कर भाजपा की सदस्यता हासिल कर ली थी। पूर्व सांसद रामरती बिंद का रविवार वाराणसी में इलाज के दौरान एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। बिंद काफी दिनों से बीमार चल रहे थे। बिंद भदोही जिले के नेवादा (रोही) बिसौली के निवासी थे। उनके पार्थिव शरीर का पैतृक आवास नेवादा रोही में अंतिम दर्शन के लिए रखा जायेगा। पूर्व सांसद के निधन पर राजनैतिक दलों के राजनेताओं और समाजवादी पार्टी के लोगों ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है।

वाराणसी : नमामि गंगे ने सामने घाट पर जगाई स्वच्छता की अलख

- स्वच्छता का संकल्प दिलाकर सफाई के प्रति प्रेरित किया

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। नमामि गंगे ने सामने घाट पर रविवार सुबह स्वच्छता की अलख जगाई। घाट पर मौजूद लोगों को स्वच्छता का संकल्प दिलाकर सफाई के प्रति प्रेरित किया। घाट पर स्वयंसेवकों के साथ आमजन ने भी स्वच्छता अभियान में पूरे उत्साह से भागीदारी की। सामने घाट की सीढ़ियों एवं गंगा तट पर सफाई कर वहां के निर्माल्य और गंदगी को समेटा गया। इस दौरान वहां ''हम नहीं रुकेंगे-स्वच्छ करेंगे'' व ''सबका साथ हो-गंगा साफ हो'' का गगन भेदी उद्घोष गूंजता रहा । नमामि गंगे काशी क्षेत्र के संयोजक राजेश शुक्ला ने लोगों को बताया कि मां गंगा भारत की समृद्ध संस्कृति और लोक आस्था की सनातन स्रोत हैं। पूजनीय गंगा की महत्ता असीमित है। हम भाग्यशाली हैं कि हमें मां गंगा की स्नेह धारा से सिंचित होने का अवसर मिला है। गंगा का संरक्षण करना प्रत्येक भारतीय की जिम्मेदारी है। गंगा तट पर सफाई रखकर हम अनेकों बीमारियों से भी बच सकते हैं। स्वच्छता अभियान में सुभाष श्रीवास्तव, विनोद कुमार सिंह, कौशल्या कुशवाहा, केदारनाथ त्रिपाठी, राम सिंह, महेंद्र तिवारी, रमेश श्रीवास्तव, चंद्रावती देवी ने भी भाग लिया।

स्वास्थ्य के लिए लाभदायक और पर्यावरण अनुकूल 'मिट्टी के घड़ा' का पानी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज। आधुनिक तकनीक से बने फ्रिज से बाजार भले पटे पड़े हैं, बावजूद घड़ा अथवा मटका अपनी उपयोगिता को हर स्तर पर महत्वपूर्ण साबित करता है। इसका शीतल जल प्राकृतिक खनिजों से भरपूर होता है क्योंकि मिट्टी से पानी में हल्के खनिज तत्व मिलते हैं जो स्वास्थ्य के लिए लाभदायक और पर्यावरण अनुकूल है।

घड़ा प्राकृतिक तरीके से पानी को ठंडा करता है। गर्मी में मटके का पानी जितना शीतल और सुकूनदायक लगता है, स्वास्थ्य के लिए भी उतना ही लाभदायक होता है। इसमें रोगों से लड़ने की क्षमता होती ही है, साथ ही कुछ बीमारियां भी दूर होती हैं। गर्मी का प्रकोप बढ़ते ही चाक पर हुनरमंद हाथों से तराशे गए ख़मिट्टी के घड़े और सुराही गरीबों के फ्रिजङ्क बन गए हैं।

प्रयागराज में नैनी स्थित आरोग्य आश्रम एवं आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान के आयुर्वेदाचार्य डाक्टर नरेंद्र नाथ केसरवानी ने बताया कि आज जब बाजार आधुनिक तकनीक से बने फ्रिज से भरे पड़े हैं, तब भी मटका अपनी उपयोगिता और महत्व को साबित करता है। यह प्राकृतिक तरीके से पानी को ठंडा करता है। गर्मी में मटके का पानी जितना ठंडा और सुकूनदायक होता है, स्वास्थ्य के लिए भी उतना ही लाभदयक होता है। इसके पानी में रोगों से लड़ने की क्षमता के साथ ही कुछ बीमारियां भी दूर होती हैं।

डा केसरवानी ने बताया कि यह पानी कई खनिजों जैसे कैल्शियम, मैग्नीशियम और पोटेशियम और आयरन से भरपूर होता है, जो शरीर को हाइड्रेट करने में मदद करते हैं। घडे का 'अल्कलाइन पानी' जिसका पीएच सात से अधिक होता है और क्षारीय गुणों से भरपूर होता है, पीने से एसिड रिफ्लक्स से राहत मिलती है। यह पानी शरीर के एसिड-बेस बैलेंस को बनाए रखने में मदद कर सकता है, जिससे एसिडिटी की समस्या कम हो सकती है

उन्होंने बताया कि घड़े का पानी गले को तरावट तो पहुंचाता ही है साथ ही यह पाचन क्रिया को भी बेहतर बनाता है। गैस्ट्रिक और एसिडिटी की शिकायत दूर होती है और शरीर में टेस्टोस्टेरॉन का स्तर भी बढ़ता है। यह पाचन तंत्र को बेहतर रखने, शरीर को हाइड्रेट करने और त्वचा के लिए लाभादायक होता है। फ्रिज के पानी में क्लोरीन और अन्य रसायन हो सकते हैं जबकि घडे का पानी इनसे मुक्त होता है। यह गले के संक्रमण, जुकाम जैसी समस्याओं से भी बचाव करता है, जो बहुत ठंडे पानी से हो सकती हैं। गांवों से लेकर शहरों तक मटका हर घर में गर्मी का एक सस्ता, टिकाऊ और स्वास्थ्यवर्धक समाधान है। डॉ केसरवानी ने बताया कि मटके की मिट्टी में छोटे-छोटे छिद्र होते हैं। जब हम घड़ा भरते हैं, तो मटका धीरे-धीरे पानी को बाहर की ओर हवा की तरफ छोड़ता है। इस प्रक्रिया को वाष्पीकरण (इवेपोरेशन) कहते हैं। जब पानी बाहर की हवा में वाष्प बनता है, तो यह पानी की ऊर्जा को ग्रहण करता है और उसके साथ पानी का तापमान कम हो जाता है, जिससे मटका का पानी ठंडा रहता है। गर्मी के मौसम में जब बाहर की हवा गर्म होती है, तो वाष्पीकरण की प्रक्रिया तेज हो जाती है और पानी तेजी से ठंडा होता है। उन्होंने बताया कि घड़ा के बाहर का हिस्सा सूरज की गर्मी से गर्म हो जाता है, लेकिन वह गर्मी अंदर की तरफ नहीं पहुंच पाती। इसका अंदरूनी भाग बहुत ठंडा रहता है,

और इस ठंडक के कारण अंदर का पानी भी ठंडा रहता है। यह प्रकिया प्राकृतिक कूलिंग सिस्टम की तरह काम करती है। यह स्वास्थ्यवर्धक और पर्यावरण अनुकूल है। फ्रिज का पानी मानव शरीर के लिए हानिकारक है,मिट्टी के घड़े का पानी एकदम शुद्ध और सही तापमान वाला होता है जो गले को राहत प्रदान करने वाला होता है। प्रजापति समाज लंबे समय से मिट्टी के बर्तन बनाने की पारंपरिक शिल्पकला से जुड़ा रहा है। आधुनिक तकनीक, प्लास्टिक के बढ़ते चलन के साथ तमाम झंझावतों के बीच प्रजापति समाज के कुम्हारों का यह पेशा काफी हद तक सिमट गया है। गर्मी का प्रकोप बढ़ते ही गरीबों की फ्रिज टोटी वाले घडे और डिजाइनर सुराही की भारी मांग से कुम्हारों को रोजगार मिला जिससे उनके चेहरे एक बार फिर खिल गए हैं। प्रयागराज के झूंसी, फाफामऊ और तेलियरगंज क्षेत्रों में रहने वाले कई कुम्हार परिवार अब दिन-रात मटके बनाने में जुटे हैं। कुम्हारों का आरोप है कि उनसे अधिक मुनाफ बिचौलिये कमा रहे हैं। उनसे 150 रूपए मटका और 60-70 रूपए में सुराही खरीद कर उपभोक्ताओं को 300 से 350 रूपए में मटका और 150-200 रूपए में सुराही बिक्री करते हैं। बाजार में टोटी लगे और सादे दोनो की मांग है। खासकर टोटी लगे मटके और डिज़ाइनर सुराहियों की बाजार में अच्छी मांग है। मिट्टी की समस्या, घडे या मिट्टी के अन्य बर्तनों को पकाने के लिए कच्चे ईंधन के मूल्यों में भारी इजाफा के साथ शारीरिक श्रम को देखते हुए उतना लाभ नहीं मिलता जितना मिलना चाहिए। तेलियरगंज निवासी बलकरन प्रजापति ने बताया, पिछले साल की तुलना में इस बार दोगुने मटके बिक रहे हैं। लोग टोटी वाला मटका ज्यादा पसंद कर रहे हैं, वह दिखने में भी अच्छा लगता है और उपयोग में भी आसान है। उन्होंने बताया कि मिट्टी के घड़े बनाने के लिए दोमट मिट्टी सबसे बेहतर मानी जाती है। यह मिट्टी चिकनी, रेत और गाद का मिश्रण होती है, जो घड़ा बनाने के लिए आदर्श होती है। दोमट मिट्टी में पानी और हवा का सही संतुलन होता है, जिससे घड़ा मजबूत बनता है और पानी को ठंडा रखने में भी मदद करता है। एक अन्य बुजुर्ग सुखई प्रजापति ने बताया कि वर्तमान में इनके द्वारा निर्मित मिट्टी की कलाकृतियां आकर्षण की केंद्र तो हैं लेकिन प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा सुधि नहीं लिए जाने तथा मिट्टी एवं ईंधन की सुविधा प्रदान न होने के कारण कुम्हारी कला पर ग्रहण लगता जा रहा है। वहीं प्लास्टिक के प्रचलन ने इस कला को पूर्णरूप से सिमटने पर मजबूर कर दिया है। उन्होंने अपनी तकलीफ को इस प्रकार बयां किया ख़माटी के बर्तन के दाम मटिये बराबर, पेट पाले की चिंता में लइकन के ना पढ़वनी। पुरानी झूंसी निवासी मदारी प्रजापति ने बताया कि उनके परिवार में नौ सदस्य हैं लेकिन माटी के बर्तन के दाम मटिये बराबर है, दिनभर पूरवा, सुराही, दीया बनावे लीं जा लेकिन शाम होत रोटी के चिंता होत है। पेट पाले के चिंता में अपनी लइकन के ना पढ़वनी। राजकुमार प्रजापति ने बताया कि प्लास्टिक के बर्तनों के प्रचलन ने उनके संपूर्ण कारोबार को ठप करके रख दिया है। उनके द्वारा बनायी जा रही मिट्टी के बर्तन सही दाम से न बिकने के कारण परिवार का खर्चा नहीं चल पाता। सबिता एवं लीलावती देवी ने बताया कि उन्हें माटी व ईंधन के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ती है। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) से इतिहास में बैचलर और काशी विद्यापीठ से सोशल वर्क में परास्नातक डिग्री हासिल करने वाले शैलेश मिश्र ने बताया कि कुम्हारी कला का इतिहास मानव सभ्यता के इतिहास जितना ही पुराना है। उन्होंने बताया कि इतिहास में मृदभांड के अवशेष मोहनजोदडो- हडप्पा की खुदाई से प्राप्त हुए हैं। मृदभांड अनाज और पानी रखने के उपयोग में आता था। श्री मिश्र ने बताया कि यह एक ऐसी कला है जो समय के साथ विकसित हुई है और आज भी दुनिया भर में जीवित है। आज के दौर में जब ऊर्जा संकट और पर्यावरण संरक्षण की बातें हो रही हैं, मटका जैसे स्वदेशी विकल्पों का महत्व और भी बढ़ गया है। यह न केवल हमारे स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है, बल्कि पर्यावरण की दृष्टि से भी अनुकूल है, इसलिए यह कहना गलत नहीं होगा कि मटका आज भी देसी फ्रिज से कम नहीं है। यह सस्ता, टिकाऊ, पर्यावरण मित्र और स्वास्थ्यवर्धक है। कुम्हारी कला भारतीय संस्कृति की विशिष्ट धरोहर है। इस कला से जुड़े परिवारों को हमें संभाल कर रखना होगा। उन्होंने कहा कि सरकार भी कुम्हारी कला को बढ़ावा देने के लिए संकल्पित है। मानव सभ्यता के विकास में कुम्हारों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। कहा जाता है कि कला का जन्म कुम्हार के घर में ही हुआ है। इन्हें उच्च कोटि का शिल्पकार वर्ग माना गया है। सभ्यता के आरंभ में दैनिक उपयोग के सभी वस्तुओं का निर्माण कुम्हारों द्वारा ही किया जाता रहा है। श्री मिश्र ने बताया कि समय के साथ, कुम्हारी कला विकसित होती गई और विभिन्न संस्कृतियों में अलग-अलग रूप लेती गई। अन्य साक्ष्यों के साथ, मिट्टी के बर्तनों का अध्ययन उन समाजों के संगठन, आर्थिक स्थिति और सांस्कृतिक विकास पर सिद्धांतों के विकास में सहायक है, जिन्होंने मिट्टी के बर्तनों का उत्पादन या अधिग्रहण किया था। मिट्टी के बर्तनों के अध्ययन से किसी संस्कृति के दैनिक जीवन, धर्म, सामाजिक संबंधों, पड़ोसियों के प्रति दृष्टिकोण, अपनी दुनिया के प्रति दृष्टिकोण और यहां तक कि संस्कृति द्वारा ब्रह्मांड को समझने के तरीके के बारे में भी निष्कर्ष निकाले जा सकते हैं।